वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2014-15

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

ए–13, सैक्टर–1, नौएडा - 201 301, जिला- गौतमबुद्धनगर (उ० प्र०)

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

A-13, Sector-1, NOIDA-201 301, Distt. Gautam Budh Nagar (U.P.)

वार्षिक रिपोर्ट
2014 - 15

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
पोत परिवहन मंत्रालय

मुख्यालय : ए–13, सैक्टर–1, नौएडा–201 301 जिला– गौतमबुद्धनगर (उ0 प्र0)
दूरभाष सं0 : 0120–2544036, 2543972 ; फैक्स सं0 0120–2543973, 2521764
ई–मेल : iwainoi@nic.in,वेबसाइट : www.iwai.nic.in

प्राधिकरण के सदस्य (2014–15 के दौरान)

		दूरभाष सं.	फैक्स सं.
अध्यक्ष	**श्री अमिताभ वर्मा,** भा. प्र. से.	0120-2543972	0120-2543973
सदस्य	**डा. श्रीमती टी. कुमार,** भा. प्र. से. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	011-23710140	011-23715195
सदस्य	**सुश्री जयश्री मुखर्जी,**भा. प्र. से. उपाध्यक्ष (7.10.2014 तक)	0120-2544009	0120-2544009
सदस्य	**श्री आर. पी. एस. कहलन,** भा. प्र. से. अध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट कोलकाता	033-22205370	033-22208226
सदस्य	**श्री सी. बी. सिंह** सलाहकार पोत परिवहन मंत्रालय	011-2376619	011-23350648
सदस्य	**श्री प्रवीर पाण्डेय,** भा.ले.प. एवं ले.से. सदस्य (वित्त), भा. अ. ज. प्रा.	0120-2544004	0120-2543976
सदस्य	**श्री आर. पी. खरे,** सदस्य (तकनीकी), भा. अ. ज. प्रा.	0120-2521664	0120-2544041

अन्य विवरण

		दूरभाष सं.
सचिव	**श्रीमती त. साई अमूथा देवी,** भा.डा. एवं तार, वि. एवं ले.से.	0120–2544036
अंकेक्षक	**भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक**	011–23235793
बैंकर्स	**सिंडीकेट बैंक** परिवहन भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001	011–23717573
	सिंडीकेट बैंक सैक्टर–18, नौएडा–201301	0120–2514381
	केनरा बैंक सैक्टर–1, नौएडा–201301	0120–2529163
	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सैक्टर–2, नौएडा–201 301	0120–2511426

क्षेत्रीय कार्यालय

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण गायघाट टर्मिनल –सह कार्यालय, गुलजारबाग, पटना–800007 (बिहार)	0612-2630112 0612-2630005 0612-2630114	0612–2630100
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पी–78, गार्डन रीच रोड, कोलकाता– 700043 (पश्चिम बंगाल)	033–24390393 033–24395577 033–24396055	033–24395570 033–24391710
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पांडु पोर्ट काम्प्लैक्स, पांडु, गुवाहाटी– 781012 (असम)	0361–2570109 0361–2676925 0361–2676927 0361–2676929	0361–2570099 0361–2570055
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण राष्ट्रीय जलमार्ग रोड, एन0 एच0 47 बाइपास, कन्नाडिकाडू मरदू, एर्नाकुलम – 682304 (केरल)	0484–2295064 0484–2389804	0484–2389445

उप–कार्यालय / ईकाईयाँ

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 360 / एफ / 44, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद– 211 006 (उ0 प्र0)	0532–2561151 0532–2560537	0532–2561152
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 52, द्वितीय तल, पटेल नगर, नदेसर, वाराणसी – 221 002 (उ0 प्र0)	0542–2505329	0542–2505329
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नवीन गांगुली रोड, दुर्गा स्थान (मंदिर घाट), भागलपुर –821 001 (बिहार)	0641–2400651	0641–2400651
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ऑफिस बिल्डिग संख्या–1, एफबीपी ऑफिस काम्प्लैक्स, पी0 ओ0– फरक्का बैरेज, जिला–मुर्शिदाबाद–742 212 (पश्चिम बंगाल)	03485–255809	03485–255809
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण फकीरतला, पी0 ओ0–महेशगंज, स्वरूपगंज, नदिया–741 315 (पश्चिम बंगाल)	09830508079	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण दुर्गाबाड़ी रोड टिनियाली, ए. टी. रोड, नालियापूल, डिब्रूगढ़ – 786 001	0373–2302540	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण धुब्री टर्मिनल, फ्री इंडिया घाट, धुब्री–786 005	03662–298111	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण आई.डब्लू.टी. टर्मिनल सह ऑफिस कॉम्प्लेक्स आश्रमम, नियर ईएसआई अस्पताल, कोल्लम–691 002	0474–2766460	

उप–कार्यालय / ईकाईयाँ

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण एफ–14, आईएमयू कैम्पस, ईस्ट कोस्ट रोड, उथंडी चेन्नई–600119 (तमिलनाडु)	08056079757	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण परिसर संख्या–191, प्रथम तल, बाया–बाबामठ लेन यूनिट संख्या– 9, राधाकृष्ण मंदिर के सामने, भुवनेश्वर– 751022	09830216848 09952974150	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण आईडब्लूएआई एक्जीक्यूटिव क्वार्टर (बी–1), के. ई. बंगलो कंपाउंड, स्टेट गेस्ट हाउस रोड, गवर्नरपेट विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश– 520002	0866–2575123	

1. अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र (अ0 ज0 प0)–सामान्य सूचना

(i) रेलवे, सड़क परिवहन, तटीय नौवहन, अन्तर्देशीय जल परिवहन, पाइपलाइन और वायु परिवहन युक्त परिवहन क्षेत्र किसी भी देश के आर्थिक विकास हेतु अहम अवसंरचना है। एक विकसित परिवहन प्रणाली मल्टीमॉडल नेटवर्क में परिवहन की ईष्टतम लागत को मामला दर मामला आधार पर सभी मॉडलों की शक्तियों का प्रयोग करते हुए संभव बनाती है। ऐसे गलियारों में जहां अन्तर्देशीय जल परिवहन को तुलनात्मक रूप से बड़े आकार के नौचालन चैनल के साथ विकसित कर इन्हें तकनीकी– वाणिज्यिक व्यवहार्य बनाया जा सकता है, वहां ये लागत प्रभावी, पर्यावरण सुलभ और ईंधन दक्ष परिवहन साधन प्रदान कर सकते हैं, विशेषकर इसका प्रयोग भारी मात्रा में सामानों, संकटपूर्ण कार्गो और अति बड़े आकार के कार्गो के लिए किया जा सकता है। कुछ विकसित देशों (जैसे अमेरिका, चीन और अनेक यूरोपीय देशों में) जहां अन्तर्देशीय जल परिवहन (आई डब्लू टी) क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं के विकास में इसका काफी उपयोग कर रहे हैं।

(ii) भारत में अनेक नदियां, नहरें, संकरी खाड़ी और बैकवाटर है, जिन्हें लागत प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन के रूप में उपयोग में लाने की काफी संभावनाएं हैं। 20वीं शताब्दी के प्रारंभ तक आईडब्लूटी को देश के विभिन्न भागों में परिवहन के महत्वपूर्ण साधन के रूप में प्रयोग किया गया था। तथापि, सड़कों और रेलवे के तीव्र विकास, देश में थोड़े औद्योगिक विकास, सहित अनेक कारणों से अन्तर्देशीय जल परिवहन इत्यादि के अनुरक्षण और विकास पर काफी कम ध्यान दिया गया, अनेक जलमार्ग, रेल और सड़क साधनों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक रूप से पीछे रह गए। आज आईडब्लूटी की महत्ता केवल कुछ क्षेत्रों में है जैसे असम, गोवा, मुम्बई, पश्चिम बंगाल, केरल और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ छोटे ज्वारीय क्षेत्र ।

(iii) अपर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाएं जैसे वर्ष भर प्रचालन हेतु आईडब्लूटी जलयानों की आवाजाही हेतु आवश्यक गहराई और चौड़ाई, कार्गो के लदान और ढुलाई के लिए टर्मिनल और सड़क/रेल के साथ संपर्क, दिन और रात के दौरान सुरक्षित और अबाधित नौवहन हेतु नौवहन सहायता और आईडब्लूटी जलयानों की कमी कुछ ऐसी मुख्य बाधाएं हैं, जिनका सामना अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र द्वारा किया जा रहा है। पर्याप्त आईडब्लूटी आवाजाही के लिए इस बात पर बल दिया जा रहा है कि आवश्यक अवसंरचना (मुख्यतः सरकारी वित्तपोषण) का निर्माण हो और इसके साथ–साथ मुख्यतः निजी क्षेत्र द्वारा आईडब्लूटी बेड़े में वृद्धि की जाए।

2. भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा.अ.ज.प्रा.) की भूमिका

भा.अ.ज.प्रा. अधिनियम, 1985 की धारा 14 के तहत भा.अ.ज.प्रा. ऐसे जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिए अधिदिष्ट है जो राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषित है। निम्नलिखित जलमार्गों को अब तक राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) घोषित किया गया है :–

(i) रा.ज.–1–उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल राज्यों में गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया से इलाहाबाद तक–1620 कि0 मी0) 1986 में घोषित।

(ii) रा.ज.–2–असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी (धुब्री से सदिया तक – 891 कि0 मी0) 1988 में घोषित।

(iii) रा.ज.–3–केरल राज्य में उद्योगमण्डल और चम्पाकारा कैनाल सहित पश्चिम तट कैनाल(कोट्टापुरम से कोल्लम तक) (205 कि0 मी0) 1993 में घोषित।

(iv) रा.ज.–4–आंध्रप्रदेश, तमिल नाडु और संघशासित प्रदेश पुडुचेरी राज्यों में गोदावरी और कृष्णा नदियों सहित काकीनाडा से पुडुचेरी कैनाल तक (1078 कि0 मी0) 2008 में घोषित।

(v) रा.ज.–5–पश्चिम बंगाल और उड़िसा राज्यों में ब्राह्मणी नदी और महानदी डेल्टा सहित पूर्व तट कैनाल (588 कि0 मी0) 2008 में घोषित।

(vi) इसके अलावा, भा.अ.ज.प्रा. सुन्दरवन जलमार्ग के भारतीय भाग का विकास और अनुरक्षण व्यापार और पारगमन हेतु भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल के अधीन कर रहा है, जिसके तहत एक देश का अन्तर्देशीय जलयान दूसरे देश के विनिर्दिष्ट मार्गों होकर चल सकता है।

3. राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास

3.1 नौवहन और नौचालन के लिए किसी जलमार्ग को व्यवहार्य बनाने हेतु तीन आधारभूत अवसंरचनात्मक आवश्यकताएं होती हैं। ये हैं –(i) निश्चित आकार के अन्तर्देशीय जलयानों के प्रचालन हेतु पर्याप्त गहराई और चौड़ाई के साथ नौचालन चैनल, (ii) दिवस और रात्रि नौचालन के लिए नौचालन संबंधी सहायताएं और (iii) सड़क /रेल सम्बद्धता के साथ माल/यात्री को चढ़ाने और उतारने सहित जलयानों की बर्थिंग मुहैया करने के लिए टर्मिनल।

3.2 राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1 और 2 विशिष्ट रूप से जलोढ़ नदियां हैं जिनमें मानसून और गैर मानसून महीनों के बीच गुम्फन, टेढ़े–मेढ़े चलने और पानी के स्तर में काफी उतार–चढ़ाव के गुण देखे जाते हैं। इन नदियों में कम पानी वाले मौसम में अनेक उथले क्षेत्र (शोल) बन जाते हैं जिनके कारण खासकर ऊपर वाले स्थानों में 2 मीटर की न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) का अनुरक्षण करना काफी कठिन हो जाता है। इन नदियों से उथले क्षेत्रों को हटाने के लिए हरेक मानसून के बाद ड्रेजिंग और बंडालिंग जैसे अनुरक्षण सम्बंधी कार्य नौचालन सम्बंधी चैनल मुहैया करने के लिए किए जाते हैं ताकि निर्विघ्न नौचालन किया जा सके। दूसरी तरफ रा.ज.–3 ज्वारीय नदियों और कैनालों से बना है जिसके पानी के स्तर में समरूप ज्वारीय परिवर्तन होता है। इसलिए, एकबार भारी निकर्षण करके अपेक्षित गहराई मुहैया कर देने पर इसे आवश्यकतानुसार मामूली अनुरक्षण निकर्षण द्वारा कई वर्षों तक अनुरक्षित किया जा सकता है। रा.ज.–4 और 5 नहर और नदी दोनों खण्डों से बना है। जहां कैनाल वाले भागों के लिए एक बार काफी निकर्षण करने की आवश्यकता होती है, वहीं नदी वाले भागों के उथले क्षेत्र (शोल) में हरेक वर्ष निकर्षण की आवश्यकता होती है। ब्राह्मणी नदी के ऊपरी खण्डों में नौचालन संबंधी लॉक के साथ बैराज प्रस्तावित है।

4. राष्ट्रीय जलमार्ग – 1(रा.ज.–1)

राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषणा के समय से भा.अ.ज.प्रा. इसकी नाव्यता क्षमता और विकास सहित भा.अ.ज.प्रा. अधिनियम, 1985 में यथा वर्णित टर्मिनल और नौचालन संबंधी सहायता जैसे अन्य अवसंरचना के अनुरक्षण हेतु विभिन्न प्रकार के विकासात्मक कार्य कर रहा है। रा.ज.–1 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन संबंधी सहायताओं के विकास और अनुरक्षण के लिए वर्ष 2014–15 के दौरान कराए गए महत्वपूर्ण कार्य संक्षेप में निम्न हैं :–

4.1 फेयरवे विकास

जलयानों के सुगम और सुरक्षित प्रचालन हेतु राष्ट्रीय जलमार्गों में लक्षित गहराई और चौड़ाई के साथ एक नौचालन संबंधी चैनल का अनुरक्षण किया जाता है। इसे त्रिवेणी–चुनार खण्ड (1226 कि.मी.) में बंडालिंग और ड्रेजिंग इत्यादि जैसे नदी संरक्षण कार्यों द्वारा प्राप्त कर लिया गया। हल्दिया और त्रिवेणी के बीच का सर्वाधिक नीचला खण्ड (196 कि.मी.) ज्वारीय है, जिसमें 3 मीटर से अधिक न्यूनतम उपलब्ध गहराई प्राकृतिक रूप से बनी रहती है। दूसरी ओर चुनार–इलाहाबाद (198 किमी) के उपरी भाग पर गैर मानसून माह में अनेक उथले क्षेत्र बनते हैं और आईडब्लूएआई को उपलब्ध साधनों से 2.0 मीटर एलएडी का अनुरक्षण भी संभव नहीं है। इसलिए भा.अ.ज.प्रा. इस खण्ड में नदी संरक्षण संबंधी कोई कार्य नहीं करता है।

वर्ष 2014–15 के दौरान त्रिवेणी–राजमहल (399 किमी) में 3750 मीटर और राजमहल–चुनार (827 किमी) में 18,000 मीटर बंडालिंग कार्य किए गए। इसके अतिरिक्त, त्रिवेणी–राजमहल में 1.25 लाख मी^{3} और राजमहल वाराणसी / चुनार खंडमें 1.70 लाख मी.^{3} गाद भा.अ.ज.प्रा. के विभागीय कटर सक्शन ड्रेजरों (सीएसडी), हाइड्रोलिक सर्फेस ड्रेजर (एचएसडी) और एम्फिबियन ड्रेजर (एडी) द्वारा निकाली गई।

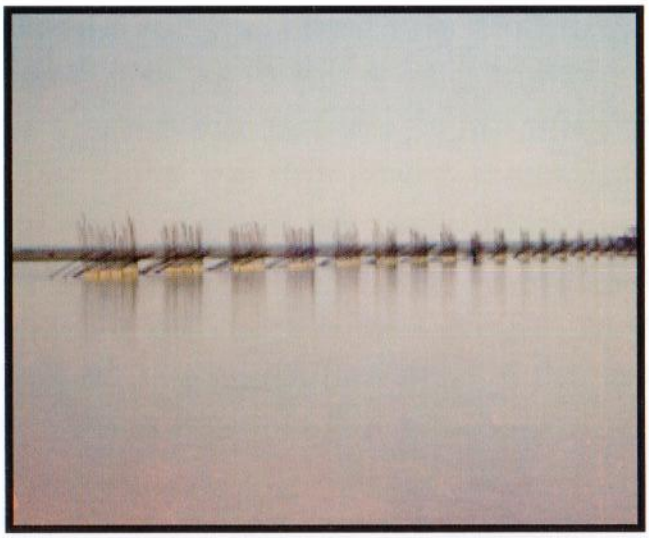

राष्ट्रीय जलमार्ग –1 पर लगाए गए बंडल

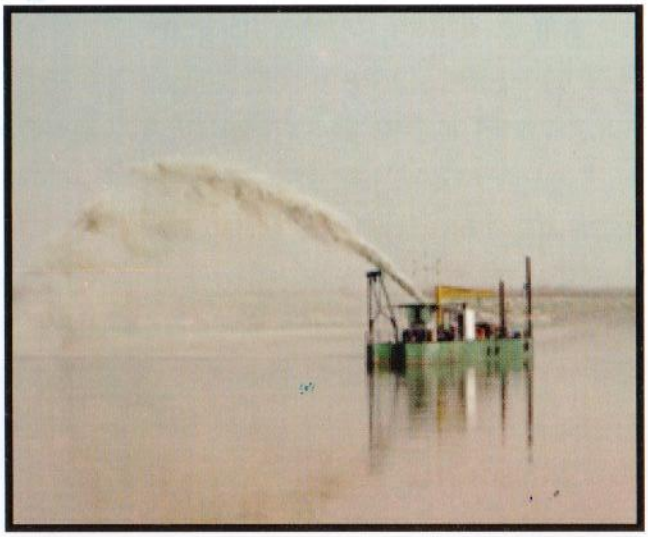

राष्ट्रीय जलमार्ग –1 पर सीएसडी से निकर्षण कार्य प्रगति पर

वर्ष के दौरान रा.ज.–1 के विभिन्न खण्डों में न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) का अनुरक्षण निम्न प्रकार है :–

(क)	हल्दिया–फरक्का (560 कि. मी.)	–	2.8 मी. से 3.0 मी.
(ख)	फरक्का–बाढ़ (400 कि. मी.)	–	2.1 मी. से 2.5 मी.
(ग)	बाढ़–गाजीपुर (290 कि. मी.)	–	1.6 मी. से 2.0 मी.
(घ)	गाजीपुर–चुनार (172 कि. मी.)	–	1.2 मी. से 1.5 मी.*
(ड.)	चुनार–इलाहाबाद (198 कि. मी.)	–	1.0 मी. से 1.2 मी.*

*चुनार–इलाहाबाद खंड (198 किमी.) में किसी प्रकार का नदी संरक्षण कार्य नहीं किया गया। गाजीपुर–चुनार खंड में केवल बंडालिंग कार्य किया गया क्योंकि भा.अ.ज.प्रा. के सभी ड्रेजर अप्रवाही क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे।

4.2 टर्मिनल

पटना में निम्न तल और उच्च तल जेट्टियों का प्रचालन क्रमशः 2008 और 2012 से हो रहा है। ये जेट्टी कंटेनर सहित कार्गो के यांत्रिक हैंडलिंग करने में सक्षम है। इस टर्मिनल पर बंकरिंग और भण्डारण सुविधाएं भी उपलब्ध है।

सामान्य कार्गो हैंडलिंग करने के लिए जीआर जेट्टी–2, कोलकाता में एक स्थायी टर्मिनल नवंबर, 2013 से प्रचालन में है।

जी आर जेट्टी–2 कोलकाता में स्थायी टर्मिनल

फरक्का और पाकुड़ में स्थायी जेट्टियां पहले से ही विद्यमान हैं। ये फरक्का बैरेज परियोजना से संबंधित हैं। ये फीडर नहर पर स्थित हैं और इनका उपयोग ट्रांसपोर्टर/शिपर द्वारा समय–समय पर किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर 20 फ्लोटिंग टर्मिनल भी उपलब्ध हैं और इनका प्रयोग यात्रियों और पर्यटकों को चढ़ाने एवं उतारने तथा संभार तंत्र हेतु किया जा रहा है। इन फ्लोटिंग टर्मिनलों को मांग अनुसार सम्पूर्ण जलमार्ग पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकता है।

इन फ्लोटिंग टर्मिनलों के स्थान निम्नानुसार हैं:

i) पश्चिम बंगाल में हल्दिया, बज–बज, जीआरजेटी–1, बीआईएसएन, बोटेनिकल गार्डन, शांतिपुर, स्वरूपगंज, कटवा, हजारद्वारी, फरक्का के अनुप्रवाह और प्रतिकूल प्रवाह।

ii) झारखंड में मंगलाघाट (राजमहल) और समधाघाट (साहेबगंज)

iii) बिहार में बटेश्वरस्थान, भागलपुर, मुंगेर, सिमरिया और बक्सर।

iv) उत्तर प्रदेश में राजघाट (वाराणसी), रामनगर (वाराणसी) और इलाहाबाद।

इसके अतिरिक्त, भा. अ. ज. प्रा. ने हल्दिया, साहेबगंज और वाराणसी में बहु–मॉडल टर्मिनल विकसित करने की योजना बनाई है। इसके लिए कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है। इन्हें विश्व बैंक सहायता प्राप्त जलमार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत लागू किया जा रहा है।

रा.ज.–1 में फ्लोटिंग टर्मिनल

4.3 नौचालन संबंधी सहायताएं

त्रिवेणी और इलाहाबाद के बीच वर्ष भर दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह लगाए और अनुरक्षित किए गए। इसके अतिरिक्त, त्रिवेणी और बलिया/वाराणसी के बीच (1140/1383 कि.मी.) प्रकाशमान देशी नौका, स्टील पोल और बीकन टावर की मदद से रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया की जाती हैं।

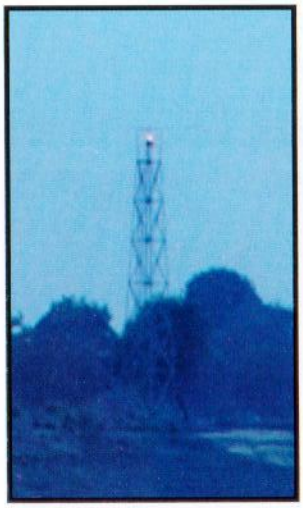

बीकन टॉवर पर प्रकाश

स्टील पोल पर प्रकाश

देशी नौका पर प्रकाश

दिवस आर एच मार्क

इसके अलावा पाक्षिक रूप से तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराकर नदी संबंधी सूचनाएं नियमित रूप से जारी की जाती हैं। आवश्यकतानुसार पायलटेज भी मुहैया की जाती है।

जलमार्ग पर इन सुविधाओं को देकर और 24 घंटे नौचालन संबंधी सहायताएं मुहैया करके डीजीपीएस स्टेशन भागलपुर, पटना और स्वरूपगंज में चालू किए गए हैं। इसके अतिरिक्त वाराणसी में डीजीपीएस स्टेशन का स्थापन शीघ्र होने वाला है। इसके साथ संपूर्ण राष्ट्रीय जलमार्ग–1 में डीजीपीएस संपर्क होगा।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 के हल्दिया–फरक्का खण्ड में विश्व स्तरीय नदी सूचना प्रणाली (आरआईएस) मुहैया करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना पूरी होने वाली है। इस प्रणाली में जलयान को तट तक पहुंचाने की सुविधा, जलयान से जलयान और जलयान से तट तक संचार व्यवस्था, आंकड़ा का स्थानांतरण और वास्तविक समय के आधार पर चैनल सूचना संबंधी सुविधाएं होंगी। भा. अ. ज. प्रा. ने आर आई एस सुविधा को चरणों में वाराणसी तक पहुंचाने की योजना बनायी है।

4.4 कार्गो ढुलाई

एनटीपीसी फरक्का ताप विद्युत संयंत्र के लिए प्रतिवर्ष 3 मिलियन टन कोयले के परिवहन की परियोजना के अंतर्गत सैण्डहैड्स (बंगाल की खाड़ी) और फरक्का के मध्य 1500–2000 टन क्षमता वाली लगभग 25 माल ढुलाई नौकाएं हमेशा चलती हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान मैसर्स जिन्दल आईटीएफ लिमिटेड द्वारा फरक्का को लगभग 5 लाख टन कोयला परिवहन किया गया।

भारत–बांग्लादेश नयाचार मार्ग का प्रयोग करते हुए उत्तर–पूर्व क्षेत्र से कोलकाता को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा खाद्यान्नों के परिवहन हेतु बज–बज (कोलकाता) में एक नई फ्लोटिंग जेट्टी का निर्माण किया गया है। वर्श 2014–15 के दौरान आईडब्लूटी (1038 किमी.) द्वारा आशुगंज (बांग्लादेश) से कोलकाता को लगभग 12,000 टन चावल परिवहनित किए गए और फिर सड़क द्वारा त्रिपुरा (49 किमी.) में अगरतला भेजे गए।

इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान अनेक ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) की आवाजाही हुई। अगले 4–5 वर्षों में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर ओडीसी आवाजाही और ताप विद्युत संयंत्रों हेतु आयातित कोयले की आवाजाही पर्याप्त रूप से बढ़ने की संभावना है।

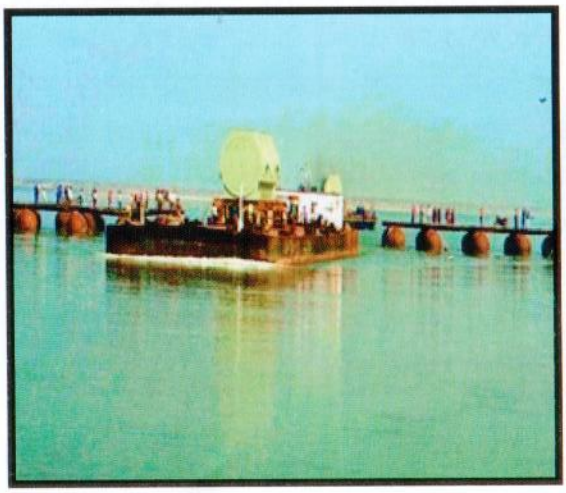

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर ओडीसी आवाजाही

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर एनटीपीसी फरक्का पर कोयले की उतराई

4.5 नदी पर्यटन

अन्तर्देशीय पर्यटक जलयान आरवी बंगाल गंगा और एबीएन सुकाफा अनेक वर्षों से क्रमशः कोलकाता –सेमरिया और कोलकाता–पटना के मध्य राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम यात्राएं कर रहे हैं। इन दोनों जलयानों पर विदेशी यात्रियों की आवाजाही को अनुसूची अनुसार सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

वर्ष 2014–15 के दौरान राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर असम बंगाल नौचालन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के एनबीएन राजमहल और हैरिटेज रिवर क्रूज प्राइवेट लिमिटेड के गंगा–वोएजर–1 नामक दो नए पर्यटक जलयानों ने प्रचालन प्रारंभ किया और अपनी यात्राएं सफलतापूर्वक पूरी की।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर नया पर्यटक जलयान एबीएन राजमहल

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर नया पर्यटक जलयान गंगा वोएजर –1

5. राष्ट्रीय जलमार्ग–2

सदिया से धुब्री के निकट बांग्लादेश बॉर्डर तक ब्रह्मपुत्र नदी (891 कि.मी.) उत्तर–पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में सर्वाधिक महत्वपूर्ण अन्तर्देशीय जलमार्ग है। इस ताकतवर नदी में अनेक नदियों ने मिलकर इसे मछली की हड्डी की संरचना दी है। फीडर मार्ग के रूप में विकसित होने की संभावना रखने वाले उत्तर–पूर्व क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र और बराक नदी के करीब 1687 कि.मी. खण्ड को अभिज्ञात किया गया है। रा.ज.–2 भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (1700 कि.मी.) के माध्यम से उत्तर–पूर्व क्षेत्र में वैकल्पिक सम्बद्धता मुहैया करता है। रा.ज.–2 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन संबंधी सहायताओं का विकास और अनुरक्षण वर्ष के दौरान किया गया था, जिसका विवरण संक्षेप में नीचे है :–

5.1 फेयरवे विकास

पांडु–धुब्री खण्ड (255 किमी.) में वर्ष भर 2.5 मीटर न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) के साथ 45 मीटर की न्यूनतम चौड़ाई का नौवहन फेयरवे अनुरक्षित किया गया।

क्र. सं.	खण्ड क्षेत्र	अनुरक्षित एलएडी	अवधि (वि.व. 2014–15)
1.	पांडु–नीमाति (374 किमी.)	2.5 मीटर	लगभग 335 दिनों और
		2.0 मीटर	शेष अवधि के लिए (30 दिन)
2.	नीमाति–डिब्रूगढ़	2.0 मीटर	365 दिनों के लिए और
3.	डिब्रूगढ़–सदिया (ओरियमघाट)	1.5 मीटर	335 दिनों के लिए और
		2.0 मीटर	शेष अवधि के लिए (30 दिन)

इस न्यूनतम उपलब्ध गहराई को अनुरक्षित करने के लिए 44 स्थानों पर 21,900 मीटर बंडल खड़े और अनुरक्षित किए गए। इसके अतिरिक्त, सीएसडी मंडोवी और सीएसडी ब्राह्मणी का उपयोग करके 17 स्थानों पर 94,544 मीटर^3 निकर्षण कार्य किया गया।

फेयरवे में गहराई बढ़ाने के लिए ड्रेजिंग संबंधी कार्य हेतु एचएसडी धनश्री और एचएसडी जिआभोराली नामक दो एचएसडी भी तैनात किए गए थे। बांग्लादेश सीमा और नीमाति के बीच कुछ भेद्य जोन (लगभग नौ) हैं, जहां गहराई और नदी क्षेत्र/चैनल में निरंतर परिवर्तन आता है। आईआईटी गुवाहाटी को ऐसे ही एक सीन गणेश पहाड़ क्षेत्र' का प्रायोगिक आधार पर 19.16 लाख रूपए की लागत से गणितीय और भौतिकी मॉडल बनाने का कार्य सौंपा गया है। इस अध्ययन के परिणाम के आधार पर दीर्घावधि आधार पर एलएडी में सुधार हेतु स्थायी उपाय के रूप में इन स्थानों पर नदी प्रशिक्षण कार्य लागू किया जाएगा।

5.2 टर्मिनल

राष्ट्रीय जलमार्ग–2 पर बहुमॉडल नदी पत्तन के विकास हेतु पांडु (गुवाहाटी) सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। 2009 में यहां एक निम्न तल जेट्टी प्रारंभ की गई थी। कंटेनरों सहित यांत्रिक संभारण सहित वर्ष भर प्रचालन के लिए वर्ष 2014–15 के दौरान 43.85 करोड़ रूपए की लागत से एक उच्च तल जेट्टी का भी निर्माण किया गया था।

क्रेन सहित पांडु पत्तन पर आरसीसी जेट्टी

बीजी साइडिंग

पांडु पत्तन से कामाख्या रेलवे स्टेशन (गुवाहाटी) को जोड़ने वाली बड़ी लाईन के रेलवे साइडिंग का निर्माण एन एफ रेलवे के माध्यम से 12.97 करोड़ रूपए की लागत से किया गया है।
4.64 करोड़ रूपए की लागत से किए गए अन्य विकासात्मक कार्य जैसे तट रक्षण, आंतरिक सड़क प्रणाली का निर्माण/मरम्मत गाद निकासी कार्य, हार्ड स्टैंड इत्यादि शामिल हैं। पांडु में भा. अ. ज. प्रा. के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के कार्यालय सह नदी सूचना प्रणाली भवन का निर्माण कार्य भी 4.61 करोड़ रूपए की लागत से वर्ष 2014–15 के दौरान पूरा किया गया।

भा. अ. ज. प्रा. द्वारा 2013 में दो रो–रो टर्मिनलों की स्थापना धुबी और हथसिंगीमारी (धुबी में ब्रह्मपुत्र नदी के दूसरे तट पर) में बनाने की योजना बनायी गयी थी ताकि धुबी (नदी मार्ग से 25 किमी.) से मेघालय के लिए सीधा आईडब्लूटी संपर्क प्रदान किया जा सके और जोगीधोपा से परिपथ मार्ग 220 किमी. से बचा जा सके। धुबी में टर्मिनल कार्य लगभग 45 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 2015 की समाप्ति तक इसके पूर्ण होने की संभावना है। हथसिंगीमारी में टर्मिनल के निर्माण के लिए विनिर्दिष्ट लगभग संपूर्ण भूमि ब्रहमपुत्र नदी में बह गई और वर्तमान परिस्थिति में स्थायी संरचना का निर्माण करना संभव नहीं है। ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने इस स्थान पर लगभग 5 किमी लंबे तट के संरक्षण हेतु एक परियोजना तैयार की है। चूंकि इसके निष्पादन में कुछ समय लगेगा, भा. अ. ज. प्रा. ने नदी तट के स्थिर होने तक हथसिंगीमारी में अस्थायी रो–रो सुविधाएं विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ, अ.ज.प. निदेशालय, असम सरकार से भी अपने जलयानों को रो–रो प्रचालन के अनुकूल बनाकर रो–रो सेवा प्रारंभ करने के लिए अनुरोध किया गया है।

कार्गो की ढुलाई की सुविधा देने के लिए दस (10) स्थानों नामतः धुब्री, जोगीघोपा, तेजपुर, सिलघाट, विश्वनाथघाट, नीमाति, बोगीबील, डिब्रूगढ़, सेंगाजन/पनबाड़ी और ओरियमघाट में फ्लोटिंग टर्मिनलें मुहैया और अनुरक्षित किए गए हैं। हथसिंगीमारी, धुब्री, सिलघाट, विश्वनाथघाट, नीमाति, डिब्रूगढ़ और ओरियमघाट में टर्मिनलों के निर्माण हेतु भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

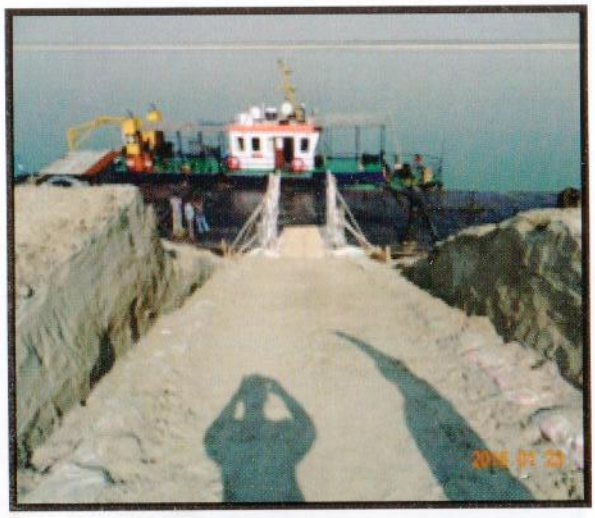

तेजपुर में फ्लोटिंग टर्मिनल

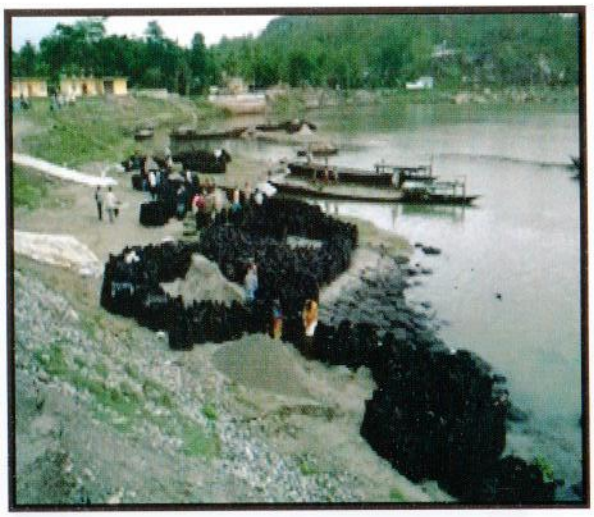

जोगीघोपा में चरण–2 कार्य

जोगीघोपा में 16.47 हेक्टेयर भूमि में से लगभग 8.93 हेक्टेयर भूमि बह गयी है। यह कटाव निरंतर है और समीपीय बसावटों के लिए भी इससे खतरा है। भा. अ. ज. प्रा. ने जल संसाधन विभाग, असम सरकार के साथ मिलकर एक नवाचारी कटाव–रोधी परियोजना तैयार की है। इस कार्य को दो चरणों में लागू किया जाना प्रस्तावित था।

चरण–1: गाद पूर्व कार्य प्रारंभ करने के लिए जोगीघोपा के नदी चैनल अपस्ट्रीम पर आरसीसी पोरकुपाइन स्क्रीनें लगाना और चरण –2: बोल्डर अर्थात् डोवन बंड के साथ लांचिंग एपरन और तट निर्माण सहित तट संरक्षण कार्य। 11.75 करोड़ रूपए की लागत से नवम्बर 2014 में चरण–। कार्य पूरे किए गए, जिसके काफी अच्छे परिणाम प्राप्त हुए और टर्मिनल स्थल पर पर्याप्त गाद निकाली गयी। दिसम्बर, 2014 में 16.10 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत से चरण–दो कार्य स्वीकृत किया गया। कार्य प्रगति पर है और शीघ्र पूरा होने वाला है। इस परियोजना से लगभग 18.63 एकड़ भूमि की बचत होगी जोकि अन्यथा स्थायी रूप से नष्ट हो जाती।

5.3 नौचालन संबंधी सहायताएं

संपूर्ण जलमार्ग में दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह लगाए और अनुरक्षित किए गए। धुब्री और सिलघाट (440 किमी.) के बीच रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया करके अनुरक्षित की जा रही हैं। संपूर्ण जलमार्ग में पाक्षिक/मासिक तलस्पर्शी सर्वेक्षण करवाकर अ.ज.प. प्रचालकों को फेयरवे संबंधी सूचना देने के लिए नदी संबंधी सूचनाएं दी गई हैं। इसके अलावा संपूर्ण रा.ज.–2 में डीजीपीएस सम्बद्धता की सुविधा देने के लिए धुब्री, जोगीघोपा, सिलघाट और डिब्रूगढ़ में अत्याधुनिक डीजीपीएस स्टेशन चालू किए गए हैं।

5.4 नदी पर्यटन

काजीरंगा और ओरंग में वन्य जीव अभ्यारण्य की उपस्थिति और अन्य पर्यटन स्थानों जैसे–सुआलकुची, शिवसागर और ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर कमालबाड़ी से रा.ज.–2 पर नदी पर्यटन हेतु काफी संख्या में लोग आकर्षित हुए हैं। रा.ज.–2 के पांडु–नीमाति (630 किमी.) खण्ड में 2.5 मीटर न्यूनतम उपलब्ध गहराई के प्रावधान से इस शक्तिशाली नदी पर नदी पर्यटन को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिली है। प्रत्येक वर्ष पांडु और नीमाति के बीच विदेशी पर्यटकों को 3 पर्यटक जलयानों द्वारा लगातार यात्रा कराई जा रही है। पर्यटक आपरेटर इसकी सफलता से काफी प्रसन्न हैं और नौवहन चैनल प्रदान करने के लिए भा. अ. ज. प्रा. की प्रतिबद्धता की सराहना कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त विशाल नदी ब्रह्मपुत्र में जलयानों की किसी समस्या की स्थिति में सहायता के अतिरिक्त नौवहन सहायता और टर्मिनल सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं।

रा.ज.–2 में पर्यटक जलयान

6. राष्ट्रीय जलमार्ग – 3 (रा.ज.–3)

राष्ट्रीय जलमार्ग–3 कोट्टापुरम–कोल्लम (168 कि.मी.), कोची–एलूर के बीच उद्योगमंडल कैनाल (23 कि.मी.) और कोची–अंबलमुगल के बीच चंपाकारा कैनाल (14 कि.मी.) से बने पश्चिम तट कैनाल प्रणाली (205 कि.मी.) से मिलकर बना है। रा.ज.–3 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन सम्बंधी सहायता के विकास और अनुरक्षण हेतु वर्ष 2014–15 के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:–

6.1 फेयरवे विकास

रा.ज.–3 एक ज्वारीय जलमार्ग है, जिसके समुद्र पर चार मुहाने मुनम्बम, कोची, कायमकुलम और नीनदाकारा में हैं। रा.ज.–3 में नौचालन हेतु 2 मीटर गहराई के साथ चौड़े खण्डों में 38 मीटर चौड़ाई और संकीर्ण खण्डों में 32 मीटर चौड़ाई के नौचालन चैनल विकसित करने के बारे में विचार किया गया है। इन आयामों के साथ नौवहन चैनल विकसित करने के लिए 40.33 लाख मीटर^3 गाद निकालने के कार्य को संपूर्ण जलमार्ग के छिछले क्षेत्रों में किया जाना प्रस्तावित किया गया था। इन छिछले क्षेत्रों की कुल लंबाई लगभग 87 किमी. है। ड्रेजिंग के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग–3 को सात खंडों में बांटा गया है : i) चम्पाकरा कैनाल, ii) उद्योगमंडल कैनाल, iii) कोट्टापुरम– कोच्चि, iv) कोच्चि– अलपुझा, v) अलापुझा–कायमकुलम, vi) कायमकुलम–इडापल्लीकोट्टा और vii) इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम। अब तक ड्रेजिंग कार्य को चम्पकारा कैनाल, उद्योगमंडल कैनाल, कोट्टापुरम– कोच्चि और कोच्चि –अलापुझा खंडों में पूरा कर लिया गया है और अन्य खंडों में यह प्रगति पर है। 31.3.2015 तक भा.अ.ज.प्रा. ने 83 किमी. लंबाई पर लगभग 37 लाख मी.^{3} ड्रेजिंग की है।

रा.ज.–3 में सीएसडी कलाडा द्वारा निकर्षण

इसके साथ संपूर्ण राष्ट्रीय जलमार्ग–3 पर 2.0 मीटर की लक्षित गहराई प्रदान की गई है। केवल 4 किमी. में 32 मीटर चौड़ाई के लक्षित कार्य के साथ दो लेन प्रदान करने के लिए चैनल चौड़ा करने का कार्य शेष है। यह 4 किमी. क्षेत्र 3 स्थानों में है: अलापुझा (मुलाकल गांव में 0.75 किमी.); कायमकुलम–कायल में एक किमी. और चवाड़ा के निकट 2.25 किमी.। अलपुझा क्षेत्र में कार्य प्रगति पर है। कायमकुलम–कायम में राज्य सरकार द्वारा मत्स्य जालों को हटाने के बाद ही कार्य किया जा सकेगा। चावड़ा के निकट शेष कार्य हेतु, जो कि कड़ा क्षेत्र (लगभग 10.000 मीटर^3 मात्रा) है, के लिए अनुमान को स्वीकृत किया गया है और कार्य 2015–16 में प्रारंभ होने की संभावना है।

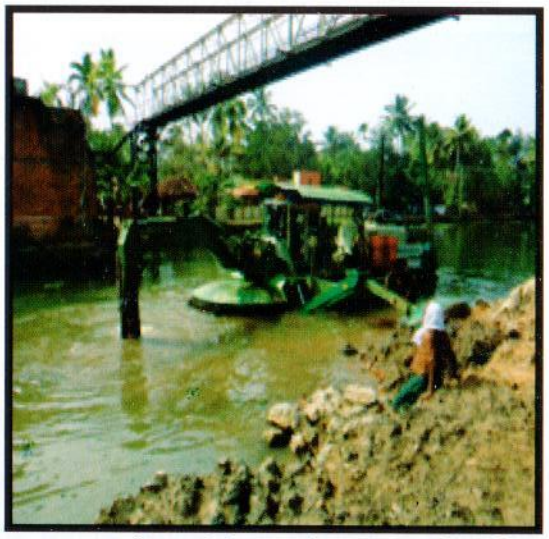

रा.ज.–3 में एम्फीबियन ड्रेजर द्वारा निकर्षण

इसके अतिरिक्त, भा.अ.ज.प्रा. ने ड्रेजिंग के लिए चार विभागीय ड्रेजर (2 कटर सक्शन ड्रेजर और 2 एम्फिबियन ड्रेजर) तैनात किए हैं।

अपरदन के विरूद्ध कैनाल के तटों की सुरक्षा सुरक्षित नौचालन के लिए अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि है। अब तक चम्पाकरा–उद्योगमंडल कैनालों में 14.67 कि.मी. तट रक्षण किया गया है।

अलापुझा और कोल्लम के मध्य विद्यमान चैनल को भी चौड़ा करने की आवश्यकता है। कैपिटल ड्रेजिंग के साथ–साथ तट संरक्षण भी प्रदान किया जा रहा है और अब तक 6.73 किमी. लंबाई में तटबंध संरक्षण कार्य पूरा लिया गया है।

रा.ज.–3 पर भारी निकर्षण और संकरे कैनालों को चौड़ा करने के कार्य की प्रगति में अवरोध विभिन्न स्थानीय कारणों जैसे–निकर्षित सामग्री के निस्तारण, अतिरिक्त तट रक्षण की मांग, कार्यों में बारंबार रूकावट और स्थानीय लोगों द्वारा मुकदमेबाजी करने और मछुआरों के विरोध से हुए इन मामलों के निबटान हेतु उच्च स्तर पर राज्य सरकार से लगातार विचार–विमर्श किया जा रहा है।

6.2 टर्मिनल

टर्मिनलों की स्थापना के लिए विचार किए गए कुल 11 स्थानों में से 8 स्थानों यथा–कोट्टापुरम, अलुवा, मरदु (कोची), वैकुम, चरतला (तनेरमुखम), त्रिकुणापुझा, कायमकुलम (अईरमथेंगु) और कोल्लम में टर्मिनल पहले ही निर्मित किए जा चुके हैं। अलापुझा में 9.04 करोड़ रुपए की लागत से एक टर्मिनल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसका 96 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

शेष दो स्थानों नामतः काकानाडु और चावड़ा में टर्मिनलों का निर्माण कार्गो उपलब्ध होने के उपरांत अगले चरण में प्रस्तावित है। प्रभावी उपयोग करने के लिए और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अलुवा और वैकोम में अ.ज.प. टर्मिनलों के प्रचालन और अनुरक्षण सम्बंधी कार्य केरल नौवहन और अन्तर्देशीय नौचालन निगम लि. (केरल सरकार का एक उपक्रम) को दिया गया है।

रा. ज.–3 में रो–रो बार्ज सेवा

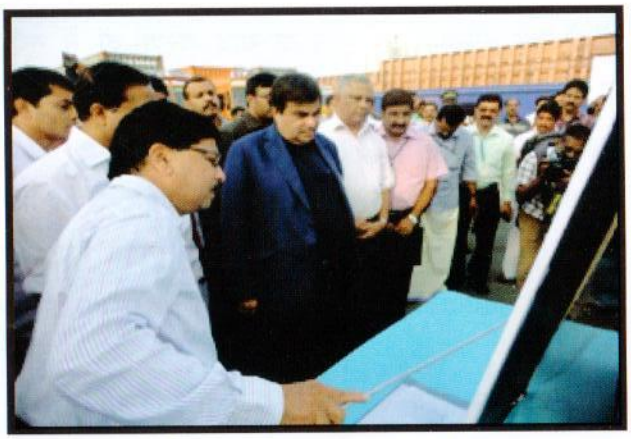

माननीय पोत परिवहन मंत्री द्वारा रो–रो टर्मिनल का दौरा

इसके अतिरिक्त, भा.अ.ज.प्रा. ने आई.सी.टी.टी. वल्लारपदम से सम्बद्धता मुहैया करने के लिए दो अ.ज.प. कंटेनर टर्मिनलों में से एक का निर्माण वोलगट्टी में और रो–रो सुविधायुक्त दूसरे का निर्माण विलिंगडन आईलैण्ड में कराने का कार्य कोचीन पत्तन न्यास को दिया है। इसके कारण वल्लारपदम के लिए जाने वाले ट्रक /ट्रेलर को कोच्चि शहर की भीड–भाड़ वाली सड़कों होकर जाने की जरूरत नहीं होती है। ये टर्मिनल फरवरी 2011 से प्रचालन में हैं। मार्च, 2015 तक रो–रो सुविधा का उपयोग करते हुए इन टर्मिनलों के बीच 20 फीट के

78,730 और 40 फीट के 46,518 कंटेनरों से ढुलाई की गई।

7. राष्ट्रीय जलमार्ग–4 और 5 (रा.ज.–4 और 5)

इन जलमार्गों को नवम्बर, 2008 में राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया। इसके बाद दोनों राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) तैयार की गई। इसके बाद, योजना आयोग की सलाह पर, आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की आर्थिक सलाह के साथ लेनदेन सलाहकार (परामर्शदाता) को नियुक्त कर पीपीपी माध्यम से आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य खंडों का विकास किया गया। तथापि, दोनों जलमार्गों को पीपीपी माध्यम में विकसित करने हेतु व्यवहार्य नहीं पाया गया। इसलिए, यह तय किया गया कि दोनों जलमार्गों को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) और/या बाह्य सहायता द्वारा बहुपक्षीय स्रोतों जैसे एडीबी या विश्व बैंक द्वारा विकसित किया जाएगा।

7.1 राष्ट्रीय जलमार्ग–4 (रा. ज.–4)

साउथ बर्किंघम कैनाल के शोलिंगनालूर–कलपक्कम खंड (37 किमी.) के विकास के लिए 123.4 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर एक परियोजना स्वीकृत की गई थी। यद्यपि, परियोजना का कार्यान्वयन तमिलनाडु सरकार द्वारा किए जाने वाले अंकन अध्ययन इत्यादि के कारण लंबित है। भा. अ. ज. प्रा. ने चैन्ने में उप–कार्यालय भी खोला है। आंध्र प्रदेश में जलमार्ग विकास के लिए चरण –एक के अंतर्गत सिंचाई कैनाल के लिए काकीनाडा से पेडागंजम (300 किमी.) और नार्थ बर्किंघम कैनाल से पेडागंजम से एन्नोर पत्तन (298 किमी.) हेतु कार्यवाही प्रारंभ की गई है। पोलवरम (गोदावरी नदी) और पुली चिन्ताला (कृश्णा नदी) पर बांधों और नौवहन लॉकों का निर्माण पूरा होने के बाद चरण–दो में नदी भागों को विकसित किए जाने की योजना है। इस दौरान अद्यतन रूपिम स्थितियों का आंकलन करने के लिए संपूर्ण रा.ज.–4 का विस्तृत सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने विद्यमान क्रास आकारों का सर्वेक्षण और नया अंकन सर्वेक्षण, जल सर्वेक्षण और निरीक्षण पर सहमति जताई है। इस अध्ययन के परिणाम के आधार पर भा. अ. ज. प्रा. क्लास–।। या क्लास–।।। मानक में से किसी एक को विकसित करने की कार्यनीति पूर्ण की जाएगी। राज्य सरकार के साथ समन्वय के लिए सिंचाई विभाग के विजयवाड़ा कार्यालय परिसर में भा.अ.ज.प्रा. का एक उप–कार्यालय स्थापित किया गया है।

7.2 राष्ट्रीय जलमार्ग–5 (रा.ज. –5)

भा.अ.ज.प्रा., ओडिशा सरकार, पारादीप पत्तन न्यास और धमरा पोर्ट कंपनी लिमिटेड के मध्य रा.ज.–4 के 332 किमी. क्षेत्र का विकास दो चरणों में करने के लिए एक समझौते पर दिनांक 30.06.2014 को हस्ताक्षर किए गए। पहले चरण के अंतर्गत पंकोपल से धमरा और पारादीप तक 207 किमी. और दूसरे चरण में तलचर से पंकोपल तक 125 किमी. का कार्य किया जाएगा। तथापि, चरण–एक के अंतर्गत विकास कार्य वर्तमान में बाधित है क्योंकि सुजानपुर में विद्यमान छोटे बांध के पुनर्निर्माण और जकोदिया में पुरानी बैराज के लिए उपयुक्त नौवहन लॉकों की आवश्यकता है। प्रस्तावित विकासात्मक कार्यों के समन्वय और निगरानी के लिए भुवनेश्वर में भा.अ.ज.प्रा. का उप–कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स वैपकोस द्वारा चरण–एक के अंतर्गत खंड विकास

हेतु अध्ययन प्रारंभ किया गया है। इनकी रिपोर्ट और राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर आईआईटी गुवाहाटी को बैराजों और 3.0 मीटर एलएडी फेयरवे के विकास हेतु अन्य क्रास आकारों के निर्माण हेतु डिजाइन इनपुट ढूंढ़ने हेतु बह्मणी नदी और इसकी डेल्टा प्रणाली हेतु गणितीय मॉडल अध्ययन करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इस दौरान अद्यतन रूपिम स्थितियों का आंकलन करने के लिए रा.ज.–5 के तलचर–धमरा और पारादीप खंड तथा मतई नदी में विस्तृत जल सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। ओडिशा सरकार द्वारा भा.अ.ज.प्रा., पीपीटी, डीपीसीएल और ओडिशा के संबंधित विभागों से सदस्यों के साथ एक समन्वय समिति गठित की गई है, जो मासिक आधार पर रा.ज.–5 के विकास की प्रगति की समीक्षा करती है।

8. पारगमन और व्यापार पर भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल

भारत और बांग्लादेश के बीच एक अन्तर्देशीय जल पारगमन और व्यापार प्रोटोकॉल है जिसके तहत दोनों देशों की सरकार वाणिज्य हेतु अपने जलमार्गों का प्रयोग पारस्परिक लाभ के लिए करने पर सहमत हो गई है। इसमें एक देश में दो स्थानों के बीच मालों की आवाजाही दूसरे देश के भू–भाग से होकर उस देश के कानूनों के अनुसार दोनों देशों के बीच होगी। विद्यमान प्रोटोकॉल मार्ग हैं :–

(i) कोलकाता–सिलघाट–कोलकाता, (ii) कोलकाता–करीमगंज–कोलकाता, (iii) राजशाही–धुलिया–राजशाही, (iv)सिलघाट–करीमगंज–सिलघाट। अंतर देशीय व्यापार हेतु विनिर्दिष्ट पांच पोर्ट ऑफ कॉल भारत में हल्दिया, कोलकाता, पांडु, सिलघाट और करीमगंज में हैं और बांग्लादेश में नारायणगंज, खुलना, मोंगला, सिराजगंज और आशुगंज में हैं। यह प्रोटोकॉल 1972 में अस्तित्व में आया और समय–समय पर इसकी समीक्षा की जाती है। यह प्रोटोकॉल मार्च, 2020 तक वैध है। वर्ष 2014–15 के दौरान इस प्रोटोकॉल के तहत कोलकाता/हल्दिया और बांग्लादेश/भारत के उत्तर पूर्व भागों के बीच 19 लाख टन आयात–निर्यात और पारगमन कार्गो की ढुलाई हुई।

9. जलीय सर्वेक्षण संबंधी कार्यकलाप

जलीय सर्वेक्षण माप और रूपरेखा के वर्णन का विज्ञान है, जिससे नौचालन, सामुद्रिक निर्माण, निकर्षण, सैंडचार, सबमर्ज रेक और अन्य संबंधित क्रियाकलापों का संचालन प्रभावित होता है। नौचालन के संबंध में जलीय सर्वेक्षण निर्णय निर्धारण, योजना और विकास एवं अनुरक्षण कार्यकलाप, प्रयोक्ताओं/मेरीनरों को सूचना प्रदान करने, समुद्रीय चार्टों के प्रकाशन हेतु आवश्यक सबसे अहम सूचना है। सबसे अधिक बल आवाज, शोर लाइन, ज्वार, लहर, नदी तल और डूबे हुए अवरोध पर दिया जाता है, जो पूर्व में उल्लिखित क्रियाकलापों से संबंधित है। भा.अ.ज.प्रा. में जलीय प्रकोष्ठ नाविकों को अनुपूरक सूचना प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय जलमार्गों हेतु नौवहन मानचित्र और पायलट प्रकाशित करता है। पांच घोषित जलमार्गों हेतु राष्ट्रीय जलमार्ग–वार जलीय सर्वेक्षण कार्यकलापों का ब्यौरा निम्नांकित अनुच्छेदों में प्रस्तुत किया गया है।

9.1 राष्ट्रीय जलमार्ग –1

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

कम वर्षा के मौसम के दौरान पाक्षिक रूप से और बाढ़ के समय में मासिक रूप से तलस्पर्शी (देशान्तरीय) सर्वेक्षण विभागीय आधार पर कराकर नदी संबंधी सूचनाएं अ.ज.प. उपयोगकर्ताओं को (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) दी गई। वर्ष के दौरान कुल 27,307 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। खण्डवार कराए गए सर्वेक्षण के ब्यौरे नीचे दर्शाए गए हैं :–

विस्तृत सर्वेक्षण

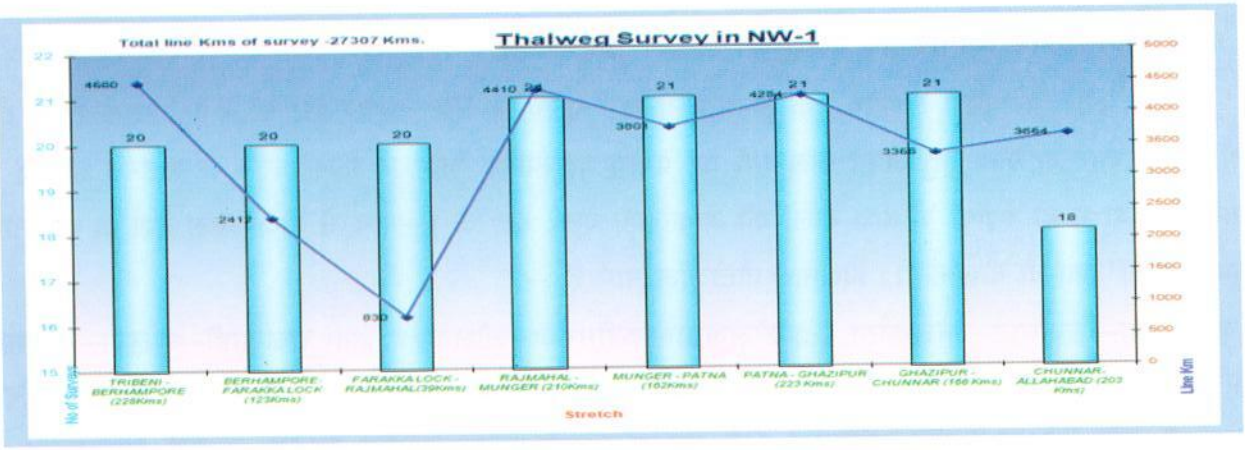

पूर्व/उत्तर बंडालिंग और गाद निकालने संबंधी सर्वेक्षण विभागीय आधार पर 216 उथले स्थानों पर कराए गए थे, जिसका विवरण नीचे है :–

टर्मिनल सर्वेक्षण

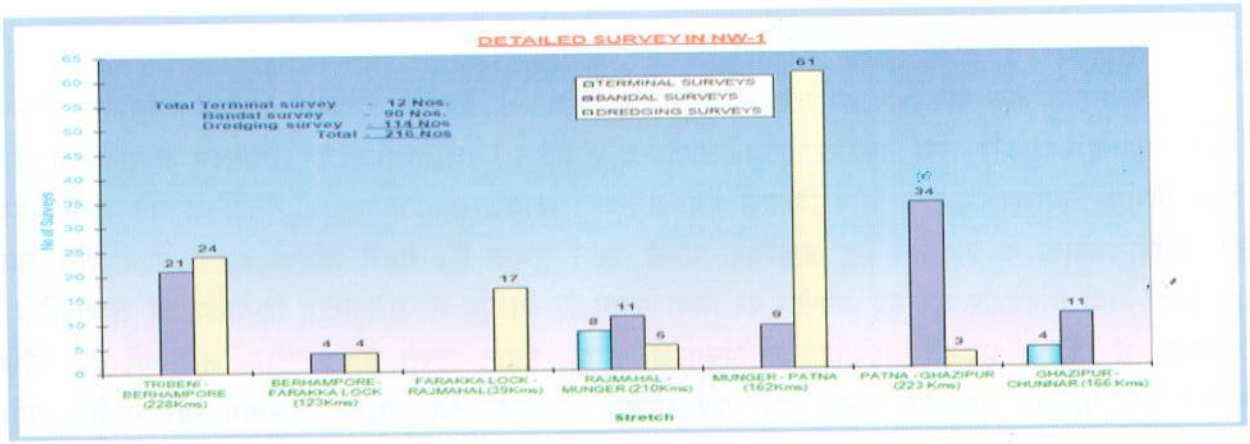

राजमहल–मुंगेर खंड में टर्मिनल सर्वेक्षण मंगलाघाट (दूरी : 589 कि.मी.), समदाघाट (दूरी : 618 कि.मी.), बटेश्वरस्थान (दूरी : 683 कि.मी.), भागलपुर (दूरी : 715 कि.मी.) और मुंगेर (दूरी : 793 कि.मी.) और रा.ज.–1 के गाजीपुर–वाराणसी खंड में रामनगर (दूरी : 1318 कि.मी.) और कैथी में कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

स्वरूपगंज कार्यालय ने जुलाई, 2014 के दौरान अजोय नदी का क्रास सेक्शनल सर्वेक्षण किया जोकि 18 कि.मी. है, तथा अजोय और भागीरथी नदियों के संगम से रसोई तक 127 किमी. का सर्वेक्षण किया। फरक्का कार्यालय ने निम्नांकित स्थानों का तट से तट सर्वेक्षण कराया:

क्षेत्र	दूरी (किमी.)
1. बागमारी सिफोन	529.0
2. गंगा संगम से फरक्का तालाब	554.0
3. डॉक लॉक से फीडर कैनाल	542.0-544.0
4. मोहम्मदपुर	449.50
5. फरक्का बैराज	544.0
6. उधुवा से यू/एस गंगा माउथ	552.0-560.0
7.डी/एस सस्तुरीहट फैरी	444.0

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (सुंदरवन)

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में सिल्वर ट्री प्वाईंट से बेहारीखल (बांग्लादेश बॉर्डर) तक मासिक तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। कुल 1872 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराकर नदी संबंधी सूचनाएं भा.अ.ज.प्रा. की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई।

9.2 राष्ट्रीय जलमार्ग –2

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

कम वर्षा के मौसम के दौरान विभागीय आधार पर तलस्पर्शी सर्वेक्षण पाक्षिक रूप से और बाढ़ के मौसम के दौरान मासिक रूप से कराकर नदी संबंधी सूचनाएं (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) जारी की गई। वर्ष के दौरान कुल 15,480 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए, जिसका खण्डवार ब्यौरा नीचे है :–

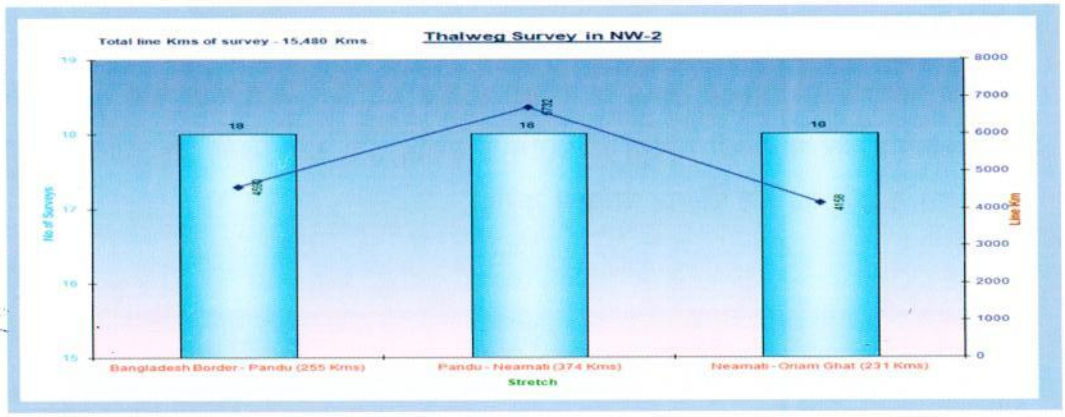

विस्तृत सर्वेक्षण

पूर्व और उत्तर बंडालिंग, ड्रेजिंग सर्वेक्षण, टर्मिनल और क्रॉस सक्शन सर्वेक्षण विभागीय आधार पर 182 उथले स्थानों पर कराए गए, जिसका विवरण नीचे है :–

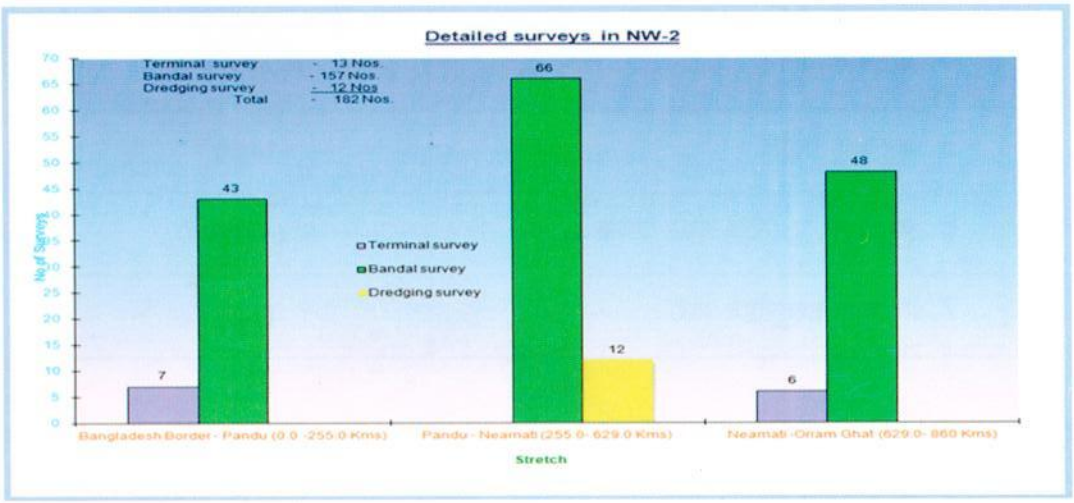

टर्मिनल सर्वेक्षण

टर्मिनल सर्वेक्षण धुब्री (दूरी : 32 किमी.), जोगीघोपा (दूरी : 108 कि.मी.), बोगीबिल (दूरी : 738 कि.मी.), सेंगाजन (दूरी : 775 कि.मी.) और ओरियमघाट (दूरी : 860 कि.मी.) में कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

जून और जुलाई, 2014 के दौरान धुबी और फकीरगंज के मध्य 3 किमी. में तट से तट सर्वेक्षण कराए गए । जुलाई, 2014 और नवम्बर, 2014 के दौरान जोगीघोपरा से गोलपाडा तक 4.5 किमी. में क्रास सेक्शनल सर्वे किया गया।

पोत परिवहन मंत्रालय के निर्देशानुसार समाल बैराज से राउरकेला तक (194.5 किमी.) बैथीमीट्रिक सर्वेक्षण भी पूरा किया गया। दिल्ली क्षेत्र (44 किमी.) की यमुना नदी में ओखला बैराज से पल्ला तक बैथीमीट्रिक सर्वेक्षण भी पूरा किया गया और रिपोर्ट तैयार की गई।

डीजीपीएस आधारित नौचालन प्रणाली

भा.अ.ज.प्रा. ने रा.ज.–1 और 2 में विश्वसनीय और सुरक्षित अंतर्देशीय नौचालन उपायों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए डीजीपीएस (डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) तकनीक के साथ नौचालन प्रारंभ किया है। इस प्रयास के अंतर्गत रा.ज. –1 में डीजीपीएस स्टेशन, स्वरूप गंज, भागलपुर और पटना तथा रा.ज.–2 में धुब्री, जोगीघोपा, सिलघाट एवं डिब्रुगढ़ में स्थापित किये गए और ये कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में, डीजीपीएस संपर्क रा.ज.–1 के 1620 कि.मी. में से सागर–बक्सर खंड (1124 कि.मी.) तथा संपूर्ण रा.ज. –2 (891 कि.मी.) में उपलब्ध है।

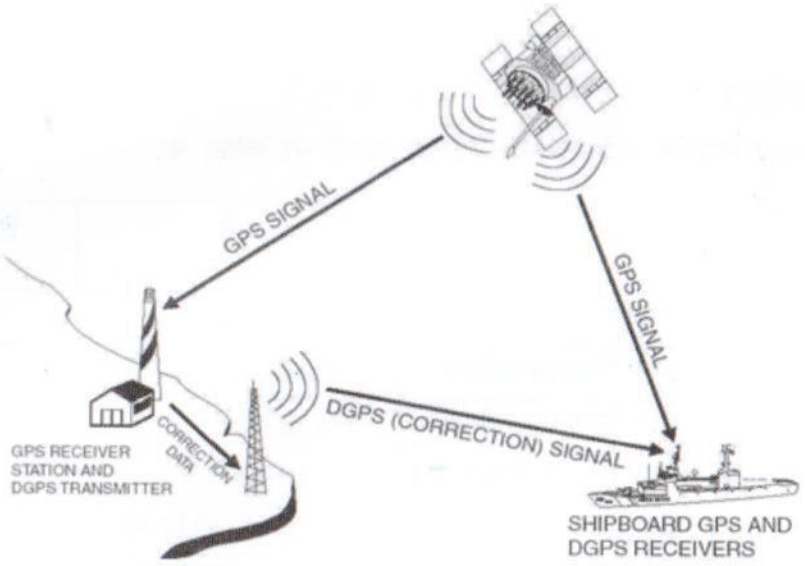

डीजीपीएस स्टेशन का कार्य सिद्धांत

डीजीपीएस नेटवर्क रा.ज.–1 और 2 में चलने वाले सभी जलयानों हेतु प्रभावी नौवहन सुविधा प्रदान करता है। धुब्री में अतिरिक्त स्टेशन भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर भी सुरक्षित और प्रभावी नौचालन प्रदान कर रहा है।

9.3 राष्ट्रीय जलमार्ग–3

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

विभागीय तलस्पर्शी सर्वेक्षण कोट्टापुरम–कोची–कोल्लम खण्ड (उद्योगमंडल और चंपाकारा कैनाल सहित पश्चिम तट कैनाल) में मासिक आधार पर कराकर नदी संबंधी सूचनाएं (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) जारी की गई। वर्ष के दौरान कुल 2674 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए, जिसका विवरण नीचे है :–

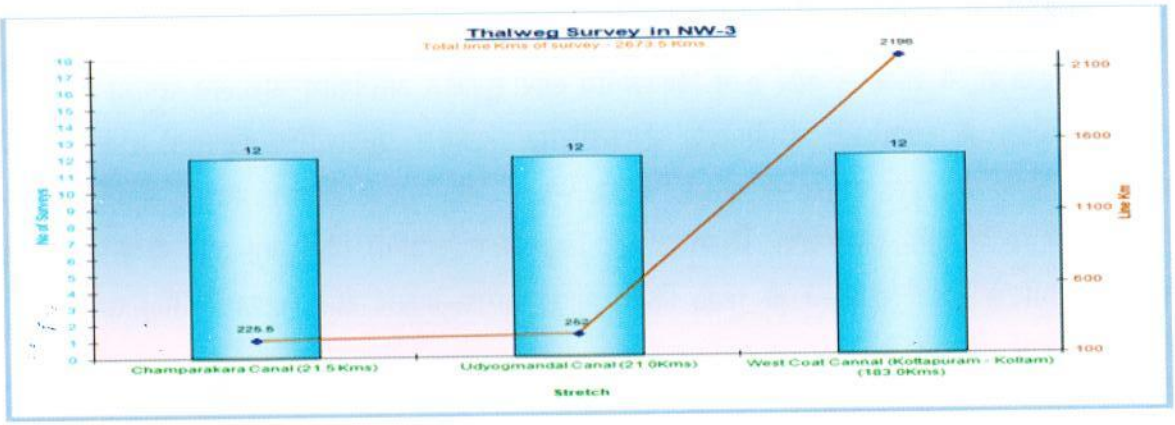

विस्तृत सर्वेक्षण

पूर्व और उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण निम्नलिखित स्थानों पर कराए गए :–

विवरण/स्थान	पूर्व/उत्तर सर्वे.	दूरी	निकाली गई गाद की मात्रा
1. थेवड़ा	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	8.6-10 कि.मी.	-
2. चावड़ा (उत्तर)	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	142.4-143.6 कि.मी.	2606.30
3. दलावापुरम	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	173.25-173.45 कि.मी.	3010.40
4. रो–रो जेट्टी	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	3.1-5.0कि.मी.	-
5. दवालापुरम	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	173.24-173.83 कि.मी.	10622.6
6. किरिकाड जेट्टी	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	168.90-169.5 कि.मी.	10687.8
7. किरिकाड जेट्टी	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	142.70-143.60 कि.मी.	20497.9

वर्ष 2014–15 के दौरान कुल 27831.2 मी.^{3} निकर्षण कराए गए।

9.4 राष्ट्रीय जलमार्ग–4

राष्ट्रीय जलमार्ग–4 में नौवहन मार्ग की वर्तमान स्थिति का आकलन और इनके विकास के लिए निम्नांकित खण्डों में विस्तृत जलीय सर्वेक्षण किए गए। इनकी स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	खण्ड	स्थिति
1	गोदावरी नदी (भद्राचलम से राजमुंदरी) 171 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
2	काकीनाडा कैनाल (काकीनाडा से राजमुंदरी) 50 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
3	गोदावरी इलुरू कैनाल (राजमुंदरी से इलुरू) 74 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
4	नार्थ बकिंघम कैनाल (कृश्णापट्टनम से एन्नोर) 140 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
5	साउथ बकिंघम कैनाल (शोलिंगनल्लूर से कलपक्कम) 37 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया

6	साउथ बकिंघम कैनाल (कलपक्कम से मरकनम) 53 किमी.	सर्वे पूर्ण। आंकड़ा, रिपोर्ट और चार्ट संकलन प्रगति में है।
	कालुवेली टैंक (मरकनम से पुदुचेरी) 22 किमी.	
7	कोमामूर कैनाल (विजयवाड़ा से पेडागंजम) 113 किमी.	सर्वे पूर्ण। आंकड़ा, रिपोर्ट और चार्ट संकलन प्रगति में है।
8	नार्थ बकिंघम कैनाल (पेडागंजम से कृष्णापट्टनम) 160किमी.	सर्वे पूर्ण। आंकड़ा, रिपोर्ट और चार्ट संकलन प्रगति में है।
9	कृष्णा नदी (वजीराबाद से विजयवाड़ा) 157 किमी.	सर्वे पूर्ण।
	कृष्णा इलुरू कैनाल (इलुरू से विजयवाड़ा) 65 किमी.	

9.5 राष्ट्रीय जलमार्ग–5

राष्ट्रीय जलमार्ग–5 में नौवहन मार्ग की वर्तमान स्थिति के आकलन और इसमें सुधार के लिए निम्नांकित खण्डों में विस्तृत जलीय सर्वेक्षण किए गए। इनकी स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	खण्ड	स्थिति
1	ब्रह्मणी–खरसुआ–धमरा नदियां (तलचर–धमरा) 265 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
2	मतई नदी (चारबतिया–धमरा) 39 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
3	महानदी डेल्टा नदियां (मंगलगाडी–पारादीप) 67 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
4	तंतीघई/कनि नदी प्रणाली (सुजानपुर से पडानीपल के लिए वैकल्पिक मार्ग) 46 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
5	हंसुआ–खरनासी और नदी मुहानों के बीच (राजनगर से पारादीप तक वैकल्पिक मार्ग) 26 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
6	अथरबंकी क्रीक (महानदी से पारादीप पत्तन) 4 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
7	कनि नदी के साथ पडानीपल से जकादिया तक के खण्डों हेतु रा.ज.–5 में विस्तृत वैथीमीट्रिक सर्वे (10 किमी. उपनदी सहित) 83 किमी.	रिपोर्ट और सर्वे चार्ट को अंतिम रूप दिया गया
8	जकोदिया से धमरा और पारादीप के लिए तलस्पर्शी सर्वेक्षण (230 किमी.)	अप्रैल, 2015 से सर्वेक्षण प्रारंभ करने के लिए कार्य सौंपा गया।

9.6 सर्वेक्षण जलयान

आंकड़ा संग्रह, तैयार और प्रिंट करने के लिए सभी सर्वेक्षण जलयान डिजिटल इको साउंडर, डीजीपीएस रिसीवर, लैपटाप/डेस्कटाप और करेंट मीटर सेट सहित स्वचालित जलीय सर्वेक्षण जैसे–अत्याधुनिक सर्वेक्षण उपकरण से युक्त हैं।

विभिन्न जलमार्गों में निम्नलिखित सर्वेक्षण जलयान प्रचालन में हैं, जो सर्वेक्षण कार्य के लिए तैनात हैं :–

रा.ज.–1		रा.ज.–2	रा.ज.–3
1. एस.एल. कोयल	7. एस.एल. मंदाकनी	1. एस.एल. लोहित	1. एस.एल. पम्बा
2. एस.एल. द्वारकेश्वर	8. एस.एल. गंडक	2. एस.एल. सुबानसिरि	
3. एस.एल. मेगना	9. एस.एल. पुनपुन	3. एस.एल. बराक	
4. एस.एल. अनुपल्लव	10. एस.एल. कोसी	4. एस.एल. बूढ़ी दिहिंग	
5. एस.एल. कमला	11. एस.एल. रिहंद	5. एस.एल. दिबांग	
6. एस.एल. घाघरा	12. एस.एल. दिहांग		

उपरोक्त वर्णित सर्वेक्षण जलयान बेड़े में 25 एचपीओबीएम के साथ आठ एफआरपी नौकाएं शामिल की गई और इन्हें स्वरूपगंज, फरक्का, वाराणसी, धुब्री, डिब्रूगढ़, कोच्चि और पटना में तैनात किया गया।

9.7 राष्ट्रीय जलमार्ग–1 (गंगा) में नदी सूचना प्रणाली की स्थापना

नदी सूचना सेवाएं (आरआईएस) हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संबंधी सेवा युक्त हैं और इसे अंतर्देशीय नौवहन में ट्रैफिक और परिवहन प्रक्रियाओं को इष्टतम करने के लिए तैयार किया गया है। यह प्रणाली मोबाइल जलयानों और किनारे (बेस स्टेशनों) पर स्थित जलयानों के मध्य सरलता से इलेक्ट्रोनिक डाटा अंतरण को सूचना के अग्रिम और वास्तविक समय विनियम के आधार पर सुनिश्चित करती है। आरआईएस जलमार्ग प्रचालकों और प्रयोक्ताओं के मध्य सूचना विनिमय को सुकर बनाता है। भ.अ.ज.प्रा. ने भारत में पहली बार रा.ज.–1 पर आरआईएस की स्थापना की उपरोक्त प्रौद्योगिकीय चुनौतीपूर्ण परियोजना प्रारंभ की है। परियोजना को तीन चरणों नामतः हल्दिया– फरक्का (चरण एक), फरक्का–पटना (चरण –दो) और पटना–वाराणसी (चरण–दो) में लागू किया जा रहा है।

भा.अ.ज.प्रा. जलयानों पर आरआईएस उपकरण

चरण–1 में कार्य, 27.3.2014 को उपस्कर की आपूर्ति स्थापना, प्रचालन और अनुरक्षण हेतु उपकरण आपूर्तिकर्ता को प्रदान किया गया। परियोजना में 30 फ्लोटिंग जलयानों, 7 बेस स्टेशनों और 2 नियंत्रण स्टेशनों में आरआईएस प्रणाली हेतु उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, प्रारंभ करना सम्मिलित है। वारंटी अवधि के उपरांत

एजेन्सी 3 वर्शों तक प्रचालन और अनुरक्षण तथा बृहद वार्षिक अनुरक्षण संविदा हेतु सेवाएं प्रदान करेगी। वर्ष के दौरान सभी मदें आयात की गई और स्थापना पूर्ण की गई। चरण–2 में निविदाएं जारी की गईं और प्रतिष्ठित एजेन्सियों से पांच बोलियां प्राप्त हुईं और कीमत बोलियां मई 2015 में खोली गई। चरण–3 को 2015–16 में किया जाएगा।

9.8 मानचित्र प्रकोष्ठ

भा.अ.ज.प्रा., मुख्यालय नोएडा का मानचित्र प्रकोष्ठ भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और सीएआरआईएस, ईआरडीएएस इमेजिन, आटो सीएडी इत्यादि जैसे ईमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर द्वारा डिजिटल चार्ट को तैयार करने के लिए आधुनिक उपकरण और साफ्टवेयर से सुसज्जित है। भा.अ.ज.प्रा. के मानचित्रकार जीआईएस साफ्टवेयर और ईमेज प्रोसेसिंग साफ्टवेयर इत्यादि के प्रयोग के लिए प्रशिक्षित हैं। मानचित्र प्रकोष्ठ में नए पहचान किए गए 101 जलमार्गों को खोजा गया और योजना एवं निविदा आमंत्रित करने की तैयारी हेतु मानचित्र प्रयोगशाला में आधुनिक कंप्यूटर हार्डवेयर और साफ्टवेयर का प्रयोग कर नदी मार्गों को डिजिटलीकृत किया गया। 2014–15 के दौरान सभी जलमार्गों के लिए राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर हैदराबाद के सेटेलाइट डाटा तैयार कर इसे केरिश जीआईएस साफ्टवेयर द्वारा डिजिटल बना दिया गया है। इलेक्ट्रानिक चार्ट को तैयार के लिए लैंडमार्क, सर्वे ऑफ इंडिया की स्थलाकृति विशेषता वाले डिजिटल आंकड़े का संग्रह फिल्ड हाईपैक सर्वे डाटा के साथ–साथ एनआरएससी डाटा के साथ किया गया था।

9.9 सेमिनार / कार्यशालाएं

(i) राष्ट्रीय जलमार्गों पर वाराणसी और अन्य मार्गों के मध्य रेल संपर्क के साथ संभार तंत्र केन्द्र के निर्माण हेतु 19 मार्च, 2015 को भा.अ.ज.प्रा. और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

(ii) भा.अ.ज.प्रा. ने 20 जनवरी, 2015 को ''ड्रेजिंग इन इनलैंड वाटरवेज एंड शैलो वाटर्स'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

(iii) भा.अ.ज.प्रा. ने 21 और 22 जनवरी, 2015 को रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो, हैदराबाद द्वारा आयोजित ''यूजर इंटरनेशनल मिट'' में भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न कार्यों के नियोजन और कार्यान्वयन हेतु सेटेलाइट से चित्रों को बनाना और मुहैया करने का है।

प्रयोक्ता संपर्क बैठक–भागीदार

10. राष्ट्रीय अन्तर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी), पटना

राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी) की स्थापना भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा.अ.ज.प्रा.) द्वारा फरवरी, 2004 में पटना, बिहार में अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र हेतु मानव संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी। निनी, पटना का प्रबंधन और प्रशासन भा.अ.ज.प्रा. की कार्यक्रम सलाहकार समिति के परामर्श से मैसर्स एआरआई प्रा. लि. नई दिल्ली के अधीन है। वर्ष 2014–15 के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:–

क पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए निम्नलिखित गतिविधियां की गई :

प्रारंभिक प्रशिक्षण जीपी रेटिंग कोर्स (21वां और 22वां बैच)

- जेनरल परपस रेटिंग इंडक्शन पाठ्यक्रम के लिए आंतरिक अंतिम परीक्षा (लिखित एवं मौखिक) का संचालन जुलाई, 2014 और जनवरी, 2015 के महीनों में किया गया।
- प्रशिक्षण जलयान सर्वेक्षक और अन्तर्देशीय जलयान प्रशिक्षण सिमुलेटर पर जीपी रेटिंग (आईवी) प्रशिक्षु को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

निम्नलिखित चार डीजी अनुमोदित प्रारंभिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया गया :

- प्रारंभिक प्राथमिक उपचार (ईएफए)
- अग्निशमन और अग्निशामक (एफपीएफएफ)
- व्यक्तिगत उत्तरजीविता तकनीक (पीएसटी)
- व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी (पीएसएसआर)

अन्तर्देशीय जलयान सक्षमता प्रमाणपत्र हेतु प्रारंभिक पाठ्यक्रम

- अन्तर्देशीय जलयान परीक्षा हेतु निम्नलिखित प्रारंभिक पाठ्यक्रम आयोजित किए गए :–
  - सेरांग
  - मास्टर क्लास–।।
  - सेकंड क्लास इंजन ड्राइवर
  - फर्स्ट क्लास इंजन ड्राइवर

बिहार सरकार की ओर से अन्तर्देशीय जलयान परीक्षा का आयोजन

- बिहार सरकार के अन्तर्देशीय जलयान नियम के अनुसार सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवारों हेतु निम्नलिखित श्रेणियों की परीक्षाएं प्रारंभ की गयी :
  - सेरांग
  - मास्टर क्लास–।।
  - मास्टर क्लास–।
  - सेकंड क्लास इंजन ड्राइवर
  - फर्स्ट क्लास इंजन ड्राइवर
  - अन्तर्देशीय अभियंता

	सेरांग	मास्टर क्लास–II	मास्टर क्लास–I	इंजन ड्राइवर क्लास–II	इंजन ड्राइवर क्लास–I	अभियंता IV
कुल सम्मिलित	20	0	47	48	11	0
उत्तीर्ण	18	0	32	31	4	0
अनुत्तीर्ण	2	0	15	17	7	0

ख. <u>प्रशिक्षण</u>

निनी नियमित आधार पर प्रशिक्षण देता है और सामुद्रिक पत्रिका और राष्ट्रीय समाचार पत्रों में अपने पाठ्यक्रमों का विज्ञापन देता है।

- डेक और इंजन प्रारंभिक रेटिंग पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं की नियुक्ति हेतु भा.अ.ज.प्रा. ने निजी बार्ज प्रचालक के साथ व्यवस्था की है।
- विभिन्न जलयानों पर प्रशिक्षण के लिए भेजे गए प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण रिकॉर्ड पुस्तिका जारी की गई।

- निनी नियुक्ति प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षण के लिए भेजे गए प्रशिक्षुओं की छुट्टी, भुगतान और प्रशिक्षण से संबंधित रिकॉर्ड रखता है।
- सीओसी परीक्षा का डाटा और प्रमाणपत्र अनुरक्षित किये जा रहे हैं।

व्यावहारिक प्रशिक्षण

ग. <u>मानव संसाधन</u>

संस्थान ने संस्थान के प्रबंधन हेतु संकाय सदस्य और अनुदेशकों का एक पूल विकसित किया है। संस्थान संकाय सदस्यों को तीन श्रेणियों यथा–नियमित परामर्श संकाय, नियमित विजिटिंग संकाय और आवश्यकता आधारित विजिटिंग संकाय में तैनात करता है।

घ. <u>अंगीभूत और सम्बद्ध</u>

- एबीएस द्वारा आईएसओ 9001:2008 प्रमाणपत्र, जिसे संस्थान के निरीक्षण के उपरांत नवीकृत किया गया।
- निनी ने अ.ज.प. बिहार सरकार के लिए निनी कैम्पस में सक्षमता प्रमाणपत्र (सीओसी) का आयोजन किया।

ड. <u>सेमिनार और सम्मेलन</u>

- निनी, पटना में 22.08.2014 को आईडब्लूटी क्षेत्र में व्यापार संभावना कार्यशाला।
- वाराणसी में सितम्बर, 2014 को आईडब्लूटी क्षेत्र में व्यापार संभावना कार्यशाला।
- नई दिल्ली में 20.1.2015 को ड्रेजिंग संबंधी सेमिनार।
- निनी, पटना में 20.2.2015 को देशी नौका निर्माण संबंधी कार्यशाला।
- निनी, पटना में 13.3.2015 को ड्रेजिंग और ड्रेजर प्रकारों संबंधी कार्यशाला।

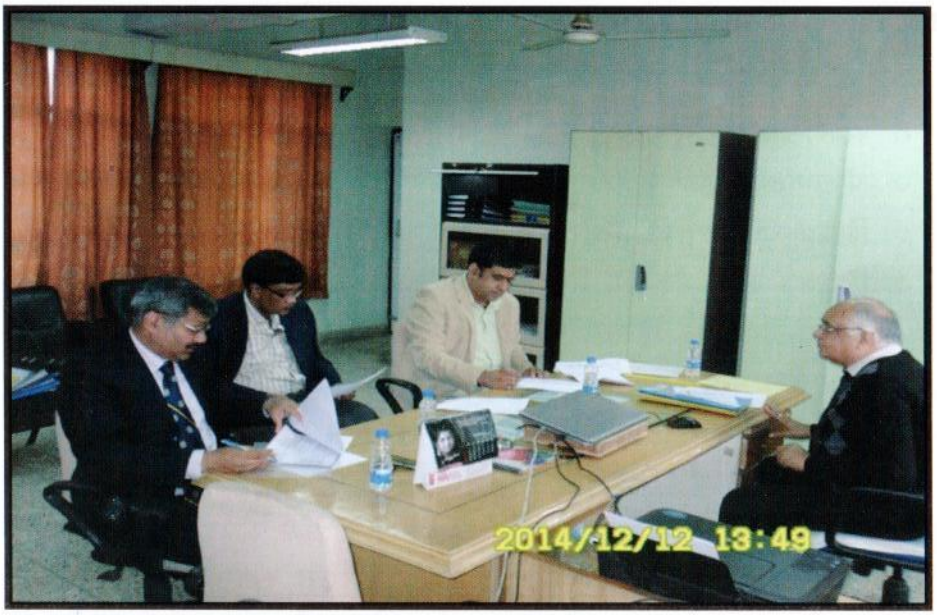

महानिदेशक, पोत परिवहन का निरीक्षण

तरणताल शुभारंभ

च. मेरिन सिमुलेटर केन्द्र, निनी

मेरिन सिमुलेटर केन्द्र की स्थापना निनी परिसर में मैसर्स एआरआई प्रा. लि. के सहयोग से मर्चेंट मेरिन अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम आयोजन हेतु की गई है।

मर्चेन्ट मेरिन अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

- अनुसूची के अनुसार निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए :
    - रडार ऑब्जर्वर सिमुलेटर कोर्स (आरओएससी)
    - ऑटोमेटिक रडार प्लॉटिंग एड (एआरपीए)
    - शिप मैन्यूवेयरिंग सिमुलेटर (एसएमएस)
    - लिक्विड कार्गो हैंडलिंग सिमुलेटर (एलसीएचएस)
    - इलेक्ट्रॉनिक चार्ट डिस्प्ले एण्ड इन्फॉरमेशन सिस्टम (ईसीडीआईएस)
    - ब्रीज टीम मैनेजमेंट

11. भारत–म्यांमार कालादान मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन परियोजना

म्यांमार में कालादान मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन परियोजना के पत्तन और अ.ज.प. घटक के कार्यान्वयन हेतु विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने भा.अ.ज.प्रा. को परियोजना विकास सलाहकार (पीडीसी) नियुक्त किया है। यह परियोजना विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित और संचालित है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय और भा.अ.ज.प्रा. के बीच 19.3.2009 को हस्ताक्षर किए गए। भा.अ.ज.प्रा. के पर्यवेक्षण में म्यांमार में कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों के लिए विदेश मंत्रालय ने मेसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स (इं.) लि. को मुख्य संविदाकार नियुक्त किया है। मैसर्स यूआरएस एस्कॉट विल्सन इंडिया प्रा. लि., गुड़गांव परियोजना के लिए भा.अ.ज.प्रा. का पर्यवेक्षण सलाहकार है। 31 मार्च, 2015 को परियोजना के लिए समग्र रूप से कार्यों की वास्तविक प्रगति लगभग 85 प्रतिशत हुई, जबकि यथा वित्तीय प्रगति लगभग 80 प्रतिशत हुई। कार्यों की वास्तविक प्रगति का विस्तृत ब्यौरा नीचे है :–

<u>सिटवे</u>

- बैकअप सुविधा के लिए भूमि सुधार – 96 प्रतिशत पूरा
- रबरयुक्त डाइक का निर्माण – 90 प्रतिशत पूरा
- पत्तन और अ.ज.प. जेट्टी दोनों के लिए संपर्क जेट्टी – 100 प्रतिशत पूर्ण
- पत्तन और अ.ज.प. दोनों के लिए मुख्य जेट्टी पाइलिंग कार्य – 100 प्रतिशत पूर्ण
- सिटवे में अ.ज.प. और पत्तन जेट्टी के लिए कंक्रीट कार्य – 100 प्रतिशत पूर्ण
- 11 लाख घन मीटर (कुल मात्रा 12.0 लाख घन मीटर) की मात्रा, सिटवे पत्तन क्षेत्र में ड्रेजिंग का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण।
- बैकअप सुविधा देने वाली संरचना का निर्माण कार्य (पत्तन कार्यालय, अ.ज.प. कार्यालय, भण्डारण क्षेत्र, इलेक्ट्रीकल और जेनरेटर रूम, कैंटीन/विश्राम गृह, इत्यादि) पूरा होने के अग्रिम चरण में है।
- पोत जेट्टी पर 10 टी लेबल लफिंग क्रेन लगाने का कार्य प्रगति पर है और जुलाई, 2015 तक पूरा होने की संभावना है।
- मार्च, 2013 में 300 टन क्षमता वाले 6 बार्जों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है, जोकि अ.ज.प., म्यांमार सरकार द्वारा यंगून में प्रगति पर है। अ.ज.प., म्यांमार सरकार इस काम के लिए उपसंविदाकार है।
- ड्रेन का निर्माण (अतिरिक्त मद) पूरा हो गया है।
- नौवहन सहायताओं की स्थापना प्रगति में है–95 प्रतिशत पूर्ण

<u>पलेतवा</u>

- अ.ज.प. टर्मिनल का निर्माण कार्य अप्रैल, 2013 में प्रारंभ हुआ।
- मिट्टी की खुदाई से सम्बंधित मुख्य काम पूरा हो गया।
- संपर्क जेट्टी लगाने का काम – 100 प्रतिशत पूर्ण।
- मुख्य जेट्टी लगाने का काम – 100 प्रतिशत पूर्ण।
- पलेतवा में अ.ज.प. जेट्टी हेतु कंकरीट कार्य –95 प्रतिशत पूर्ण।
- अ.ज.प. कार्यालय, भण्डारण क्षेत्र, इलेक्ट्रीकल और जेनरेटर रूम, कैंटीन/विश्राम गृह, इत्यादि जैसे बैकअप सुविधा वाले काम प्रगति पर हैं।
- कुल 6 उथले क्षेत्रों में से 4 का ड्रेजिंग कार्य पूरा हो गया और 5वें उथले क्षेत्र का ड्रेजिंग कार्य प्रगति में है। मेसर्स डीडब्ल्यूआईआर,म्यांमार सरकार के सीएसडी ड्रेजर (नदी निकर्षण कार्य के लिए उपसंविदाकार) के साथ कार्य प्रगति में है और 65 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

भा.अ.ज.प्रा. ने अपनी पीडीसी की भूमिका में विदेश मंत्रालय, भारत यंगून दूतावास, पोत परिवहन मंत्रालय, उत्तर–पूर्व क्षेत्र विभाग मंत्रालय, म्यांमार सरकार, ठेकेदार और परामर्शदाता जैसे सभी महत्वपूर्ण शेयरधारकों के साथ परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन हेतु लगातार समन्वय बनाया।

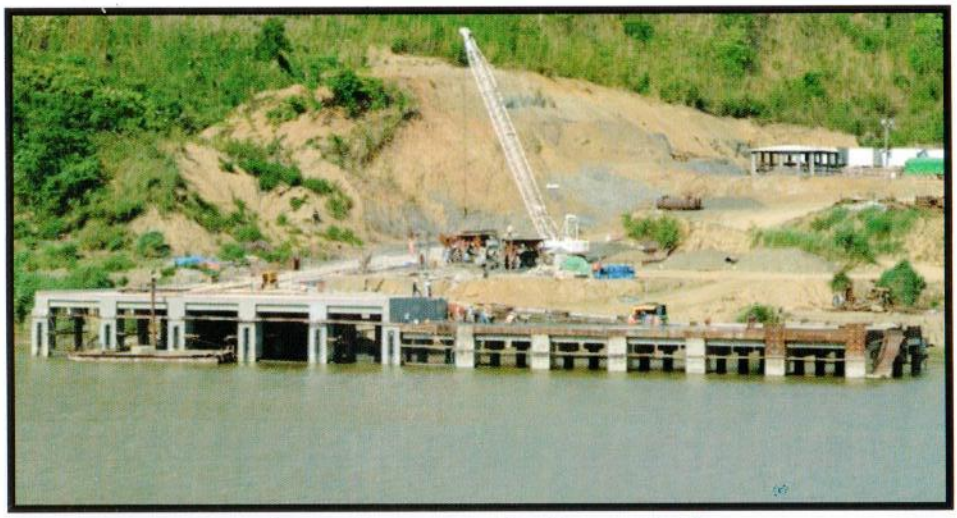

पलेतवा में अ.ज.प. जेट्टी का निर्माण

12. वर्ष 2014–15 के दौरान कार्गो ढुलाई का ब्यौरा

अंतर्देशीय जल परिवहन को परिवहन के अनुपूरक और विश्वसनीय माध्यम के रूप में कार्य करने के लिए किफायती नौचालन के लिए आवश्यक नौचलनात्मक गहराई, 24X7 नौचालन सुविधाएं, यांत्रिक लदान और ढुलाई सुविधाओं के साथ गारंटी फेयरवे के संबंध में शिपरों में विश्वास निर्माण करने की आवश्यकता है। यद्यपि, भारतीय अंतरर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा.अ.ज.प्रा.) कार्गो जलयानों की सुकर आवाजाही हेतु आवश्यक सभी अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय जलमार्ग 1, 2 और 3 का निरंतर विकास कर रहा है। निरंतर कार्गो आवाजाही हेतु अ.ज.प. बाजार में जलयानों की कमी एक सबसे बड़ी बाधा है। भा.अ.ज.प्रा. के स्वामित्व वाले 7 कार्गो जलयानों में से चार को राष्ट्रीय जलमार्ग–1, 2 और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर या तो बेयरबोट

चार्टर या यात्रा चार्टर आधार पर प्रचालनों हेतु तैनात किया गया है। राष्ट्रीय जलमार्गो पर नियमित ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) की आवाजाही है क्योंकि सामान्यतः ऐसे कार्गो को रेलवे और सड़कों द्वारा ले जाना व्यवहार्य नहीं है। राष्ट्रीय जलमार्ग–1 और इंडो–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर इस वर्ष ओडीसी की 9 कंसाइनमेंट कोलकाता से भेजी गई हैं, जो कि मुख्यतः विद्युत परियोजनाओं हेतु ओडीसी की कुल 4689 एमटी क्षमता थी। रा.ज.–1 और 2 पर पर्यटन क्रूज जलयानों की नियमित आवाजाही होती है। आरामदायक क्रूज प्रचालनों में सम्मिलित कंपनियां हैं– मैसर्स हैरिटेज, मैसर्स असम बांग्लादेश नेवीगेशन, ब्रह्मपुत्र क्रूज प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स होरिजोन टूरस। रा.ज.–1 के पर्यटक सर्किट हैं कोलकाता–सेमरिया/ राजमाह/पटना/ बक्सर–कोलकाता और रा.ज.–2 पर जोरहाट से पांडु। राष्ट्रीय जलमार्ग–3 पर निजी स्वामित्व वाले हाउसबोट और पर्यटक बोटों ने रा.ज.–3 में पर्यटन को बढ़ावा देने में काफी योगदान दिया है। भा.अ.ज.प्रा. पंतून जेट्टी के हल्दिया डॉक परिसर से बांग्लादेश को फ्लाई एश और जीआर जेट्टी निरंतर परिवहनित की जाती है। 2014–15 के दौरान प्रोटोकॉल मार्ग से बांग्लादेश को कुल 19.6 लाख एमटी फ्लाई एश परिवहनित की गई। सागर द्वीप से फरक्का एनटीपीसी संयंत्र के आयातित कोयले का परिवहन नियमित आधार पर किया जा रहा है। मैसर्स जिन्दल आईटीएफ ने वर्ष के दौरान लगभग 5.06 लाख एमटी कोयले का परिवहन किया। एनटीपीसी संयंत्र बाढ़ हेतु समान परियोजना परिकल्पित की जा रही है।

13. जलमार्ग विकास परियोजना

1. माननीय वित्त मंत्री ने 2014–15 का अपना बजट भाषण 10.7.2014 को प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने घोषणा की थी कि गंगा नदी पर इलाहाबाद और हल्दिया के बीच 1620 किमी. में 'जलमार्ग विकास' (राष्ट्रीय जलमार्ग–1) को विकसित किया जाएगा, जो कि न्यूनतम 1500 टन के जलयान के वाणिज्यिक नौवहन को समर्थ बनाएगा और इसे 4200 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर छह वर्ष की अवधि में पूरा किया जाएगा। जलमार्ग विकास परियोजना को विश्व बैंक से तकनीकी और निवेश सहायता के साथ लागू किया जा रहा है।

2. जून, 2014 में सदस्य (वित्त और यातायात) के साथ परियोजना निदेशक के रूप में एक परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना की गई थी। परियोजना निदेशक की सहायता के लिए पीएमयू में सात अन्य कार्यात्मक आवश्यक विशेषज्ञ– प्रशासन, अभियांत्रिकी अधिप्राप्ति, पर्यावरण, व्यापार विकास रणनीति और संचार के लिए हैं, जो परियोजना के संबंध में प्रचालन पूर्व कार्यकलापों में परियोजना निदेशक की सहायता करेगा।

3. पोत परिवहन ने अक्तूबर 2014 को एक गजट अधिसूचना जारी की थी जिसके द्वारा जलमार्ग विकास परियोजना हेतु भा.अ.ज.प्रा. को कार्यान्वयन एजेन्सी नियुक्त किया गया है।

4. अध्यक्ष, भा.अ.ज.प्रा. की अध्यक्षता के अंतर्गत और उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों के अंशधारकों और केन्द्रीय जल आयोग से प्रतिनिधियों के साथ परियोजना निर्देशन और मूल्यांकन के लिए परियोजना निगरानी समिति (पीओसी) गठित की गई है।

5. कार्य शर्तों, रूचि की अभिव्यक्ति का प्रकाशन, प्रतिक्रिया करने वालों का चयन, आरपीएफ की तैयारी, तकनीकी और वित्तीय बोलियों का आकलन से संबंधित तीनों परामर्शदात्रियों के चयन हेतु विस्तृत और व्यापक चयन प्रक्रिया, विश्व बैंक के साथ परामर्श में की जाए, इसे विश्व बैंक के परामर्शों के अधिप्राप्ति दिशानिर्देशों के साथ ध्यानपूर्वक तैयार किया गया।

   (i) राष्ट्रीय जलमार्ग–1 की क्षमता संवर्धन हेतु विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन के लिए परामर्शी और अनुषंगी कार्यों और प्रक्रियाओं के लिए विस्तृत अभियांत्रिकी।

   (ii) पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन (ईएसआईए), पर्यावरणीय प्रबंधन योजना (ईएमपी) और पुनर्वास कार्य योजना (आरएपी) हेतु परामर्श।

   (iii) अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्लूटी) क्षेत्र विकास रणनीति और व्यापार विकास हेतु परामर्श।

6. विश्व बैंक ने रा.ज.–1 पर दो स्कोपिंग मिशन आयोजित किएः पहला अगस्त, 2014 और दूसरा फरवरी, 2015 में। विश्व बैंक ने अपने ऐड मैमोर में निष्कर्ष दिया कि परियोजना प्रबंधन इकाई ने अभियांत्रिकी, पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव आकलन तथा अ.ज.प. क्षेत्र रणनीति, व्यापार एवं बाजार विकास अध्ययन में अहम परियोजना तैयारी परामर्शी सेवाओं की अधिप्राप्ति में उत्कृष्ट प्रबंधन निगरानी प्रदान कर रहा है।

14. वित्तीय निष्पादन

क. आय और व्यय

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार से 14208.70 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई थी और 913.87 लाख रुपए की राशि प्राधिकरण द्वारा अल्पावधि जमा पर ब्याज, टेंडर फर्मों की बिक्री, वृहत आकार के कार्गो/सामान्य कार्गो की ढुलाई, बर्थिंग/पायलटेज, प्रभार इत्यादि से अर्जित की गई थी। मुख्य स्कीमों के अनुसार व्यय के ब्योरे निम्नलिखित हैं :–

(रु. लाख में)

क्र. सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2013–14	चालू वर्ष 2014–15
1.	तकनीकी अध्ययन	100.00	77.00
2.	ऋण ब्याज राजसहायता/आईवीबीबीएस	-	-
3.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1**		
क	नदी संरक्षण कार्य	4165.72	3703.23
ख	कार्गो बर्थ/टर्मिनलों का निर्माण	446.63	153.19
ग	निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	75.99	-
घ	कार्य नौका की अधिप्राप्ति	-	878.16
ड.	स्टील पांतून की अधिप्राप्ति	-	-
च	पटना में कार्यालय भवन का निर्माण	110.87	-
छ	सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	27.16	-
ज	डीजीपीएस स्टेशन की स्थापना	-	33.54
झ	पटना में कार्यालय भवन	921.29	78.62
ञ	आरआईएस प्रणाली की स्थापना	36.30	1047.57
ट	निनी	315.29	304.86
4.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–2**		
क	नदी संरक्षण कार्य	1207.24	1403.77
ख	टर्मिनल का निर्माण	3581.30	839.26
ग	निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	69.92	-
घ	कार्य नौकाओं का निर्माण	-	1358.11
ड.	प्रोटोकॉल मार्ग (एकल नाव) का विकास	-	132.31
च	सर्वे उपकरण का निर्माण	5.71	-
5.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–3**		
क	नदी संरक्षण कार्य	1912.97	943.12
ख	टर्मिनल का निर्माण	41.74	86.97
ग	सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	8.66	35.44

क्र. सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2013–14	चालू वर्ष 2014–15
6.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0– 4**		
क	विकासात्मक कार्य	85.30	179.06
7.	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–5**		
क	विकासात्मक कार्य	76.00	61.86
8.	आई.टी. संबंधी कार्यकलापों पर व्यय	22.15	9.77
9.	नोएडा में कार्यालय और आर एंड डी परिसर का ऊपरी विस्तार	-	6.51
10.	जलमार्ग विकास (इलाहाबाद–हल्दिया) विश्व बैंक परियोजना	-	78.39
11.	अ.ज.प. विकास निधि	287.13	203.36
12.	स्थापना (आयकर सहित)	4763.64	3589.77
	कुल	**18261.01**	**15203.87**

ख. स्रोत और निधियों का अनुप्रयोग

(रु. लाख में)

क्र. सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2013–14	चालू वर्ष 2014–15
	स्रोत		
1.	पूंजी अनुदान में वृद्धि	5965.43	3243.00
2.	पूंजीगत कार्य में कमी	-	3569.72
3.	वर्ष के दौरान व्यय से अधिक आय	-	-
4.	पूंजीगत कार्य की प्रगति में कमी	-	2675.11
	कुल	**5965.43**	**9487.83**
	अनुप्रयोग		
1.	स्थायी परिसम्पत्तियों में वृद्धि	3369.98	9487.83
2.	पूंजीगत कार्य की प्रगति में वृद्धि	850.62	-
3.	कार्यशील पूंजी में वृद्धि	1744.83	-
	कुल	**5965.43**	**9487.83**

ग. रोकड़ प्रवाह विवरण

(रु. लाख में)

	वित्तीय वर्ष 2013–14	वित्तीय वर्ष 2014–15
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
आय से अधिक व्यय	(1,316.16)	(1,903.91)
सरकार से अनुदान राजस्व	-	(11,817.44)
पूंजी आरक्षित	(6.04)	(6.19)
मूल्यह्रास	2,598.75	2,882.14
प्रतिस्थापन आरक्षित	(2,598.75)	(2,875.99)
चुकता ब्याज	-	-
हानि : ब्याज से आय	(261.40)	(333.74)
जोड़ : स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि / बट्टा खाता	3.64	21.04
हानिः स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ		
भंडार के लोप के लिए प्रावधान	-	-
कार्मिकों के लाभ हेतु खुले आरक्षित का प्रावधान	-	-
प्रचालन लाभ	**(1,579.96)**	**(14,034.09)**
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन हेतु समायोजन		
भंडारण में वृद्धि / कमी	1.60	(86.59)
ऋण और अग्रिम में वृद्धि / कमी	(2,274.32)	3,341.08
अन्य के खाते में जमा में वृद्धि / कमी	(201.79)	727.63
चालू दायित्वों में वृद्धि / कमी	220.11	820.43
अन्य दायित्वों और प्रावधानों में वृद्धि / कमी	2,630.95	1,110.77
प्रचालन से सृजित रोकड़	**(1,203.41)**	**(8,120.77)**
आयकर (शुद्ध)	-	-
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से शुद्ध रोकड़	**(1,203.41)**	**(8,120.77)**
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (क)		
स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद	(3,426.94)	(9,661.46)
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री	56.96	173.62
परिसम्पत्ति की बिक्री पर हानि	(3.64)	(21.08)
प्रतिस्थापन आरक्षित से	6.53	-
सीडब्ल्यूआईपी में कमी	(850.62)	2,675.11
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	(168.86)
सरकारी प्रतिभूतियों के अतिरिक्त बिक्री	-	49.97

(रु. लाख में)

	वित्तीय वर्ष 2013–14	वित्तीय वर्ष 2014–15
सरकारी अनुदान की प्राप्ति	17,337.21	15,081.82
ब्याज से आय	261.40	333.70
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (ख)	**13,380.90**	**8,462.82**
वित्तीय कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
बैंक ओवर ड्राफ्ट में वृद्धि / कमी	-	-
लाभांश और कारपोरेट लाभांश कर	-	-
ब्याज भुगतान	-	-
वित्तीय कार्यलापों से शुद्ध रोकड़(ग)		
वर्ष के दौरान रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में कुल वृद्धि / कमी	261.97	342.05
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	3,142.36	3,404.33
वर्ष के अंत में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	**3,404.33**	**3,746.38**

15. प्राधिकरण में संघ सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः 2014–15

प्राधिकरण अपने सभी कार्यकलापों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु प्रगामी रूप में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में समय–समय पर हिन्दी कार्यशालाएं और अन्य संबंधित कार्यकलाप आयोजित किए गए। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी दिवस/ सप्ताह/पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कार्यालयों में विभिन्न प्रकार की हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा भा0 अ0 ज0 प्रा0 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) नौएडा के सभी सदस्य कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित कराने का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है। भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अध्यक्ष इस समिति के अध्यक्ष हैं। नराकास, नौएडा के विभिन्न सदस्य कार्यालयों में राजभाशा हिन्दी के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं पर विचार–विमर्श करने के लिए अर्द्धवार्षिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की गई। सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को राजभाषा हिन्दी में अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और अन्य संबंधित गतिविधियाँ न0 रा0 का0 स0, नौएडा के तत्वावधान में आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाने वाले बच्चों को प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी प्रतिभा पुरस्कार' से पुरस्कृत किया जाता है।

16. कार्मिक और प्रशासन

दिनांक 31.03.2015 को मुख्यालय में 30 अधिकारी एवं 64 स्टाफ तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में 49 अधिकारी एवं 165 स्टाफ कार्यरत थे। प्राधिकरण ने पद पुनर्संरचना प्रस्ताव को स्वीकृत किया है और यह भारत सरकार के विचाराधीन है।

आभारोक्ति

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, कर्मचारियों द्वारा सभी स्तरों पर दिए गए अमूल्य सहयोग और योगदान के लिए कृतज्ञता सहित आभार व्यक्त करता है।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत के लेखा नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक और अन्य सरकारी विभागों / अभिकरणों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त करता है।

कृते एवं भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निमित्त

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

तुलन पत्र यथा दिनांक

गत वर्ष (रुपए)	पूँजी एवं दायित्व	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	पूँजी			
9,437,244	पूँजी यू/एस 11 (i) (ग)		9,437,244	
8,260,930,832	पूँजी अनुदान यू/एस 18		8,585,231,285	
(1,640,352,209)	न्यून प्रतिस्थापन आरक्षित		(1,934,434,668)	
(7,838,520)	विस्थापन पट्टा किराया		(5,976,407)	6,654,257,454
	आरक्षित एवं अधिशेष			
14,995,367	पूँजी आरक्षित		15,010,367	
(6,165,472)	कटौती		(6,784,509)	8,225,858
	सामान्य रिजर्व			
	कटौती			
	उधारी			
	चालू दायित्व एवं प्रावधान			
			-	
313,546,878	चालू दायित्व	I	395,590,039	
280,758,382	प्रावधान		391,835,091	
			-	
97,864,398	अन्यों के खातों में जमा		170,626,939	958,052,069
7,323,176,900	**योग**			**7,620,535,381**

अनुसूची I से VIII लेखा के अभिन्न भाग हैं।

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

31 मार्च, 2015

गत वर्ष (रुपए)	संपत्ति एवं परिसंपत्तियाँ	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
	स्थायी परिसम्पत्तियाँ	II		
5,835,253,912	सकल ब्लॉक		6,784,036,815	
1,646,517,681	न्यून मूल्य ह्रास		1,941,219,177	
4,188,736,231	शुद्ध ब्लॉक		-	4,842,817,638
26,582,684	पट्टा भूमि		24,448,916	
(7,838,520)	न्यून बट्टा		(5,976,407)	18,472,509
1,290,083,699	पूँजीगत कार्य में प्रगति			1,022,573,182
-	**निवेश (लागत पर)**		-	-
54,375,213	सरकारी प्रतिभूति		-	71,261,202
5,300,000	से इतर सरकारी प्रतिभूति		-	303,289
	चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम	III		
38,874,160	भंडार, कलपुर्जे एवं उपकरण		47,532,851	
-	लागत पर विविध देनदार		-	
1,255,014,199	जमा, ऋण एवं अग्रिम		920,906,618	
340,433,081	नकद एवं बैंक शेष		374,637,566	1,343,077,035
131,616,153	**विविध व्यय** आय एवं व्यय खाता (नामे शेष)			322,030,526
7,323,176,900	योग			**7,620,535,381**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

दिनांक 31 मार्च, 2015 को

गत वर्ष (रुपए)	व्यय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	<u>प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे</u>	IV		
	वेतन और भत्ते एवं			
292,630,427	अन्य स्टाफ लागतें		204,495,317	
73,790,829	सर्वेक्षण		95,359,068	
316,251,450	निकर्षण		195,296,899	
44,624,619	बंडालिंग		64,970,466	
-	नौचालन एवं चैनल मार्किंग			
12,880,358	के लिए सहायता		15,653,381	
	बार्जिंग			
58,645,166	टर्मिनल सुविधाएं		108,018,802	
37,098,794	जलयान मरम्मत		101,205,706	
30,417,097	प्रशिक्षण संस्थान निनी		27,175,095	
68,080,517	रात्रि नौचालन		76,392,055	
-	लॉक का अनुरक्षण		-	
-	तट रक्षण		117,459,000	
-	नदी प्रशिक्षण कार्य		-	
12,038,833	प्रोटोकॉल		12,524,495	
	अन्य प्रशासनिक			
47,551,849	एवं विविध खर्चे		54,365,485	1,072,915,769
	<u>प्रशासनिक खर्चे</u>			
	वेतन और भत्ते एवं			
158,520,512	अन्य स्टाफ लागतें	V		117,183,737
	सामान्य			
22,182,104	एवं अन्य खर्चे	VI	-	24,792,313
	<u>वित्तीय प्रभार</u>			
			-	-
118,298	बैंक कमीशन / प्रभार		-	70,783
	ब्याज			
2,215,387	आई.टी. खर्चे			977,157
	डूबी रकम बट्टे खाते में डालना			
	विदेशी मुद्रा			
	तकनीकी अध्ययन एवं			
11,908,443	परामर्शी शुल्क		-	8,743,680
-			-	
259,875,183	मूल्य ह्रास		-	288,213,604
-	इमदाद		-	-
363,694	परिसम्पत्तियों की बिक्री पर		-	2,108,001
-	हानि / कीमत / बट्टे खाते में डालना			
28,712,739	अ0 ज0 प0 प्रोन्नयन संबंधी कार्यकलाप		-	19,513,142
1,049,559	पूर्वावधि समायोजन लेखा			29,300,172
1,478,955,858	**योग**			**1,563,818,358**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय

गत वर्ष (रुपए)	आय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
1,137,176,551	सरकार के राजस्व अनुदान			1,181,741,586
26,140,436	ब्याज / आय			33,374,196
-	परामर्शी शुल्क			-
-	स्टोरेज और हैंडलिंग प्रभार			6,500
-	घाट शुल्क			204,176
	डिमरेज			-
362,553	पायलटेज प्रभार			502,032
2,611,242	बर्थिंग प्रभार			2,669,715
24,989,603	अन्य			43,862,706
27,122,619	विविध प्राप्तियाँ			12,777,163
677,671	किराया टर्मिनल			466,680
	उभय प्रविष्टियों के अनुसार पूँजी आरक्षित			619,037
259,875,183	उभय प्रविष्टियों के अनुसार स्थायी परिसम्पत्तियों पर लाभ			287,594,567
-				-
-				
-	पूर्वावधि समायोजन			-
	आय से व्यय की अधिकता को तुलन पत्र में दर्शाया गया			
1,478,955,858	योग		-	1,563,818,358

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अन्य अनुसूचियाँ

एवं

अंकेक्षण रिपोर्ट

अनुसूची–I

चालू दायित्व और प्रावधान यथा दिनांक 31.03.2015

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)	
	(क) चालू दायित्व		
-		-	
594,216	(i) फुटकर लेनदारों के लिए दायित्व	1,485,150	
142,843,488	(ii) खर्चों के लिए दायित्व	223,254,486	
-	(iii) अधिशेष में प्राप्त अनुदान		
170,109,174	(iv) अन्य	170,850,403	395,590,039
	(ख) प्रावधान		
13,789,783	(i) उपदान हेतु प्रावधान	-	
1,216,208	(ii) अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान हेतु प्रावधान (प्रतिनियुक्ति)	1,143,071	
1,029,792	(iii) बोनस के लिए प्रावधान	904,948	
254,219,638	(iv) पेंशन अंशदान के लिए प्रावधान	389,708,507	
10,502,961	(v) अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	-	-
-	(vi) नई पेंशन के लिए प्रावधान	78,565	391,835,091
	(ग) अन्यों के खातों में जमा		
97,864,398	विविध पार्टियाँ	170,626,939	170,626,939
692,169,658	योग		**958,052,069**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(आर. पी. खरे)	(प्रवीर पाण्डेय)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (तकनीकी)	सदस्य (वित्त)	अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची

	विवरण	31.03.2014 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2015 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
नौएडा	सर्वे उपकरण	4,490,899	-	(1,987,733)	2,503,166
	वाहन	2,312,373	-	-	2,312,373
	फर्नीचर एवं उपस्कर	5,135,946	35,034	-	5,170,980
	कार्यालय उपकरण	4,755,666	109,074	-	4,864,740
	बिजली अधिष्ठापन	10,185,045	-		10,185,045
	वातानुकूलन यंत्र	19,057,551	1,481,435		20,538,986
	जलशीतलक एवं प्रशीतलक	182,751	-		182,751
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,183,023	-		1,183,023
	जनरेटर सेट	6,934,618	112,577		7,047,195
	साइकिल	27,711	-		27,711
	अस्थायी संरचना	539,260	-		539,260
	पुस्तकालय पुस्तकें	995,201	125,545		1,120,746
	कम्प्यूटर	15,990,416	454,526	-	16,444,942
	संचार उपकरण	778,471	-		778,471
	भवन	103,744,840	909,663		104,654,503
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,515,011	-		1,515,011
	आवासीय क्वार्टर	30,732,753	-		30,732,753
	कार पार्किंग	23,392,491	-		23,392,491
	यात्री लिफ्ट	4,612,400	-		4,612,400
	योग (क)	**236,566,426**	**3,227,854**	**(1,987,733)**	**237,806,547**
कोलकाता	टर्मिनल	57,818,441	365,938,000	(1,320,000)	422,436,441
	वाहन	1,213,641	1,141,146		2,354,787
	फर्नीचर एवं उपस्कर	1,449,466	-		1,449,466
	कार्यालय उपकरण	543,174	108,393	-	651,567
	बिजली अधिष्ठापन	67,889	-	-	67,889
	सर्वे उपकरण	25,320,365	126,235		25,446,600
	पुस्तकालय पुस्तकें	124,965	2,570		127,535
	गति नौकाएं	2,961,016	-		2,961,016
	जलयान साधारण	206,125,218	865,786		206,991,004
	पंखे एवं वायुशीतलक	76,323	-		76,323
	संचार नेटवर्क	450,413	-		450,413
	बार्ज	120,209,101	457,501		120,666,602
	साइकिल	5,975	-		5,975
	जलयान निकर्षक एकक	492,389,907	-		492,389,907
	कम्प्यूटर	2,571,982	13,500		2,585,482
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,679,784	-		1,679,784
	रात्रि नौचालन उपकरण	39,359,023	4,909,125	(417,405)	43,850,743
	वातानुकूलन यंत्र	658,854	-	-	658,854
	जेनरेटर सेट	1,185,869	-		1,185,869
	डीजीपीएस स्टेशन	14,215,359	-		14,215,359
	योग (ख)	**968,426,765**	**373,562,256**	**(1,737,405)**	**1,340,251,616**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

यथा दिनांक 31.03.2015

अनुसूची–II
(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2015 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2015 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2014 को	वर्ष हेतु		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
3,072,153	118,900	(1,888,346)	1,302,707	1,200,459
1,222,842	182,838		1,405,680	906,693
3,239,960	177,267	941	3,418,168	1,752,812
1,672,001	171,306	241,347	2,084,654	2,780,086
1,239,538	478,788	2,679	1,721,005	8,464,040
2,243,444	975,602		3,219,046	17,319,940
75,076	3,490	41,274	119,840	62,911
831,464	54,775	(1,378)	884,861	298,162
1,000,251	334,742		1,334,993	5,712,202
23,331	1,185	(723)	23,793	3,918
539,260	-	-	539,260	-
995,201	125,545		1,120,746	-
12,122,946	987,269	(961)	13,109,254	3,335,688
385,329	-	354,219	739,548	38,923
7,381,789	1,928,281	17,983,829	27,293,899	77,360,604
1,041,235	138,147		1,179,382	335,629
6,011,328	500,944		6,512,272	24,220,481
1,111,143	1,111,143		2,222,286	21,170,205
219,089	219,089		438,178	4,174,222
44,427,380	**7,509,311**	**16,732,881**	**68,669,572**	**169,136,975**
22,231,764	12,956,946	(376,200)	34,812,510	387,623,931
1,154,735	135,568		1,290,303	1,064,484
598,260	110,640		708,900	740,566
239,756	59,868		299,624	351,943
18,314	6,450	-	24,764	43,125
12,802,653	1,203,443	-	14,006,096	11,440,504
124,965	2,570		127,535	-
2,490,993	96,084		2,587,077	373,939
74,556,465	7,015,316		81,571,781	125,419,223
33,904	6,608		40,512	35,811
281,599	16,950		298,549	151,864
25,156,545	4,090,596	45,841	29,292,982	91,373,620
3,501	297		3,798	2,177
139,014,862	24,213,726		163,228,588	329,161,319
1,996,571	190,152		2,186,723	398,759
1,164,636	182,103		1,346,739	333,045
10,735,962	4,165,825	(168,807)	14,732,980	29,117,763
86,900	41,706	-	128,606	530,248
147,855	75,066	-	222,921	962,948
2,025,690	899,832		2,925,522	11,289,837
294,865,930	**55,469,746**	**(499,166)**	**349,836,510**	**990,415,106**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची

	विवरण	31.03.2014 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2015 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
पटना	भूमि	35,051,542	-		35,051,542
	वाहन	886,075	1,096,542	-	1,982,617
	फर्नीचर एवं उपस्कर	508,394	1,584,114	(31,273)	2,061,235
	कार्यालय उपकरण	411,874	43,000	(273,611)	181,263
	बिजली अधिष्ठापन	37,801	-	(30,916)	6,885
	वातानुकूलन यंत्र	133,348	1,076,677	-	1,210,025
	पंखे एवं वायुशीतलक	32,925		(32,925)	-
	जलशीतलक एवं	-			-
	प्रशीतलक	41,699	-	(10,249)	31,450
	जेनरेटर सेट	61,962		(61,962)	-
	सर्वे उपकरण	23,970,011	107,860	(7,558,706)	16,519,165
	जलयान : निकर्षक एकक	342,348,611	-	-	342,348,611
	जलयान : साधारण	137,428,270	-		137,428,270
	गति नौकाएं	2,745,901	909,076		3,654,977
	बार्ज	84,062,200	-		84,062,200
	अस्थायी संरचना	1,018,158	-		1,018,158
	साइकिल	2,672		(2,672)	-
	कम्प्यूटर	3,675,279	234,400	-	3,909,679
	पुस्तकालय पुस्तकें	75,787	-		75,787
	सर्वे उपकरण (कम्प्यूटर)	5,375,174	-	(537,257)	4,837,917
	सर्वे स्तंभ	649,995		-	649,995
	संचार उपकरण	1,118,858	-	-	1,118,858
		-	-	-	-
	टर्मिनल और भवन	602,909,758	-	-	602,909,758
	रात्रि नौचालन बोया	9,277,200			9,277,200
	डीजीपीएस स्टेशन	32,245,501	-		32,245,501
	बीकन टावर	15,895,321	-		15,895,321
	क्रेन	46,326,824	-		46,326,824
	योग (ग)	**1,346,291,140**	**5,051,669**	**(8,539,571)**	**1,342,803,238**
गुवाहाटी	संचार उपकरण	1,673,126	-		1,673,126
	वाहन	590,523	-		590,523
	फर्नीचर एवं उपस्कर	919,772	-		919,772
	कार्यालय उपकरण	495,972	-	-	495,972
	बिजली अधिष्ठापन	46,979	-		46,979
	पंखे एवं वायुशीतलक	39,580	-		39,580
	सर्वे उपकरण	17,318,718	-	(892,806)	16,425,912
	साइकिल	680	-		680
	पुस्तकालय पुस्तकें	39,870	725		40,595
	जलयान गति नौका	3,155,336	865,787		4,021,123
	जेनरेटर सेट	36,100			36,100
	कम्प्यूटर	4,439,904	11,000	(373,975)	4,076,929
	टर्मिनल–पांडु	541,463,247	528,396,706	(1,896,417)	1,067,963,536
	रात्रि नौचालन उपकरण	12,460,554	-	-	12,460,554
	बार्ज	133,745,241	-		133,745,241
	जलयान – साधारण	184,159,998	-	-	184,159,998
	पांडु टर्मिनल	39,457,809	-		39,457,809
	जलयान निकर्षक यूनिट	952,736,583	-	-	952,736,583
	क्रेन	44,969,796			44,969,796
	वातानुकूलन यंत्र	246,350	-		246,350
	भवन	-			-
	योग (घ)	**1,937,996,138**	**529,274,218**	**(3,163,198)**	**2,464,107,158**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

यथा दिनांक 31.03.2015

अनुसूची–II
(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2015 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2015 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2014 को	वर्ष हेतु		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-			-	35,051,542
841,769	104,171	-	945,940	1,036,677
448,238	103,109	(29,710)	521,637	1,539,598
272,364	8,611	(256,976)	23,999	157,264
31,990	327	(29,371)	2,946	3,939
77,545	55,274	-	132,819	1,077,206
31,279	-	(31,279)	-	-
-			-	-
13,212	1,494	(9,737)	4,969	26,481
60,649	-	(60,649)	-	-
16,079,794	544,075	(6,994,644)	9,629,225	6,889,940
245,207,064	9,179,409	-	254,386,473	87,962,138
41,593,208	4,589,953		46,183,161	91,245,109
2,280,507	175,654		2,456,161	1,198,816
31,871,023	2,723,592		34,594,615	49,467,585
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538		(2,538)	-	-
3,136,577	121,725	-	3,258,302	651,377
75,787	-		75,787	-
4,818,349	63,430	(510,393)	4,371,386	466,531
259,836	21,905		281,741	368,254
947,823	15,852	-	963,675	155,183
-	-	-	-	-
126,939,653	28,638,214	-	155,577,867	447,331,891
2,644,002	440,667		3,084,669	6,192,531
5,939,155	1,531,662	-	7,470,817	24,774,684
3,020,109	755,028		3,775,137	12,120,184
15,337,622	1,547,317		16,884,939	29,441,885
502,948,251	**50,621,469**	**(7,925,297)**	**545,644,423**	**797,158,815**
1,113,687	39,703		1,153,390	519,736
560,997	-		560,997	29,526
531,658	37,613		569,271	350,501
180,301	21,870	-	202,171	293,801
23,864	1,429		25,293	21,686
19,072	1,289		20,361	19,219
8,169,039	744,374	(710,222)	8,203,191	8,222,721
646	-		646	34
39,870	725		40,595	-
2,114,663	268,557		2,383,220	1,637,903
27,440	1,715		29,155	6,945
3,774,817	172,503	(355,276)	3,592,044	484,885
137,351,877	50,728,272	(540,480)	187,539,669	880,423,867
5,081,561	591,876	-	5,673,437	6,787,117
37,821,678	4,467,092		42,288,770	91,456,471
57,875,452	6,150,943	-	64,026,395	120,133,603
-			-	39,457,809
311,490,949	65,907,897		377,398,846	575,337,737
13,517,919	1,501,991		15,019,910	29,949,886
32,627	11,702		44,329	202,021
-	-	-	-	-
579,728,117	**130,649,551**	**(1,605,978)**	**708,771,690**	**1,755,335,468**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची

	विवरण	31.03.2014 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन/ कटौतियाँ	31.03.2015 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
भागलपुर	बोया	54,467			54,467
	वाहन	152,658			152,658
	फर्नीचर एवं उपस्कर	182,158	13,000	-	195,158
	कार्यालय उपकरण	66,090	-		66,090
	बिजली अधिष्ठापन	3,227			3,227
	पंखे एवं वायुशीतलक	15,899	-		15,899
	सर्वे उपकरण	2,531,493	53,930		2,585,423
	बार्ज	561,255			561,255
	साइकिल	701			701
	पुस्तकालय पुस्तकें	25,805	-		25,805
	संचार उपकरण	157,026			157,026
	भूमि	36,734			36,734
	कम्प्यूटर	237,197	-		237,197
	डीजीपीएस स्टेशन	18,320,308	-	-	18,320,308
	टर्मिनल्स–	2,706,463	150,000	-	2,856,463
	वातानुकूलन यंत्र	20,000	-		20,000
	योग (ङ.)	**25,071,481**	**216,930**	**-**	**25,288,411**
कोची	वाहन	383,614	-	(383,614)	-
	फर्नीचर एवं उपस्कर	694,384	252,882		947,266
	कार्यालय उपकरण	311,981	57,800		369,781
	पंखे एवं वायुशीतलक	56,885	-		56,885
	वातानुकूलन यंत्र	67,595	-		67,595
	सर्वे उपकरण	10,133,079	-	(3,210,452)	6,922,627
	संचार उपकरण	734,727	-		734,727
	जेनरेटर	354,969	-		354,969
	कम्प्यूटर	3,716,887	374,000	(161,880)	3,929,007
	सर्वे लांच	4,983,591	480,993	-	5,464,584
	गति नौकाएं	1,120,418	-	-	1,120,418
	भूमि (टर्मिनल)	116,625,222	26,393,854	39,851,841	182,870,917
	भूमि चौड़ा करना	210,147,427	-	(39,851,841)	170,295,586
	पुस्तकालय पुस्तकें	19,847	-		19,847
	भवन	7,868,162	450,000		8,318,162
	टर्मिनल और भवन	326,554,972	12,124,038		338,679,010
	ड्रेजर	182,921,000	900,000	-	183,821,000
	रात्रि नौचालन	33,080,736	4,671,025	(1,126,936)	36,624,825
	थोटापल्ली में पैदल पार उपरी पुल	2,188,615	-		2,188,615
	फोर्क लिफ्ट्स	6,370,925	-		6,370,925
	हाइड्रोलिक क्रेन	68,945,177			68,945,177
	अस्थायी टर्मिनल	1,196,370	-		1,196,370
	योग (च)	**978,476,583**	**45,704,592**	**(4,882,882)**	**1,019,298,293**
इलाहाबाद	कम्प्यूटर	315,812	108,479	-	424,291
	फर्नीचर एवं उपस्कर	154,341		-	154,341
	कार्यालय उपकरण	63,554			63,554
	पंखे एवं वायुशीतलक	12,155			12,155
	पुस्तकालय पुस्तकें	30,850	3,460		34,310
	बिजली अधिष्ठापन	24,950			24,950
	भूमि	2,405,763			2,405,763
	टर्मिनल	5,882,942	-		5,882,942
	सर्वे उपकरण	2,284,447	-	-	2,284,447
	योग (छ)	**11,174,814**	**111,939**	**-**	**11,286,753**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

यथा दिनांक 31.03.2015

अनुसूची–II
(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2015 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2015 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2014 को	वर्ष हेतु		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
146,283	12,353	-	158,636	36,522
45,617	3,139		48,756	17,334
2,198	153		2,351	876
6,374	755		7,129	8,770
1,583,889	122,808		1,706,697	878,726
554,410	-		554,410	6,845
682	-	-	682	19
25,805	-	-	25,805	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
215,412	4,215		219,627	17,570
4,267,596	870,215	-	5,137,811	13,182,497
286,063	135,682	-	421,745	2,434,718
950	950		1,900	18,100
7,496,693	**1,150,270**	**-**	**8,646,963**	**16,641,448**
360,293	-	(360,293)	-	-
500,580	46,154		546,734	400,532
169,632	11,951		181,583	188,198
23,000	1,834		24,834	32,051
44,058	3,211		47,269	20,326
5,146,712	311,379	(2,661,996)	2,796,095	4,126,532
360,691	34,900		395,591	339,136
133,818	16,861		150,679	204,290
3,480,817	195,233	(161,880)	3,514,170	414,837
2,618,227	182,517		2,800,744	2,663,840
712,926	79,214		792,140	328,278
-	-		-	182,870,917
-	-		-	170,295,586
19,847	-		19,847	-
755,247	135,586		890,833	7,427,329
78,929,461	16,087,253	435,210	95,451,924	243,227,086
44,114,424	12,774,124	-	56,888,548	126,932,452
12,031,549	1,739,679	(271,128)	13,500,100	23,124,725
816,548	103,959		920,507	1,268,108
3,152,972	450,424		3,603,396	2,767,529
32,912,681	4,874,424		37,787,105	31,158,072
1,196,370	-		1,196,370	-
187,479,853	**37,048,703**	**(3,020,087)**	**221,508,469**	**797,789,824**
263,690	29,196	-	292,886	131,405
129,020	9,769	-	138,789	15,552
38,853	2,765		41,618	21,936
6,786	578		7,364	4,791
30,850	3,460		34,310	-
15,405	1,185		16,590	8,360
-			-	2,405,763
558,880	279,440		838,320	5,044,622
1,059,120	108,153	-	1,167,273	1,117,174
2,102,604	**434,546**	**-**	**2,537,150**	**8,749,603**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय

स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची

	विवरण	31.03.2014 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2015 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
वाराणसी	फर्नीचर एवं उपस्कर	129,719	-		129,719
	कम्प्यूटर	308,505	-		308,505
	कार्यालय उपकरण	53,297	-		53,297
	पंखे एवं वायुशीतलक	5,875			5,875
	वाहन	243,069			243,069
	संचार उपकरण	-	-	-	-
	पुस्तकालय पुस्तकें	1,225	4,295		5,520
	सर्वे उपकरण	2,460,976	510,873	-	2,971,849
	भूमि	29,662,024	-		29,662,024
	योग (ज)	**32,864,690**	**515,168**	**-**	**33,379,858**
निनी	फर्नीचर एवं उपस्कर	4,982,661	53,000	(4,540)	5,031,121
	जेनरेटर सेट	657,371	-	-	657,371
	कम्प्यूटर	1,477,002	-	-	1,477,002
	कार्यालय उपकरण	1,183,609	68,570	-	1,252,179
	वायुशीतलक	1,237,281	-	-	1,237,281
	भवन / कार्यशाला	91,344,546	7,009,529	-	98,354,075
	छात्रावास एवं रसोई	606,957	-		606,957
	कार्यशाला उपकरण	331,832	70,946		402,778
	फायर मॉक अप उपकरण	5,237,144	-		5,237,144
	ओबीएम के साथ एफआरपी बोट	528,962	-		528,962
	जल शीतलक एवं प्रशीतलक	367,573	-	-	367,573
	अस्थाई संरचना	1,410,262	30,000		1,440,262
	पाठ्य सामग्री एवं उपकरण	444,583	85,416		529,999
	सिमुलेटर	31,731,375	-	-	31,731,375
	पुस्तकालय पुस्तकें	859,985	30,238		890,223
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	3,108,400	-		3,108,400
	विद्युत स्थापन	101,676	393,000		494,676
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,895	88,650		90,545
	सर्वे उपकरण		-	2,953,202	2,953,202
	भूमि	152,450,100	-		152,450,100
	योग (झ)	**298,063,214**	**7,829,349**	**2,948,662**	**308,841,225**
कालादान	फर्नीचर एवं उपस्कर	63,845	-		63,845
	अस्थाई संरचना	15,364	-		15,364
	कम्प्यूटर	243,452	-		243,452
	योग (ञ)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
पीएमयू	फर्नीचर एवं उपस्कर	-	87,440		87,440
	कम्प्यूटर	-	455,200		455,200
	योग (ट)		**542,640**	**-**	**542,640**
चेन्नई	कम्प्यूटर	-	82,415		82,415
	वायुशीतलक	-	26,000		26,000
	योग (ठ)	**-**	**108,415**	**-**	**108,415**
	कुल योग (क+ख+ग+घ+ड.+च+छ +ज+झ+ञ+ट+ठ)	**5,835,253,912**	**966,145,030**	**(17,362,127)**	**6,784,036,815**
	गत वर्ष	**5,498,255,974**	**342,693,600**	**(5,695,662)**	**5,835,253,912**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

जलमार्ग प्राधिकरण

यथा दिनांक 31.03.2015

अनुसूची–II
(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2015 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2015 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2014 को	वर्ष हेतु		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
89,430	8,211	-	97,641	32,078
214,708	29,311	-	244,019	64,486
28,608	2,532		31,140	22,157
3,069	279		3,348	2,527
230,919	-		230,919	12,150
-	-	-	-	-
1,225	4,295		5,520	-
864,255	141,163	-	1,005,418	1,966,431
			-	29,662,024
1,432,214	**185,791**	**-**	**1,618,005**	**31,761,853**
2,461,093	318,470	-	2,779,563	2,251,558
312,250	31,225	-	343,475	313,896
988,116	129,809	-	1,117,925	359,077
409,076	59,478	-	468,554	783,625
391,654	58,774	-	450,428	786,853
9,696,206	1,603,171	-	11,299,377	87,054,698
118,039	28,831		146,870	460,087
78,812	19,133		97,945	304,833
780,163	248,763		1,028,926	4,208,218
74,796	37,398		112,194	416,768
164,571	17,461	-	182,032	185,541
1,410,262	30,000		1,440,262	-
444,583	85,416		529,999	-
6,108,582	1,776,958	-	7,885,540	23,845,835
859,985	30,238		890,223	-
1,497,789	503,872		2,001,661	1,106,739
14,490	23,498		37,988	456,688
270	4,301		4,571	85,974
		2,805,539	2,805,539	147,663
			-	152,450,100
25,810,737	**5,006,796**	**2,805,539**	**33,623,072**	**275,218,153**
20,205	4,041		24,246	39,599
15,364	-		15,364	-
190,333	39,463		229,796	13,656
225,902	**43,504**	**-**	**269,406**	**53,255**
-	5,535		5,535	81,905
-	73,788		73,788	381,412
-	**79,323**	**-**	**79,323**	**463,317**
-	13,359		13,359	69,056
-	1,235		1,235	24,765
-	**14,594**	**-**	**14,594**	**93,821**
1,646,517,681	**288,213,604**	**6,487,892**	**1,941,219,177**	**4,842,817,638**
1,388,744,835	**259,875,183**	**(2,102,337)**	**1,646,517,681**	**4,188,736,231**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–III

चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम यथा दिनांक 31.03.2015

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	क) भंडार, कलपुर्जे एवं यांत्रिक उपकरण		
28,242,240	1) समुद्री कलपूर्जे	33,143,245	
697,645	2) स्थायी भंडार	471,854	
	3) उपभोज्य एवं अंकण सामग्री	22,070	
239,987	4) लेखन सामग्री	209,449	
9,649,279	5) पो0 ओ0 एल0 स्टॉक	13,441,507	
45,009	6) अन्य	244,726	47,532,851
	ख) विविध देनदार		
	1) प्रतिभूति		
	2) अप्रतिभूति		
	–सुविचारित		
	1) 6 माह से अधिक		
	2) 6 माह से कम		
	–संदेहयुक्त		
	ग) जमा, ऋण एवं अग्रिम		
5,475,335	1) स्टाफ को अग्रिम	5,421,769	
83,720	2) विभागीय अग्रिम	20,830	
1,114,126,420	3) संविदाकारों एवं प्रदायकों को अग्रिम	759,818,267	
41,336,075	4) जमा	45,439,340	
70,013,676	5) क्षतिपूर्य दावे	88,139,275	
22,238,756	6) पूर्व प्रदत्त खर्चे	21,680,210	
1,740,217	7) अन्य	386,927	920,906,618
	घ) नकद एवं बैंक शेष		
58,290	1) उपलब्ध नकद/स्टैम्प	55,140	-
(58,134,281)	2) अनुसूचित बैंकों में नकद	(7,886,287)	-
	3) पारगमन में प्रेषण	3,803,000	
398,509,072	4) अल्पावधि जमा	378,665,713	374,637,566
1,634,321,440	योग		1,343,077,035

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(आर. पी. खरे)	(प्रवीर पाण्डेय)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (तकनीकी)	सदस्य (वित्त)	अध्यक्ष

अनुसूची–IV

31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 1		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
215,629,787	स्टाफ लागतें	154,826,192	
	2. कार्य खर्चे		
48,793,910	(i) सर्वेक्षण	41,044,432	
168,834,588	(ii) निकर्षण	97,193,793	
22,714,606	(iii) बंडालिंग	34,591,040	
6,671,746	(iv) नौचालन एवं चैनल मार्किंग के लिए सहायता	7,822,782	
48,123,358	(v) टर्मिनल सुविधाएं	82,855,954	
21,910,318	(vi) जलयानों की मरम्मत	82,127,688	
35,609,156	(vii) रात्रि नौचालन	40,099,496	
30,417,097	(viii)प्रशिक्षण खर्चे (निनी)	27,175,095	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
7,573,917	खर्चे	5,112,723	**572,849,195**
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 2		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
46,747,612	स्टाफ लागतें	29,716,020	
	2. कार्य खर्चे		
7,228,620	(i) सर्वेक्षण	28,203,039	
21,910,013	(ii) बंडालिंग	30,379,426	
6,208,612	(iii) नौचालन एवं चैनल मार्किंग के लिए सहायता	7,830,599	
6,104,708	(iv) टर्मिनल	16,481,845	
49,595,213	(v) ड्रेजिंग	16,167,830	
13,657,529	(vi) जलयानों की मरम्मत	17,864,338	
26,260,589	(vii) रात्रि नौचालन	30,059,627	
12,038,833	(viii) प्रोटोकॉल	12,524,495	
-	(ix) नदी प्रशिक्षण कार्य	-	
-	(x) तट रक्षण	117,459,000	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
1,047,485	खर्चे	774,569	**307,460,788**

जारी है.....

अनुसूची–IV

31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 3		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
30,145,093	स्टाफ लागतें	19,729,184	
	2. कार्य खर्चे		
1,638,364	(i) सर्वेक्षण	2,128,366	
97,821,649	(ii) ड्रेजिंग	81,935,276	
	(iii) चैनल मार्किंग		
6,210,772	(iv) रात्रि नौचालन	6,232,932	
4,417,100	(v) टर्मिनल सुविधाएं	8,681,003	
1,530,947	(vi) जलयानों की मरम्मत	1,213,680	-
	(vii) लॉक गेट का अनुरक्षण		
	(viii) तट रक्षण		-
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
887,478	खर्चे	738,056	**120,658,497**
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 4		
	1. कार्य खर्चे		
16,129,935	(i) सर्वेक्षण	8,577,623	
	(ii) परामर्शदात्री	8,116,942	
	2. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
	खर्चे	1,103,031	**17,797,596**
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 5		
	1. कार्य खर्चे		
-	(i) सर्वेक्षण	2,187,218	
	(ii) परामर्शदात्री	3,934,888	
	2. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
	खर्चे	63,529	**6,185,635**
	कालादान परियोजना		
-	**1. वेतन और भत्ते एवं अन्य**	-	
107,935	स्टाफ लागतें	223,921	
	2. कार्य खर्चे		
-	(i) सर्वेक्षण	-	
	(ii) ड्रेजिंग		
	(iii) टर्मिनल सुविधाएं		
35,958,158	(iv) अन्य परामर्शदात्री	30,381,243	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
2,104,811	खर्चे	10,061,496	**40,666,660**
	जलमार्ग विकास परियोजना (रा.ज.–1)		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य	-	
-	स्टाफ लागतें	-	
	2. कार्य खर्चे		
-	(i) सर्वेक्षण	-	
-	(ii) परामर्श शुल्क	3,163,586	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
-	खर्चे	4,133,812	7,297,398
994,009,939	**योग**		**1,072,915,769**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(आर. पी. खरे)	(प्रवीर पाण्डेय)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (तकनीकी)	सदस्य (वित्त)	अध्यक्ष

अनुसूची–V

31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें	
60,497,515	i) वेतन और भत्ते	63,802,598
42,500	ii) मानदेय	31,000
3,959,072	iii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति*	3,390,344
167,675	iv) दैनिक मजदूरी	202,933
88,252	v) अतिरिक्त समय भत्ता	105,100
251,278	vi) बोनस	245,234
-	vii) अवकाश वेतन एवं	-
1,084,271	पेंशन अंशदान (विभा.)	1,011,134
588,266	viii) आवास किराया	1,432,773
80,059	ix) वर्दी	102,920
843,349	x) स्टाफ कल्याण खर्चे	878,734
1,009,263	xi) शिक्षा शुल्क	381,388
84,407,962	xii) पेंशन एवं उपादान अंशदान	42,605,975
3,661,862	xiii) छुट्टी नकदीकरण	1,068,227
176,845	xiv) नये कर्मियों के लिए एनपीएस अंशदान	274,784
1,662,343	xv) एल.टी.सी. व्यय	1,650,593
158,520,512	योग	**117,183,737**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–VI

31.03.2015 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य एवं अन्य खर्चे

गत वर्ष (अंक रुपए में)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
3,617,852	i) मरम्मत और अनुरक्षण	4,597,989
963,591	ii) स्टाफ भर्त्ती पर खर्चे	330,848
1,328,325	iii) डाक टिकटें, दूरभाष एवं तार	1,280,377
1,660,519	iv) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	2,445,443
2,321,973	v) वाहन चालन एवं अनुरक्षण	2,093,075
109,389	vi) विज्ञापन एवं प्रचार	147,003
246,173	vii) वाहन प्रतिपूर्त्ति	294,728
	viii) यात्रा खर्चे	
5,061,553	–अन्तर्देशीय	4,375,418
2,172,063	–विदेशी	2,281,885
126,460	ix) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	95,280
61,485	x) विविध खर्चे	46,287
155,214	xi) उपभोज्य	145,287
2,354,160	xii) बिजली एवं जल प्रभार	2,875,567
1,036,289	xiii) अंकेक्षण शुल्क एवं खर्चे	2,031,419
180,705	xiv) विधायी प्रभार	1,183,039
226,023	xv) संगोष्ठी एवं कार्यशाला / सम्मेलन	202,031
419,917	xvi) हिन्दी प्रोन्नयन	241,748
140,413	xvii) प्राधिकरण की बैठक पर व्यय	124,889
22,182,104	**योग**	**24,792,313**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(आर. पी. खरे)
सदस्य (तकनीकी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–VII

लेखाओं से संबंधित टिप्पणियाँ, यथा दिनांक 31.03.2015

1. 10225.73 लाख रु. (गत वर्ष 12900.84 लाख रु.) के प्रगतिपरक पूँजीगत कार्य में निम्नलिखित कार्य हैं :–

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	पार्टी का नाम	उद्देश्य	राशि
1.	मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो	धुब्री में टर्मिनल निर्माण हेतु परामर्शी प्रभार	8.31
2.	मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो	हथसिंगमारी में टर्मिनल निर्माण हेतु परामर्शी प्रभार	7.06
3.	के.लो.नि.वि. –केरल	टर्मिनल और संपर्क सड़कों का निर्माण	1006.55
4.	के.लो.नि.वि.–पटना	कार्यालय भवन का निर्माण	554.85
5.	एचडीपीई–गुवाहाटी	कार्य नौका निर्माण	1301.00
6.	एचडीपीई–कोलकाता	कार्य नौका निर्माण	849.08
7.	एनएफ रेलवे	पांडु में बीजी साइडिंग का निर्माण	1286.87
8.	मैसर्स ए.सी.राय एंड कं. कोलकाता	4 कार्य नौकाओं का निर्माण	1339.01
9.	मैसर्स ए.सी.राय एंड कं. कोलकाता	4 कार्य नौकाओं का निर्माण	663.96
10.	मैसर्स पोत परिवहन पंजीयक	4 कार्य नौकाओं हेतु निरीक्षण शुल्क	5.55
11.	मैसर्स गुप्ता निर्माण, वाराणसी	वाराणसी में डीजीपीसी का निर्माण	33.54
12.	मैसर्स अप्लाईड रिसर्च इंटरनेशनल	जीएमडीएसएस सिमुलेटर की आपूर्ति	19.63
13.	एनएफ रेलवे गुवाहाटी	पांडु में मकान नष्ट करने हेतु	224.00
14.	मैसर्स आर. के. इंजीनियरिंग वर्क्स	बीआईएसएन, हल्दिया, बलिया एंव कुमारपुर में आरआईएस स्टेशन का निर्माण	120.26
15.	मैसर्स पार्वती कंस्ट्रक्शन	आरआईएस स्टेशन फरक्का का निर्माण	18.60
16.	के.लो.नि.वि. –पटना	निनी में तरणताल का निर्माण	92.46
17.	मैसर्स एल्कोन इंटीग्रेटेड सिस्टम प्रा. लि.	आरआईएस स्टेशन की आपूर्ति और स्थापना	900.11
18.	मैसर्स मिलान मेरिन सर्विस	आरआईएस–स्वरूपगंज का निर्माण	23.88
19.	मैसर्स हरेराम शर्मा	आरआईएस–त्रिवेणी का निर्माण	21.02
20.	मैसर्स एम्टेक सर्विसेज	आरआईएस फरक्का में विद्युत कार्य	1.24
21.	के.लो.नि.वि. गुवाहाटी	धुब्री में रो–रो टर्मिनल का निर्माण	1748.75
		कुल योग	**10225.73**

2. वर्ष 2014–2015 के दौरान प्राधिकरण ने अध्यक्ष और बोर्ड के पूर्णकालिक सदस्यों पर निम्नलिखित राशि व्यय की :–

(रूपए में)

वेतन	मकान किराया	अवकाश वेतन / पेंशन अंशदान	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	यात्रा खर्चे		योग
				विदेश	देश	
6743739	584320	644982	70752	680383	918340	**9642516**
गत वर्ष (2013–14)						
5390720	441516	721159	82675	568745	745740	**7950555**

वर्ष के दौरान उपाध्यक्ष ने 5–10 अक्टूबर, 2014 को लीडरशिप और स्ट्रेटजिक थिंकिंग संबंधी विशिष्ट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू.के. का दौरा किया। सदस्य (वित्त) पीआईएएनसी कांग्रेस की वार्षिक आम सभा में भाग लेने के लिए 3–5 जून, 2014 तक सनफ्रांसिस्को, अमेरिका गए। सदस्य (तकनीकी) ने 28 अप्रैल से 1 मई, 2014 तक आईडब्लूटी और पत्तन क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न व्यापार अंशधारकों और सरकारी एजेन्सियों के साथ बातचीत के लिए जर्मनी और नीदरलैंड का दौरा किया।

3. नौएडा में 90 वर्षों के लिए पट्टे के आधार पर अनुसंधान एवं विकास सह कार्यालय परिसर के निर्माण के लिए 244.49 लाख रु0 (गत वर्ष 244.49 लाख रु0) लागत की भूमि मार्च, 1994 में अधिग्रहित की गई। प्रतिवर्ष 2.72 लाख रु. बट्टे खाते में डाले जा रहे हैं।

4. (I) आयकर अपील अधिकरण (आईटीएटी), नई दिल्ली ने निर्धारण वर्ष 1988–89 से 1997–98 (निर्धारण वर्ष 1990–91 को छोड़कर) के बारे में अपना निर्णय जुलाई, 2006 में दे दिया है जिसमें कहा गया है कि प्राधिकरण को दिया गया अनुदान राजस्व की प्रकृति का नहीं है, इसलिए आयकर नहीं लगेगा। आईटीएटी आदेश को प्रभावी बनाते समय एसीआईटी, नौएडा ने नवंबर, 2010 में नया निर्धारण आदेश जारी कर दिया, जिसमें प्राधिकरण की विविध प्राप्ति को आय के रूप में माना गया है। तदुपरांत प्राधिकरण ने लगातार इस मामले में आईटीएटी, नई दिल्ली, सीआईटी (अपील), गाजियाबाद और एसीआईटी, नौएडा में अपील दायर की ताकि एसीआईटी, नौएडा के विविध स्रोतों की प्राप्ति को आय के रूप में मानने के आदेश को खारिज किया जा सके। प्राधिकरण ने सीआईटी (अपील) के आदेश के विरूद्ध आईटीएटी, नई दिल्ली में अपील फाइल की है। वित्त वर्ष 2014–15 में आईटीएटी, नई दिल्ली ने आदेश पारित किया कि अगले वित्तीय वर्श में अनुदान जारी करते समय विविध प्राप्तियों को समायोजित / सरकार को वापस किया जाए। इसलिए इसे प्राधिकरण की आय नहीं माना जा सकता। यह मामला एसीआईटी (छूट), गाजियाबाद के पास आईटीएटी, नई दिल्ली के आदेश निष्पादन हेतु लंबित है।

(ii) सहायक आयकर आयुक्त (एसीआईटी), नौएडा ने नवंबर, 2010 के नए निर्धारण आदेश पर भी अर्थदण्ड लगाकर 11.80 करोड़ रु. की मांग की है। इसके बाद, प्राधिकरण ने लगातार इस मामले को आईटीएटी, नई दिल्ली, सीआईटी (अपील), गाजियाबाद और एसीआईटी, नौएडा में अपील और काउंटर अपील दायर की ताकि एसीआईटी, नौएडा के आदेश को खारिज किया जा सके।

तदुपरांत एसीआईटी, नौएडा ने एक आदेश जारी किया कि आईटीएटी के निदेश को ध्यान में रखते हुए धारा 271 (1) (ग) के तहत नये सिरे से मूल्यांकन करने की आवश्यकता नहीं है। सहायक आयकर आयुक्त के उक्त आदेश के विरूद्ध प्राधिकरण ने धारा 154 के तहत आईटीएटी, नई दिल्ली के दिशानिर्देश के अनुसार मामले की समीक्षा करने के लिए एसीआईटी, नौएडा के पास एक आवेदन दिया है। यह मामला वर्तमान में सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा के पास लंबित है।

(iii) वर्ष 1988–89 से निर्धारण वर्ष 1997–98 तक के लिए आईटीएटी, नई दिल्ली के आदेश के विरुद्ध आयकर विभाग ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील भी दायर की है।

5. पोत परिवहन मंत्रालय ने दिनांक 15.10.2014 को गजट अधिसूचना द्वारा प्राधिकरण को 'जलमार्ग विकास' हेतु परियोजना कार्यान्वयन एजेन्सी के रूप में निर्दिष्ट किया है। जलमार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत इलाहाबाद से हल्दिया के 1620 किमी. खण्ड को 4200 करोड़ रूपए की लागत से विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता के अंतर्गत विकसित किया जाएगा। परियोजना लागत को भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 50:50 के अनुपात में शेयर किया जाएगा।

परिणामी आवश्यक कार्यवाही हेतु आगे कार्य करने के लिए जुलाई, 2014 में एक परियोजना निदेशक के साथ परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) प्रारंभ की गई। अभियांत्रिकी, अधिप्राप्ति, संचार और व्यापार विकास के लिए भी विशेषज्ञ नियुक्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल की अंशधारक राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों से एक परियोजना निगरानी समिति (पीओसी) गठित की गई है। वर्ष के दौरान सरकार से प्राप्त अनुदान में से परियोजना हेतु 78.40 लाख रुपए की राशि व्यय की गई।

6. संकरे कैनाल को चौड़ा करने और 11 टर्मिनलों के लिए लागत के रूप में 5137.31 लाख रूपए (पिछले वर्ष 5137.31 लाख रूपए) की रकम का अग्रिम भुगतान केरल सरकार को किया गया था। उपर्युक्त में से 31 मार्च, 2015 तक 1828.71 लाख रु. से 12.3809 हेक्टेयर भूमि में टर्मिनल के निर्माण और 1702.96 लाख रु. से 21.26 हेक्टेयर भूमि में कैनाल को चौड़ा करके पूंजीकृत किया गया। कैनाल को चौड़ा करने का कार्य प्रगति पर है। कैनाल चौड़ा करने पर हुआ व्यय राजस्व व्यय पर प्रभारित होगा। प्राधिकरण, न्यायालय आदेश के अनुपालन में अधिग्रहीत भूमि की लागत संवर्धन और ब्याज भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है। विभिन्न जिला कलेक्टरों के पास उपलब्ध बकाया 1605.43 लाख रूपए हैं। वर्तमान में, केरल के विभिन्न न्यायालयों में 36 मामले लंबित हैं और याचिकाकर्ताओं की दावा राशि 367.82 लाख रूपए है।

7. के.लो.नि.वि. को टर्मिनलों के निर्माण हेतु अग्रिम के रूप में 3270.17 लाख रूपए (पिछले वर्ष 3428.24 लाख रूपए) की राशि दी गई है। उपरोक्त में से अब तक 1665.94 लाख रूपए की राशि पूंजीकृत (टर्मिनल और इमारतें) की गई है। अब तक अलपुझा टर्मिनल के निर्माण पर 1006.55 लाख रु. (770.65 लाख रूपए) काकानाडु टर्मिनल (49.88 लाख रूपए), कोटापुरम संपर्क सड़क (0.32 लाख रूपए), कायमकुलम टर्मिनल (26.67 लाख रूपए), चावड़ा संपर्क सड़क और चार दीवारी (159.03 लाख रूपए) को पूंजी कार्य प्रगति के रूप में व्यय के तहत रखा गया। इसके अतिरिक्त, माराडु कार्यालय परिसर विस्तार के निर्माण हेतु 43 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई, 43.50 लाख रूपए को पूंजीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, कोविलथोटम पुल के निर्माण हेतु 36.54 लाख रूपए की अतिरिक्त राशि जारी की गई है।

8. विलिंगडन द्वीप और बोलघट्टी में जेट्टी के निर्माण के लिए कोचीन पत्तन न्यास को जमा रूप में 1660.00 लाख रु. (गत वर्ष 1660.00 लाख रु.) की रकम का भुगतान जमा रूप में किया गया। इसमें से अब तक रु.1562.20 लाख रु. की रकम पूंजीकृत की गई है और शेष 97.80 लाख रू. सीपीटी के पास उपलब्ध है।

9. पांडु, गुवाहाटी में उच्चतल जनरल कार्गो बर्थ के निर्माण के संबंध में 4385 लाख रु. (गत वर्ष 4385 लाख रु.) की रकम सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, गुवाहाटी को जमा रूप में निर्गत किया गया है। इसमें से 4384.41 लाख रु. (गत वर्ष 4154.65 लाख रु.) को प्रगति परक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

10. गुवाहाटी में पांडु टर्मिनल पर ब्रॉड गेज साइडिंग (1030 लाख रु.) और 28 टाईप–।। क्वाटर्स को बदलने (224 लाख रु.) के निर्माण के सम्बंध में एन0 एफ0 रेलवे, गुवाहाटी को 1254 लाख रु. (गत वर्ष 1254 लाख रु.) की रकम जमा रूप में निर्गत की गई है इसमें से 1510.87 लाख रु. (गत वर्श 1379 लाख रुपए) को प्रगतिपरक पूँजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है, जिसमें पांडु स्थित ब्रॉड गेज साइडिंग के निर्माण पर 1286.67 लाख रु. और 28 क्वार्टर को बदलने पर 224 लाख रु. की रकम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एन0 एफ0 रेलवे ने 256.86 लाख रु. की अतिरिक्त लागत का दावा किया था जिसका प्रावधान वित्तीय वर्ष 2012–13 और 2014–15 में किया गया था। यह रकम निर्गत होनी है।

11. गायघाट, पटना में कार्यालय भवन और चाहरदीवारी के निर्माण के लिए सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, पटना के पास 706.22 लाख रु. (पिछले वर्श 577.64 लाख रूपए) की रकम जमा की गई है। इसमें से, कार्य की वित्तीय प्रगति के अनुसार 554.85 लाख रूपए (पिछले वर्श 478.63 लाख रूपए) की रकम को क्रमशः प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य और भवन और चाहरदीवारी के निर्माण पर हुए व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रशासनिक ब्लॉक, सड़क, बिजली, इत्यादि सहित रो–रो जेट्टी का निर्माण धुब्री में करने के लिए 2226 लाख रु. (गत वर्ष 2226 लाख रु.) की रकम सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, गुवाहाटी के पास जमा की गई है। इसमें से 1748.75 लाख रूपए (पिछले वर्ष शून्य) को पूंजी कार्य प्रगति हेतु प्रभारित किया गया है।

13. भा0 अ0 ज0 प्रा0 के स्टाफ हेतु दीपपोत और दीपस्तंभ महानिदेशालय (डीजीएलएल), पोत परिवहन मंत्रालय से दिसंबर, 2002 में सैक्टर–34, नौएडा में 53 फ्लैट, 225.28 लाख रु. की कुल अन्तरण कीमत पर लिये गये हैं। अन्तरण शुल्क, स्टाम्प शुल्क इत्यादि का भुगतान अलग से किया गया।

307.33 लाख रु. (गत वर्ष 307.33 लाख रु.) की रकम पूंजीकृत की गई है। हालांकि, इन फ्लैटों का पंजीकरण भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नाम पर नहीं किया जा सका है, क्योंकि इन फ्लैटों के प्रथम स्वामी के नाम पर अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है। नौएडा को भूमि किराया, इत्यादि का भुगतान करने के लिए डी0 जी0 एल0 एल0 को मनाने के बाद नौएडा के साथ पंजीकरण हेतु पहल की जाएगी। फ्लेटों के पंजीकरण हेतु वास्तविक देयता पंजीकरण के समय निर्धारित की जाएगी।

14. अक्तूबर, 2006 में बोयाओं और लाइटों की चोरी के कारण हुई हानि के लिए मैसर्स ओरियंटल इंश्योरेंस कम्पनी के पास से 34.47 लाख रु. का दावा किया गया था। बीमा कम्पनी कुछ औपचारिकताओं और कागजी कार्रवाई को पूरा करने के उपरांत केवल 23.93 लाख रु. का भुगतान करने पर सहमत हुई है। शेष रकम 10.54 लाख रूपए को राजस्व व्यय के रूप में प्रभारित किया गया।

15. वर्ष 2002–2003 के दौरान कोलकाता क्षेत्र में चेन, एंकर और अनुशंगी सामानों सहित 47 बोया और 7 दिवस चिन्ह खो गए। प्राधिकरण ने 28.91 लाख रुपए का बीमा दावा किया था। 5.92 लाख की रकम बीमा कंपनी से प्राप्त हो गई है। प्राधिकरण ने जून, 2013 में ठेकेदार से 11.05 लाख रु. की रकम की वसूली कर ली थी। शेष 11.94 लाख रु. को वसूली योग्य दावे के रूप में दर्शाया गया है।

16. मार्च, 2005 में कर और स्पेयर पार्टस की लागत को छोड़कर 873 लाख रु.की लागत पर फ्लोटिंग ड्राई डॉक के निर्माण और सुपुर्दगी हेतु प्राधिकरण ने मैसर्स एचडीपीईएल कोलकाता के साथ एक उपबंध पर हस्ताक्षर किया था। मैसर्स एचडीपीईएल कोलकाता के फ्लोटिंग ड्राई डॉक को डिलिवर करने में असमर्थ होने के कारण प्राधिकरण ने संविदा को रद्द कर दिया और 190.42 लाख रु. की रकम निर्धारित नुकसान (एलडी) और ऑयल टैंकर के लिए जलयानों की मरम्मत सहित कंटेनर जलयानों के कारण हुए 71.48 लाख रु. की देय रकम के समायोजन के बाद 190.42 लाख रु. की रकम एचडीपीईएल कोलकाता को निर्गत की गई। इसी बीच प्राधिकरण ने एचडीपीईएल को

पत्र सं0–भा.अ.ज.प्रा./एमडी/2170/2001/खण्ड–।।।, दिनांक 01.01.2014 द्वारा रकम वापस करने के लिए कहा है।

17. 359.85 लाख रु. की लागत पर 3 कार्य नौकाओं के निर्माण के लिए वर्ष 2003 में मैसर्स नेप्चून मेरीन प्राइवेट लिमिटेड को एक कार्य सौंपा गया था। संविदा के अनुसार 53.98 लाख रु. की बैंक गारंटी सहित 161.93 लाख रु. निर्गत की है। वित्तीय वर्ष 2008–09 में 53.98 लाख रु. की बैंक गारंटी लगाकर निधि प्राप्त कर ली गई है। संविदा के अनुपालन नहीं होने के कारण संविदा को दिनांक 29.07.2009 को समाप्त करके माध्यस्थम नियुक्त किया गया था। दिनांक 11.12.2008 से एक कार्य नौका प्राधिकरण के कब्जे में है। कार्य नौका को आईआरएस और अ0 ज0 प0 निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार की आवश्यकता के अनुसार प्रचालन हेतु उपयुक्त नहीं पाया गया है। आवश्यक मरम्मत/रूपांतरण संबंधी कार्य प्राधिकरण ने करवाकर वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान रु. 122.90 लाख की राशि पूंजीकृत की है। शेष रु. 71.97 लाख राशि को राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

18. प्राधिकरण ने पीपीपी रीति के आधार पर अ0 ज0 प0 परियोजनाओं को अभिज्ञात और विकास करने के लिए परियोजना विकास संगठन के रूप में मैसर्स आईएल एंड एफएस अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को नियुक्त किया था। प्राधिकरण ने परियोजनाओं के विकास करवाने हेतु परियोजना विकास निधि की प्रारंभिक निधि में 50 प्रतिशत शेयर के रूप में 50 लाख रु0 का योगदान दिया था। योगदान में दी गई रकम रूपए 49.97 लाख को वित्त वर्श 2014–15 में राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

19. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने मार्च, 2009 में म्यांमार में सिटेव पत्तन को भारत के मिजोरम से जोड़ने वाली कालादान नदी पर मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन सुविधा के कार्यान्वयन हेतु एक उपबंध के माध्यम से समझौता कर प्राधिकरण को परियोजना विकास परामर्शदाता नियुक्त किया। इसे कालादान परियोजना का नाम दिया गया है। प्राधिकरण को अब तक परियोजना हेतु 1950.81 लाख रूपए का पीडीसी शुल्क प्राप्त हुआ है। उपरोक्त में से 1707.65 लाख रूपए का व्यय हुआ और परियोजना को बैंक ब्याज सहित 184.38 लाख रूपए की आंतरिक प्राप्तियां प्राप्त हुईं। वर्श के दौरान 406.68 लाख रूपए (पिछले वर्ष 381.74 लाख रूपए) का व्यय किया गया और परियोजना निधि पर बैंक से 24.76 लाख रूपए (पिछले वर्ष 17.18 लाख रूपए) की राशि ब्याज रूप में प्राप्त हुई।

20. प्राधिकरण ने भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्मिकों के लिए पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम से तीन पॉलिसी ली हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम ने तीनों पॉलिसी के लिए बीमांकीय मूल्यांकन मुहैया किया है। यथा दिनांक 31.03.2015 के बीमांकीय मूल्यांकन के अनुसार पेंशन के लिए 7754 लाख रु. (गत वर्ष रु. 6640 लाख रु.),उपदान के लिए 897.90 लाख रु. (गत वर्ष 882.13 लाख रु0) और छुट्टी नकदीकरण के लिए 690.74 लाख रु. (गत वर्ष 648.78 लाख रु.) की आवश्यकता है।

प्राधिकरण ने प्राधिकरण के कार्मिकों के लिए पेंशन/उपदान निधि के प्रबंधन के लिए दिनांक 25.03.2003 से "भा0 अ0 ज0 प्रा0–सामान्य कर्मचारी पेंशन निधि" नाम से एक न्यास बनाया है। भा0 अ0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि और छुट्टी नकदीकरण का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है। भा0 अ0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि लेखा के अनुसार न्यास में पेंशन और उपदान के लिए 4732.74 लाख रु. की रकम और छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के पास 712.61 लाख रु. उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान बीमांकीय मूल्यांकन और निधि की उपलब्धता पर विचार करने के उपरांत पेंशन और उपदान के लिए 1354.89 लाख रु. का प्रावधान किया गया है।

बीमांकीय मूल्यांकन के लिए परिकल्पना निम्न हैं :

मृत्यु दर	:	एलआईसी (1994–96) अल्टीमेट
निकासी दर	:	1% से 3% आयु के अनुसार
बट्टा दर	:	8% प्रति वर्ष
वेतन वृद्धि	:	6% प्रति वर्ष

21. प्राधिकरण ने तीन कंपनियों यथा i) मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता ii) मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता और iii) मैसर्स विवदा लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के साथ तीन संयुक्त उद्यम परियोजनाओं के शेयरधारक उपबंध में प्रवेश किया था। मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता और मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता के साथ शेयरधारक उपबंध के अनुसार प्रत्येक कंपनी की प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी 5.00 लाख रुपए है और इतना ही संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा 70 प्रतिशत के अनुपात में और भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा 30 प्रतिशत के अनुपात में योगदान दिया जाना है। तदनुसार, वर्ष के दौरान प्राधिकरण ने प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी के रूप में प्रत्येक कंपनी में 1.50 लाख रु. के अपने शेयर का योगदान किया है।

22. माध्यस्थों के समक्ष 3 माध्यस्थम संबंधी मामले लंबित हैं जिनमें से दो मामले रा. ज.–3 में 2047 लाख रुपए के आकस्मिक दायित्व वाले भारी निकर्षण संबंधी कार्यों से संबंधित हैं और एक मामला जलयानों के निर्माण पर हुए लगभग 1600 लाख रु. की हानि से संबंधित है।

23. लंबित न्यायालय मामलों की सूची–

न्यायालय	मामलों की संख्या
माननीय उच्चतम न्यायालय	03
एनजीटी	01
माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली	03
माननीय उच्च न्यायालय, केरल	15
माननीय उच्च न्यायालय, पटना	06
माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद	07
माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता	05
माननीय उच्च न्यायालय, गुवाहाटी	06
माननीय उच्च न्यायालय, हैदराबाद	01
जिला न्यायालय, वाराणसी	01
निचली अदालत, बालासोर	01
उप न्यायालय, पटना	01

शहरी न्यायालय, कोलकाता	01
उप न्यायालय, विशाखापट्टनम	01
उप न्यायालय, केरल	01
मानवाधिकार आयोग, केरल	01
उप न्यायालय, केरल (एलएआर/एलएए मामले)	36

24. पटना में निनी में मेरिनटाइम सिमुलेटर सेंटर की स्थापना के लिए मेसर्स एआरआई, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हुआ था। समझौता ज्ञापन के अनुसार सिमुलेटर पर आने वाली पूंजीगत लागत को भा0 अ0 ज0 प्रा0 और एआरआई 50:50 के अनुपात में शेयर करेगा तथा इसके प्रचालन पर आने वाले व्यय के बाद अर्जित शुद्ध राजस्व को भी समान रूप से शेयर किया जाएगा। सिमुलेटर युनिट की कीमत को पूंजीकृत कर दिया गया है और मेसर्स एआरआई द्वारा व्यय किये गये 115.47 लाख रु. (गत वर्ष 115.32 लाख रु.) को पूंजी आरक्षित के रूप में दर्शाकर मूल्य ह्रास माना है।

25. प्राधिकरण ने भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नौएडा स्थित भवन के तीसरे तल को पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई, चौथे तल को एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज लि0 (ईईएसएल) और छठे तल को कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि0 (कॉनकॉर) को 78 रु. प्रति वर्ग फीट कवर क्षेत्र की दर से किराए पर देने पर सहमति जताई है। हरेक तल का कवर क्षेत्र 8378.60 वर्ग फीट है। अग्रिम किराये के रूप में डीजी शिपिंग, ईईएसएल और कॉनकॉर से क्रमशः 240 लाख, 58.82 लाख और 117.64 लाख रु. की रकम प्राप्त हुई है। प्राधिकरण ने भवन के उर्ध्वाधर विस्तार, विद्युत स्थापन, एचभीएसी सिस्टम, यात्री लिफ्ट, मल्टीलेवल मल्टीग्रीड ओवर ग्राउंड कार पार्किंग और डीजी सेट पर 31.03.2015 तक 1380.14 लाख रु. (पिछले वर्श 1355.10 लाख रूपए) की रकम का व्यय करके उसे पूंजीकृत कर दिया है। प्राधिकरण ने छठा तल कॉनकॉर को दिनांक 20.12.2013 को और चौथा तल और पांचवां तल ईईएसएल और कॉनकॉर को दिनांक 16.09.2013 और 1.10.2014 को सुपुर्द कर दिया है। ईईएसल और कॉनकॉर द्वारा जमा अग्रिम को उपरोक्त किराएदार से किराए के रूप में जमा किया गया है।

26. प्राधिकरण को वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान योजना और गैर–योजना के विभिन्न बजट शीर्षों के अंतर्गत अनुदान रूप में 14208.70 लाख रूपए प्राप्त हुए। वित्तीय वर्ष 2014–15 में लो.नि.वि. गुवाहाटी और प्राधिकरण की आंतरिक प्राप्ति से क्रमशः 611.00 लाख रूपए और 801.86 लाख रूपए पोत परिवहन मंत्रालय को वापसी के रूप में प्राप्त किए गए। वित्तीय वर्ष 2014–15 में पेंशन अंशदान हेतु 1354.89 लाख रूपए के उपबंध सहित प्राधिकरण द्वारा 3264.49 लाख रूपए का पूंजी व्यय और 12349.37 लाख रूपए का राजस्व व्यय किया गया। संक्षेप में ब्यौरा नीचे दिया गया है–

31.3.2015 को अनुदान का सार

(लाख रूपए में)

	ब्यौरा			कुल
वित्त वर्ष 2014–15 में प्राप्त अनुदान				
(क) योजना		11,791.70		
(ख) गैर योजना		2,417.00	14,208.70	
(ग) वि. व. 2014–15 में आंतरिक प्राप्तियां				15,122.57
			913.87	
हानियां: वर्ष 2014–15 के दौरान प्रभारित व्यय और सरकार को वापस की गई राशि				
(क) लो.नि.वि. गुवाहाटी से वापस प्राप्त की गई राशि		611.00		
(ख) वि.व. 2013–14 आंतरिक प्राप्ति		801.86		
(ग) वि.व. 2013–14 के वार्शिक खातों के अनुसार घाटा		1,316.16	2,729.02	
(घ) राजस्व व्यय		12,349.37		
(ड) पूंजी व्यय		3,264.49	15,613.86	18,342.88
31.3.2015 को घाटा अनुदान				**3,220.31**

27. समुचित सड़क और रेल सम्बद्धता के साथ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में पांडु पत्तन का विकास करने के लिए 6.11 करोड़ रु. की रकम पीडब्ल्यूडी, असम, गुवाहाटी को भुगतान अग्रिम के रूप में एन.एच. 31 के साथ पांडु पत्तन के वैकल्पिक सड़क सम्बद्धता के निर्माण के लिए दी गई। प्राधिकरण द्वारा लगातार प्रयास करने के बावजूद एन.एफ. रेलवे अतिक्रमण मुक्त भूमि मुहैया नहीं कर सका।

चूंकि भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अतिक्रमणमुक्त भूमि पाने के सभी विकल्प समाप्त हो गये इसलिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 बोर्ड ने 24.10.2013 को आयोजित अपनी बैठक में इस परियोजना को बन्द करने का निर्णय लेकर पीडब्ल्यूडी आसाम से नवंबर, 2013 और फरवरी, 2014 के दौरान जमा की गई रकम वापस करने का अनुरोध किया। पीडब्ल्यूडी, असम ने अगस्त, 2014 में 6.11 करोड़ रु. की रकम भा0 अ0 ज0 प्रा0 को वापस कर दी है और इसे भा.अ.ज.प्रा./वित्त/एफआर (पी)/3005/2014–15 दिनांक 27.11.2014 द्वारा पोत परिवहन मंत्रालय को वापस कर दिया गया है।

28. 31 मार्च, 2015 तक ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं इत्यादि से प्रतिभूति जमा बयाना रकम और जुटाव अग्रिम की दिशा में उनको दिए गए कार्य/ठेके के विरूद्ध उनसे 1985.74 लाख रु. (गत वर्ष 1020.78 लाख रु.) की राशि प्राप्त हुई है।

29. प्राधिकरण का वार्षिक लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के परामर्श से पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में ही तैयार किया जाता है।

30. भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV के अनुसार अन्तर्देशीय जलमार्गों के लिए प्रयुक्त कुछ स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए मूल्यह्रास दर निर्धारित नहीं की गई है; मूल्यह्रास दर समान अनुसूची से ली गई है। प्राधिकरण बार्जों पर 3.34%, टर्मिनलों पर 4.75%, रात्रि नौचालन उपकरण पर 4.75%, क्रेन पर 3.34% और

ड्रेजरों पर 7%, कार पार्किंग पर 4.75%, यात्री लिफ्ट पर 4.75% की दर से मूल्यह्रास लगा रहा है।

31. जहां आवश्यक हो पुनर्समूहन एवं पुनर्वर्गीकरण किया गया है।

32. सभी आँकड़े निकटतम पूर्ण रुपए में दिए गए हैं और ( ) में निषेधात्मक आँकड़े इंगित करते हैं।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(आर. पी. खरे)	(प्रवीर पाण्डेय)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (तकनीकी)	सदस्य (वित्त)	अध्यक्ष

भ.अ.ज.प्रा.लेखा नीतियाँ

अनुसूची–VIII

1. व्यय निरूपण

जलीय सर्वेक्षण, तकनीकी–आर्थिक अध्ययन, बंडालिंग, तलीय पैनलिंग, निकर्षण, चैनल मार्किंग पर अस्थायी संरचना और जलयानों आदि के अनुरक्षण पर व्यय राजस्व व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है जबकि चैनल मार्किंग में स्थायी संरचना, जलयानों की लागत, सर्वेक्षण लांचों, टगों, बार्जों, निकर्षकों आदि पर व्यय पूँजीगत व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है।

2. मूल्यह्रास

दिनांक 20.12.1993 के परिपत्र सं0 14/93 अधिसूचना सं0 1/12/92–सीएल,V के अनुरूप कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची XIV में दी गई दरों के आधार पर स्ट्रेट लाइन विधि के अनुसार मूल्यह्रास मुहैया किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों पर स्ट्रेट लाइन विधि से मूल्यह्रास 100 प्रतिशत की दर से लगाया गया है। अनुसूची–II के 5 और 9 कॉलम में कोष्ठक ( ) में दर्शाए गए आँकड़े क्रमशः सकल ब्लाक और मूल्यह्रास से कटौती को इंगित करते हैं। मूल्यह्रास खरीद वर्ष में पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है और निस्तारण / विक्रय वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता है।

3. पूँजीगत कार्य में वृद्धि

कार्य प्रगति का परिकलन वास्तविक लागत के आधार पर किया जाता है तथा इसमें सम्पन्न और प्रमाणित कार्यों के लिए ठेकेदारों को किए गए भुगतान शामिल होते हैं।

4. भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण

भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण न्यूनतम और वास्तविक मूल्य पर मूल्यांकित किए जाते हैं।

5. पूर्वावधि समायोजन

गत वर्ष / वर्षों से संबंधित प्रत्येक मद के लिए 1000/– रुपए से अधिक की आय और व्यय चालू वर्ष खाते में जमा /नामे, जैसे भी हों लिखे जाते हैं।

6. प्रावधान

(i) किसी व्यय के संबंध में ज्ञात दायित्व के लिए प्रावधान किया जाता है यदि मूल्य 1000/– से अधिक हो।

(ii) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मापदंड 15 के अनुरूप किसी नियमित कर्मचारी के अवकाश ग्रहण करने पर उनकी छुट्टियों को भुनाने के लिए प्रावधान किया जाता है।

(iii) बोनस का प्रावधान तदर्थ आधार पर किया जाता है जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा स्वायत्त निकायों के विषय में गत वर्ष घोषित किया गया था।

(iv) पेंशन अंशदान/ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान भा0 अ0 ज0 प्रा0 कर्मचारी पेंशन निधि विनियम, 1993 के अनुरूप किया गया है।

7. अनुदान निरूपण

प्राधिकरण के पास सरकार से प्राप्त अनुदान के अतिरिक्त कोई राजस्व सृजन नहीं होगा, जब तक कि राष्ट्रीय जलमार्ग आम प्रयोग के लिए पूर्ण रूप से प्रचालन योग्य नहीं हो जाते और यातायात दरें, उद्ग्रहण और शुल्क नियत नहीं हो जाते। अतएव केन्द्र सरकार से जो अनुदान प्राप्त किया जाता है, उसमें से राजस्व लेखा पर किए गए व्यय राजस्व अनुदान के रूप में, परिसम्पत्तियों के लिए किए गए भुगतान, पूँजीगत अनुदान और शेष को अधिशेष में प्राप्त अनुदान (चालू दायित्वों के तहत) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(आर. पी. खरे)	(प्रवीर पाण्डेय)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (तकनीकी)	सदस्य (वित्त)	अध्यक्ष

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट

2002 में यथा संशोधित भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली, 1986 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986) के नियम 28(3) और भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985) की धारा 23 के तहत दी गई तिथि में समाप्त वर्श के लिए हमने 31 मार्च, 2015 के भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (प्राधिकरण) के संलग्न तुलन पत्र और आय और व्यय खाते को अंकेक्षित किया है, देखें दिनांक 10 अक्टूबर 2002 की.अधिसूचना संख्या जीएसआर 449। इन वित्तीय विवरण में निगम के यूनिटों /शाखाओं के खाता शामिल है। ये वित्तीय विवरण प्राधिकरण के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अंकेक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरण पर अपनी विचार व्यक्त करने की है।

हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत मानदंडों के अनुसार अंकेक्षण किया है। इन मानदंडों में आवश्यक होता है कि हम उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण का नियोजन और अंकेक्षण यह जानने के लिए करते हैं कि वित्तीय विवरण गलत विवरणों से मुक्त हैं अथवा नहीं। अंकेक्षण में जाँच के आधार पर निरीक्षण करना, रकम के लिए दिए गए साक्ष्य की जाँच और वित्तीय विवरण को उजागर करना शामिल होता है। अंकेक्षण में प्रयुक्त सिद्धांतों के निर्धारण और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन के साथ–साथ समग्र वित्तीय विवरण से संबंधित प्रस्तुति को भी शामिल किया जाता है। हमें विश्वास है कि हमारा अंकेक्षण हमारे विचार के लिए एक उचित आधार मुहैया करता है।

अपने अंकेक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :–

i. हमें सभी तरह की सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास में अंकेक्षण के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986 के नियम 28 (2) और भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में प्राधिकरण द्वारा लेखा की उचित पुस्तकें और अन्य संगत रिकार्ड अनुरक्षित किया गया है, जो भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत आवश्यक है। ऐसी पुस्तकों की जाँच से हमें ऐसा प्रतीत होता है कि निम्न को छोड़कर –

क सामान्य

1. संशोधित लेखा प्रारूप

प्राधिकरण के संशोधित लेखा प्रारूप के अनुसार जिसे पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अपने पत्र संख्या जी–25020/1/2004–आई.डब्ल्यू.टी., दिनांक 28/02/05 द्वारा स्वीकृत किया गया था, प्राधिकरण को अपने लेखाओं में निम्नांकित को सम्मिलित करना था।

- फार्म सी3 में एक नीति विवरण कि लेखाओं को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा स्वीकृत संगत लेखा मानकों के अनुसार तैयार किया गया है।
- लेखाओं में सदस्यों के उत्तरदायित्व विवरण संबंधी एक टिप्पण।

प्राधिकरण को अच्छी कार्पोरेट शासन के रूप में कंपनी अधिनियिम के उपबंधों के अनुसार एक लेखा परीक्षा समिति का भी गठन करना आवश्यक था।

प्राधिकरण, प्रशासनिक मंत्रालय के निदेशों का अनुपालन करने में असमर्थ रहा।

2. लेखा परीक्षा के अनुरोध के आधार पर सुधार

लेखा परीक्षा के अवलोकन के आधार पर प्रबंधन ने लेखा में

(₹ करोड़ में)

खाता शीर्ष	वृद्धि	कमी
परिसम्पत्ति	36.65	53.38
दायित्व	–	0.22
व्यय	16.80	0.06
आय	0.22	--
त्रुटि निर्धारण	--	
लेखा टिप्पणियों में सुधार	बिना वित्तीय प्रभाव के एक संशोधन	

ख प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं की गई रिपोर्टों को सुधारात्मक/उपचारात्मक कार्यवाही हेतु अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

iv. पूर्व के पैराग्राफ में हमारे अवलोकन के तहत् हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस रिपोर्ट में दी गई तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता, लेखा–बही के अनुरूप है।

v. हमारे विचार में और हमारी सूचना के अनुसार और हम लोगों को दिए गये स्पष्टीकरण के अनुरूप, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़ा गया उक्त वित्तीय विवरण और उपर्युक्त उल्लिखित संगत मामले और इस अंकेक्षण रिपोर्ट के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामले के तहत् यह भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा नीतियों से संबंधित सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और स्पष्ट हैं :–

क) जहाँ तक इसका संबंध प्राधिकरण के यथा दिनांक 31 मार्च, 2015 तक के कार्यकलापों और तुलन पत्र से है, और

ख) जहाँ तक इसका संबंध 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए आय/व्यय के आय एवं व्यय लेखा से है।

कृते तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के निमित्त

(पी. के. मिश्रा)
महानिदेशक, (वाणिज्यिक)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 12/11/15

अनुलग्नक

1. आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली

आंतरिक अंकेक्षण आवधिक रूप से किसी चार्टर्ड एकाउंटेन्सी फर्म द्वारा किया जाता है। हालांकि, आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्टों के अनुपालन की देखरेख अधिक प्रभावी ढंग से करने की आवश्यकता है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

प्राधिकरण की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नांकित कमियां पाई गई –

क) पार्टी द्वारा प्रदान फेक बैंक गारंटी का एक मामला सामने आया।
ख) लेखा पुस्तिकाओं में पांच वर्ष से अधिक से ठेकेदारों को दी गई ₹ 8.50 लाख अग्रिम की राशि थी। पुराने बकाया अग्रिमों की समीक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

रिकॉर्ड का जाँच संबंधी परीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि स्थायी परिसम्पत्तियों का वास्तविक सत्यापन क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में नहीं कराया गया था। आगे, नौएडा स्थित मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना और गुवाहाटी में स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर ठीक ढंग से अनुरक्षित नहीं कराया गया था।

4. वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

5. सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता

कामगार कल्याण कर, कार्य संविदा कर और मूल्य संवर्धित कर को सही ढंग से लगाकर सांविधिक प्राधिकरणों के पास जमा नहीं किया गया।

नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट में 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं पर की गई टिप्पणियों पर प्रबंधन के उत्तर

क. सामान्य

वार्षिक लेखाओं को आईसीएआई द्वारा स्वीकृत प्रयोज्य लेखा मानकों के अनुसार तैयार किया जाता है। वित्त वर्ष 2015–16 लेखाओं संबंधी टिप्पणों में इसकी समीक्षा और इन्हें प्रकट किया गया है।

कंपनी अधिनियम के अंतर्गत लेखा परीक्षा समिति का गठन और प्रबंधन उत्तरदायित्व विवरण देना आवश्यक है। भा.अ.ज.प्रा. संसद के अधिनियम के अंतर्गत गठित एकस्वायत्त निकाय होने के कारण कंपनी अधिनियम द्वारा शासित नहीं है। भा.अ.ज.प्रा. ने इस संदर्भ में पोत परिवहन मंत्रालय से निदेश का अनुरोध किया है।

अनुसूची

1. आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली:

आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्ट की देखरेख और प्रभावी ढंग से की जाएगी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली :

क) वर्तमान प्रक्रिया अनुसार प्राधिकरण बैंक गारंटी को संबंधित बैंक से इसकी पुष्टि के बाद स्वीकार करता है। 31.03.2015 को उपलब्ध बैंक गारंटी को संबंधित बैंकों द्वारा विधिवत पुष्टि के बाद स्वीकृत किया गया है।

ख) पांच से अधिक वर्षों से बकाया अग्रिमों का समायोजन वित्त वर्ष 2015–16 में अवलोकित किया जाएगा।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को 31.03.2016 को स्थायी परिसम्पतियों का वास्तविक सत्यापन करने के लिए अनुदेश जारी किए जाएंगे । क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी, पटना और मुख्यालय को भी लेखा परीक्षा, टिप्पणियों अनुसार स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर का अनुरक्षण करने के लिए अनुदेशित किया जाएगा।

4. वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान सभी कार्यालयों को अनुदेश जारी किए जाएंगे।

5. सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता

ऐसे कर की प्रयोज्यता पर कर विशेषज्ञों के विचार प्राप्त किए जाएंगे।

Annual Report
2014 - 15

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

MINISTRY OF SHIPPING

HEAD OFFICE: A-13, SECTOR-1, NOIDA – 201 301, DISTT. GAUTAMBUDH NAGAR (U.P.)

TELE NO. : 0120 – 2544036, 2543972; FAX NO: 0120 - 2543973, 2521764

E-mail : iwainoi@nic.in, Website : www.iwai.nic.in

MEMBERS OF THE AUTHORITY (During 2014-15)

		Telephone No.	Fax No.
Chairman	**Sh. Amitabh Verma, IAS**	0120-2543972	0120-2543973
Member	**Dr. Mrs. T. Kumar, IAS** Special Secretary & Financial Advisor, Ministry of Shipping, Road Transport & Highways	011-23710140	011-23715195
Member	**Ms. Jayashree Mukherjee, IAS** Vice-Chairperson (up to 07.10.2014)	0120-2544009	0120-2544009
Member	**Sh. R. P. S. Kahlon, IAS** Chairman, Kolkata Port Trust, Kolkata	033-22205370	033-22208226
Member	**Sh. C. B. Singh** Advisor, Ministry of Shipping	011-2376619	011-23350648
Member	**Sh. Pravir Pandey, IA&AS** Member (Finance), IWAI	0120-2544004	0120-2543976
Member	**Sh. R. P. Khare** Member (Technical), IWAI	0120-2521664	0120-2544041

OTHER DETAILS

		Telephone No.
Secretary	**Smt. D. Sai Amutha Devi, IP&TAFS**	0120-2544036
Auditors	**COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA**	011-23235793
Bankers	**SYNDICATE BANK** Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi 110 001	011-23717573
	SYNDICATE BANK Sector-18, Noida 201 301	0120-2514381
	CANARA BANK Sector-1, Noida 201 301	0120-2529163
	UNION BANK OF INDIA Sector-2, Noida 201 301	0120-2511426

REGIONAL OFFICES

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Gaighat Terminal-Cum Office, Gulzarbagh, Patna - 800 007 (Bihar)	0612-2630112 0612-2630005 0612-2630114	0612-2630100
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA P-78, Garden Reach Road, Kolkata - 700 043 (West Bengal)	033-24390393 033-24395577 033-24396055	033-24395570 033-24391710
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Pandu Port Complex, Pandu Guwahati - 781 012 (Assam)	0361-2570109 0361-2676925 0361-2676927 0361-2676929	0361-2570099 0361-2570055
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA National Waterways Road, N. H. 47 Bye pass, Kannadikkadu, Maradu, Ernakulam - 682 304 (Kerala)	0484-2295064 0484-2389804	0484-2389445

SUB OFFICES / UNITS

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 360/F/44, Nawab Yusuf Road, Civil Lines, Allahabad - 211 006 (U.P.)	0532-2561151 0532-2560537	0532-2561152
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 52, 2nd floor, Patel Nagar, Nadesar, Varanasi - 221 002 (U.P.)	0542-2505329	0542-2505329
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA NavinGanguli Road, DurgaAsthan (MandirGhat), Bhagalpur – 821001 (Bihar)	0641-2400651	0641-2400651
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Office Building No. 1, FBP Office Complex, P.O. Farakka Barrage, Distt.Murshidabad - 742 212 (West Bengal)	03485-255809	03485-255809
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Fakirtala, P.O.-Maheshganj Swaroopganj, Nadia-741 315 (West Bengal)	09830508079	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Durgabari Road Tiniali, A. T. Road, Naliapool Dibrugarh- 786 001	0373-2302540	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Dhubri Terminal, Free India Ghat, Dhubri - 786005	03662-298111	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA IWT Terminal Cum Office Complex, Ashramam Nr. ESI Hospital, Kollam-691002	0474-2766460	

SUB OFFICES / UNITS

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA F-14, IMU Campus, East Coast Road, Uthandi, Chennai-600119 (Tamil Nadu)	09952974150	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Premises No.-191, 1st Floor, Baya Baba Math Lane, Unit No. 9, Opposite to Radha Krishna Temple, Bhuwaneshwar – 751022 (Odisha)	09830216848 09952974150	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA IWAI Executive Quarter (B-1), K.E. Banglaw Compound State Guest House Road, Governorpet, Vijayawada, Andhra Pradesh-520002	0866-2575123	

1. IWT SECTOR – GENERAL INFORMATION

(i) Transport sector comprises of railways, roadways, coastal shipping, inland waterways, pipelines and airways and this is the main critical infrastructure for economic development of any country. A developed transport system enables optimum cost of transportation in a multimodal network utilizing strengths of all modes on case to case basis. In those corridors where inland waterways can be developed with navigational channel of reasonably bigger dimensions making them techno - commercially viable proposition, they can offer cost effective, environment friendly and fuel efficient mode of transport, especially for bulk goods, hazardous cargo and over dimensional cargo. In some of the developed countries (e.g. USA, China and many countries of Europe), development of inland water transport (IWT) sector was given due attention and they have been utilizing this mode to a great extent benefitting their economies significantly.

(ii) India has a number of rivers, canals, creeks and backwaters which have the potential to be developed and used as cost effective and efficient inland waterways. Till early 20th century, the IWT had been used as an important mode of transportation in various parts of the country. However, due to various factors, including rapid development of road and railways, little industrial development in the country, less attention paid to preservation and development of inland waterways etc, many waterways lost their competitive edge to the rail and road modes. Today, IWT is significant only in a few areas e.g. Assam, Goa, Mumbai, West Bengal, Kerala and small tidal stretches in peninsular India.

(iii) Inadequate infrastructural facilities such as depth and width required for movement of IWT vessels of reasonable size for round the year operation, terminals for loading and unloading of cargo and connectivity with road/rail, navigational aids for safe and unhindered navigation during day and night and shortage of IWT vessels are the main constraints facing the inland waterways sector. To achieve substantial IWT traffic, thrust is therefore necessary on creation of infrastructure (mainly through public funding) and at the same time, augmentation of IWT fleet primarily through private sector.

2. ROLE OF IWAI

As per Section 14 of IWAI Act, 1985, IWAI is mandated with the development and regulation of declared those waterways as National Waterways. The following waterways have so far been declared as National Waterways (NW):

i) NW-1 - Ganga-Bhagirathi-Hooghly river system (Allahabad-Haldia-1620 km) in the states of Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand and West Bengal, declared in 1986.

ii) NW-2 - River Brahmaputra (Dhubri-Sadiya – 891 km) in the state of Assam declared in 1988.

iii) NW-3 -West Coast Canal (Kottapuram-Kollam) along with Udyogmandal and Champakara Canals – (205 km) in the state of Kerala declared in 1993.

iv) NW-4- Kakinada- Puducherry canals along with Godavari and Krishna rivers (1078 km) – in the states of Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Union territory of Puducherry declared in 2008.

v) NW-5 - East Coast Canal integrated with Brahmani river and Mahanadi delta rivers (588 km) in the states of West Bengal and Odisha declared in 2008.

vi) Besides, IWAI is developing and maintaining the Indian side of Sunderbans waterways under the Indo-Bangladesh Protocol for Transit and Trade under which the inland vessels of one country can transit through the specified routes of the other country.

3. DEVELOPMENT OF NATIONAL WATERWAYS

3.1 There are three basic infrastructural requirements for making a waterway viable for shipping and navigation. These are (i) navigation channel with adequate depth and width for movement of reasonable size of inland vessels; (ii) navigation aids for day and night navigation; and (iii) terminals to provide berthing of vessels, loading and unloading of cargo/passengers and road/rail connectivity.

3.2 National Waterways 1 and 2 are alluvial rivers with typical characteristics of braiding, meandering and large water level fluctuation between monsoon and non-monsoon months. On these rivers, several shallow areas (shoals) come up during low water season and maintenance of even 2 m Least Available Depth (LAD), becomes a difficult task, particularly in upper reaches. In these rivers, conservancy works namely dredging and bandalling are to be taken up after every monsoon to remove the shoals. NW-3, on the other hand, is a combination of tidal rivers and canals with uniform tidal variation in water level and once the desired depth is provided by capital dredging, it can be maintained for a number of years by undertaking nominal maintenance dredging. NW-4 and NW-5 consist of both canal and river stretches. While canal portions need to be extensively dredged once, dredging would be required every year on river portions on shoals. Barrages with navigational locks are proposed in the upper reaches of Brahmani river.

4. NATIONAL WATERWAY-1 (NW-1)

Since its declaration as NW, IWAI is carrying out various developmental works on the waterway for improving its navigability potential and development & maintenance of other infrastructure namely terminals and navigation aids as laid down in the IWAI Act, 1985.The important works carried out during 2014-15 for development and maintenance of fairway, terminals and navigation aids on NW-1 are given below in brief:

4.1 Fairway Development:

A navigational channel with targeted depth and width is to be maintained in the National Waterway for smooth and safe voyage of vessels. This was achieved by undertaking river conservancy (RC) measures namely bandalling and dredging and also by providing navigation aids in Tribeni-Chunar stretch (1226 km). The lower most stretch between Haldia and Tribeni (196 km) is tidal and the Least Available Depth (LAD) of more than 3.0 m is maintained therein naturally. On the other hand, on the uppermost stretch of Chunar-Allahabad (198 km),numerous shoals crop up during non-monsoon months and with the available resources with IWAI maintenance of even 2.0 m LAD is not possible. Hence IWAI does not undertake any RC works in this stretch.

During 2014-15, Bandalling works of 3,750m length in Tribeni - Rajmahal (399km) and 18,000m in Rajmahal-Chunar(827km) stretches were executed. Besides, 1.25 lakh m^3 dredging in Tribeni-Rajmahal and 1.70lakh m^3 in Rajmahal-Varanasi/ Chunar stretches were carried out by deploying IWAI's departmental Cutter Suction Dredgers (CSD), Hydraulic Surface Dredger (HSD) and Amphibian Dredger (AD).

Bandals erected on NW-1

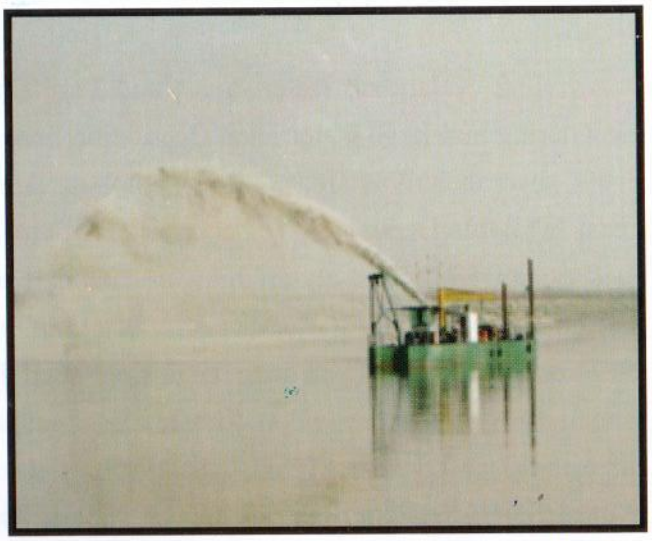

Dredging in progress with CSD on NW-1

The LAD maintained in various stretches in NW-1 during the year is as below :

(a)	Haldia – Farakka	(560 km) –	2.8 m to 3.0 m
(b)	Farakka – Barh	(400 km) –	2.1 m to 2.5 m
(c)	Barh – Ghazipur	(290 km) –	1.6 m to 2.0 m
(d)	Ghazipur – Chunar	(172 km) –	1.2 m to 1.5 m*
(e)	Chunar- Allahabad	(198 km) –	1.0 m to 1.2 m*

* In Chunar-Allahabad stretch (198 km), no RC works were undertaken. In Ghazipur- Chunar stretch only bandalling was undertaken as all IWAI dredgers were employed in downstream reaches.

4.2 Terminals:

The low level and high level jetties at Patna are operational since 2008 and 2012 respectively. These are capable of mechanical handling of cargo including containers. Bunkering and storage facilities are also available at this terminal.

A Permanent terminal at GR Jetty-2, Kolkata has been made operational since November 2013 for handling of general cargo.

Permanent Terminal at G R Jetty-2 Kolkata

Fixed jetties at Farakka and Pakur already exist. These belong to Farakka Barrage Project. These are located on feeder canal and being used by transporters/ shippers from time to time.

Besides, floating terminals at 20 locations are also available on NW-1 and being used for logistic support and embarking / disembarking of passengers and tourists. These floating terminals can be shifted from one place to another on entire waterway on demand.

The locations of these floating terminals are as under:

i) Haldia, Budge-Budge, GR Jetty-1, BISN, Botanical Garden, Shantipur, Swaroopganj, Katwa, Hazardwari, downstream Farakka and upstream Farakka in West Bengal;
ii) Manglahat (Rajmahal) and Samdaghat (Sahebganj) in Jharkhand;
iii) Bateshwarsthan, Bhagalpur, Munger, Semaria and Buxar in Bihar;
iv) Rajghat (Varanasi), Ramnagar (Varanasi) and Allahabad in Uttar Pradesh.

In addition, IWAI has planned to develop multi-modal terminals at Haldia, Sahebganj and Varanasi for which action has been initiated and acquisition of land is in progress. These are being implemented under World Bank aided Jal Marg Vikas project.

Floating Terminal in NW-1

4.3 Navigation Aids

Channel marks for day navigation are being provided and maintained between Triveni and Allahabad all round the year. In addition, night navigation facilities between Tribeni and Ballia/ Varanasi (1140/ 1383 km) are also provided by way of country boats, steel poles and beacon towers fitted with navigation lights to facilitate navigation in night time.

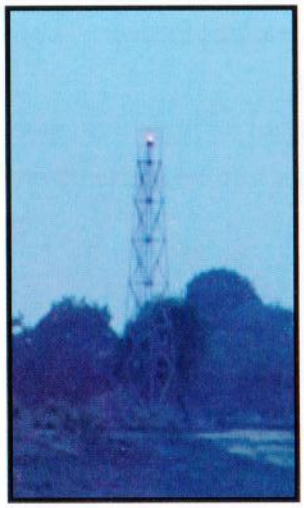

Light on Beacon Tower

Light on Steel Pole

Light on Country Boat

Day Right Hand Mark

Moreover, fortnightly thalweg surveys are conducted and river notices issued regularly. Pilotage is also provided on need basis.

To supplement these aids and also for providing state-of art 24 hours navigation aids on the waterway, Differential Global Positioning System (DGPS) stations have been commissioned at Swaroopganj, Bhagalpur and Patna. In addition, installation of another DGPS station at Varanasi is underway. With these, the entire NW-1 will have DGPS connectivity.

An important project for providing world class River Information System (RIS) in Haldia-Farakka sector of NW-1 is also nearing completion. This project will facilitate shore to vessel, vessel to vessel and vessel to shore communication, data transfer and channel information on real time basis. IWAI has planned to extend RIS facility upto Varanasi in phases.

4.4 Cargo Movement

About 25 barges of 1500-2000 ton capacity are continuously plying between Sandheads (Bay of Bengal) and Farakka through NW-1 under the project of transportation of 3 Million Tons Per Annum coal to NTPC Farakka thermal power plant. About 5.00 lakh tons of coal was transported to Farakka during the year 2014-15 by M/s Jindal ITF Ltd.

A new floating jetty was constructed at Budge-Budge (Kolkata) for transportation of food grains by Food Corporation of India (FCI) from Kolkata to North East Region utilizingthe Indo-Bangladesh Protocol route. About 12,000 tons of Rice were transported from Kolkata to Ashuganj (Bangladesh) by IWT (1038 km) and then to Agartala in Tripura (49 km) by road during 2014-15.

Besides, many movements of Over Dimensional Cargo (ODC) took place during the year. Movement of ODC and imported coal for thermal power plants along the National Waterway-1 is expected to substantially increase in the next 4-5 years.

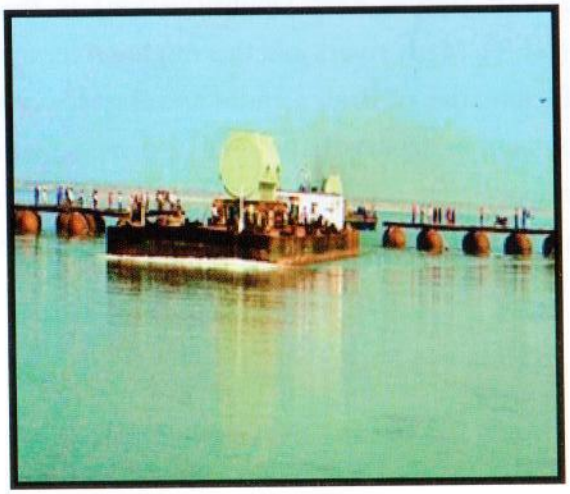

ODC movement on NW-1

Unloading of coal at NTPC Farakka on NW-1

4.5 River Tourism

Inland tourist vessels RV Bengal Ganga and ABN Sukapha are making upstream and downstream voyages on NW-1 since many years between Kolkata- Semaria and Kolkata– Patna respectively. The movements of both the vessels carrying foreign tourists were completed successfully as per schedule.

Two new tourist vessels namely Ganga Voyager-1 of Heritage River Cruise Pvt. Ltd. and ABN Rajmahal of Assam Bengal Navigation Co. Pvt. Ltd. commenced operation on NW-1 during 2014-15 and completed their voyages successfully.

New Tourist Vessel ABN Rajmahal on NW-1

New Tourist Vessel Ganga Voyager-I on NW-1

5. NATIONAL WATERWAY – 2

River Brahmaputra from Sadiya to Bangladesh Border near Dhubri(891km) is the most important inland waterway in North Eastern Region (NER). Many rivers join this mighty river to form a fish bone like structure. About 1687 km stretches of tributaries of Brahmaputra and Barak rivers have been identified in NER having potential for development as feeder routes. NW-2 provides alternate connectivity to NER through Indo-Bangladesh Protocol routes (1700 km). The development and maintenance of fairway, terminals and navigation aids on NW-2 was done during the year as briefly described below:-

5.1 Fairway development

A navigable fairway of minimum 45 m width and 2.5 m Least Available Depth (LAD) was maintained in Dhubri-Pandu (255 km) stretch.

Sl. No.	Stretch area	Maintained LAD	Period (FY 2014-15)
1.	Pandu-Neamati (374 km)	2.5 meter	About 335 days and
		2.0 meter	for remaining period (30 days)
2.	Neamati-Dibrugarh	2.0 meter	For 365 days and
3.	Dibrugarh-Sadiya (Oriumghat)	1.5 meter	For 335 days and
		2.0 meter	for the remaining period (30 days)

To maintain this LAD, 21,900m of bandals were erected at 44 locations and maintained. Besides, 94,544m^3 of dredging was carried out at 17 locations using two departmental CSDs namely CSD Mandovi and CSD Brahmani.

Two HSDs namely HSD Dhansiri and HSD JiaBhorali were also deployed for undertaking dredging for augmenting the depth in the fairway. There are certain volatile zones (about nine) between Bangladesh Border and Neamati where there is a frequent change in the depth and river bed/channel. IIT Guwahati has been entrusted to study one of such locations namely "Ganesh Pahar area" by mathematical and physical model study at a cost of Rs. 19.16 lakhon a pilot project basis. Based on the outcome of this study, river training works can be implemented at these locations as a permanent measure to improve LAD on long term basis.

5.2 Terminals

Pandu (Guwahati) is the most important location on NW-2 for development of a multimodal river port. A low level jetty was made operational in 2009. A high level jetty at a cost of Rs. 43.85 crore was also made operational during 2014-15 for round the year operation with mechanical handling facility including containers.

RCC Jetty at Pandu Port with cranes

BG Siding

A broad gauge railway siding connecting Pandu port to Kamakhya railway station (Guwahati) has been constructed through NF Railway at a cost of Rs. 12.97 crore.

Other developmental works like bank protection, construction/repair of internal road system, drainage work, hard stands etc. were also taken up at a total cost of Rs. 4.64 crore. Office cum River Information System building of IWAI regional office Guwahati at Pandu at an estimated cost of Rs. 4.61 crore was also completed during 2014-15.

Two Ro-Ro terminals, one at Dhubri and another at Hatsingimari (opposite bank of Brahmaputra river at Dhubri) were planned by IWAI in 2013 to provide direct IWT connectivity to Meghalaya from Dhubri (29km by river route) avoiding a circuitous road route 220 km long through Jogighopa. At Dhubri, the terminal is almost 45% complete and the work is expected to the completed by end 2015. At Hatsingimari, almost entire land selected for construction of terminal has been eroded by the river and it is not possible to construct any permanent structure in present conditions. Brahmaputra Board has prepared a project for protecting the bank in about 5 km length at this location. Since, this will take some time for execution IWAI, has decided to develop temporary Ro-Ro facilities at Hatsingimari till the river bank stabilizes. Simultaneously, IWT Directorate, Government of Assam has been requested for operating Ro-Ro service by converting their two vessels for Ro-Ro operation.

Floating terminals for facilitating cargo movement have been provided and maintained at ten (10) locations namely Dhubri, Jogighopa, Tejpur, Silghat, Vishwanathghat, Neamati, Bogibeel, Dibrugarh, Sengajan/Panbari and Oriumghat. Land for setting up of terminals at Hatsingimari, Dhubri, Silghat, Vishwanathghat, Neamati, Dibrugarh and Oriumghat has been acquired.

Floating terminal at Tezpur

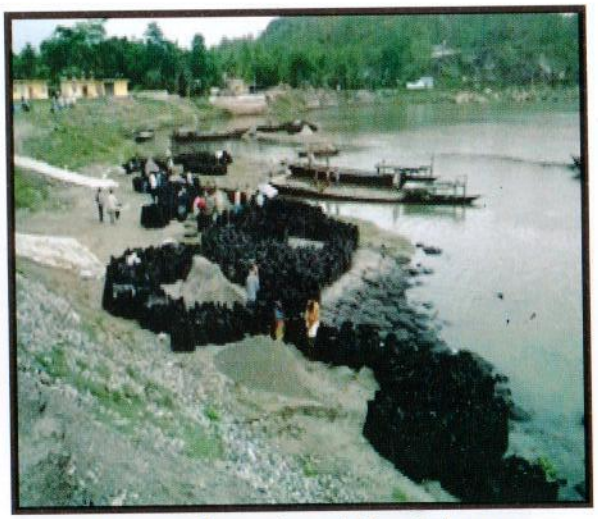

Phase-II works at Jogighopa

At Jogighopa, out of 16.47 hectare of land, about 8.93 hectare of land was eroded. The erosion was continuing and posed a threat even to the nearby habitants. IWAI in co-ordination with Water Resources Department, Government of Assam conceived an innovative anti-erosion project. The work was proposed to be implemented in two phases.

Phase-I: Laying of RCC porcupine screens across the river channel upstream of Jogighopa to induce pro-siltation activity; and Phase-II: bank protection works consisting of launching apron & bank revetment with boulders, earthen-dowel bund. Phase-I works were completed in November 2014 at a cost of Rs.11.75 crorewhich produced exceedingly good results and significant siltation took place in front of the terminal site. Phase-II work at an estimated cost of Rs. 16.10 crore has also been sanctioned in December, 2014. The work is in progress and expected to be completed shortly. This project would save about 18.63 acres of land which would otherwise have been lost permanently.

5.3 Navigation Aids

Channel marking for day navigation was provided and maintained in the entire waterway. Night navigation aids have also been provided between Dhubri and Silghat (440 km) and are being maintained. Fortnightly/ monthly thalweg surveys have been carried out in the entire waterway and regular river notices have been issued to provide fairway related information to the IWT operators. To supplement this, DGPS stations have been commissioned at Dhubri, Jogighopa, Silghat and Dibrugarh to facilitate DGPS connectivity in the entire NW-2.

5.4 River Tourism

The presence of wild life sanctuaries at Kaziranga and Orang and other places of tourism interest viz. Sualkuchi, Sibasagar and Kamalabari on the banks of Brahmaputra have been attracting substantial interest in river tourism in NW-2 for last some years. The provision of 2.5 m LAD in Dhubri-Neamati stretch (630 km) of NW-2 has brought the river tourism in this mighty river on the international platform. Three tourist vessels are regularly making voyages between Dhubri/ Pandu and Neamati with foreign tourists every year. The tourist operators are very enthusiastic due to their success and appreciated commitment of IWAI in providing the navigational channel, aids to navigation and terminal facilities in addition to assistance to the vessels in distress, if any, in the mighty river Brahmaputra.

Tourist vessel in NW-2

6. NATIONAL WATERWAY – 3 (NW-3)

The NW-3 (total length- 205 km) comprises of West Coast Canal between Kottappuram & Kollam (168 km), Udyogmandal canal between Kochi & Eloor (23 km) and Champakkara canal between Kochi & Ambalamugal (14 km). The important works carried out during 2014-15 for development and maintenance of fairway, terminals and navigation aids on NW-3 are briefly described below:-

6.1 Fairway development:

NW-3 is a tidal waterway with four sea openings at Munambam, Kochi, Kayamkulam and Neendakara. It is envisaged that a navigational channel of 38 m width in wider reaches and 32m in narrow narrow reaches with 2 m depth is to be developed for navigation on NW-3. To develop the navigation channel with these dimensions, 40.33 lakh m^3 capital dredging was envisaged over shallow patches spread in entire waterway. The total length of all these shallow patches was about 87 km. To carry out the dredging, the NW-3 was divided into seven stretches: i) Champakara canal, ii) Udyogmandal canal, iii) Kottapuram-Kochi, iv) Kochi-Alappuzha, v) Alappuzha-Kayamkulam, vi) Kayamkulam-Edapallikotta; and vii) Edapallikotta- Kollam. So far, capital dredging has been completed in Champakara canal, Udyogmandal canal, Kottapuram- Kochi and Kochi-Alappuzha stretches and is in progress in the other stretches. As 31.3.2015, IWAI has carried out nearly 37 lakh m^3 of dredging over 83 km length.

Dredging in NW-3 with CSD Kallada

With this, single channel with the targeted depth of 2.0 meter has been provided in the entire NW-3. Only widening of the channel to provide two lane channel with planned width of 32 meters remains to be done in 4 km length. This length of 4 km is in 3 locations: 0.75 km in Alappuzha (Mullackal village); 1.00 km in Kayamkulam-kayal, and 2.25 km near Chavara. The work in Alappuzha area is in progress. At Kayamkulam-kayal, the work can be taken up only after removal of fishing nets by the State Government. For the remaining work near Chavara, which contains hard strata (approximate quantity- 10,000 m^3), estimate has been sanctioned and work is likely to commence in 2015-16. Besides, IWAI has deployed four departmental dredgers (2 cutter suction dredgers and 2 amphibian dredgers) for maintenance dredging.

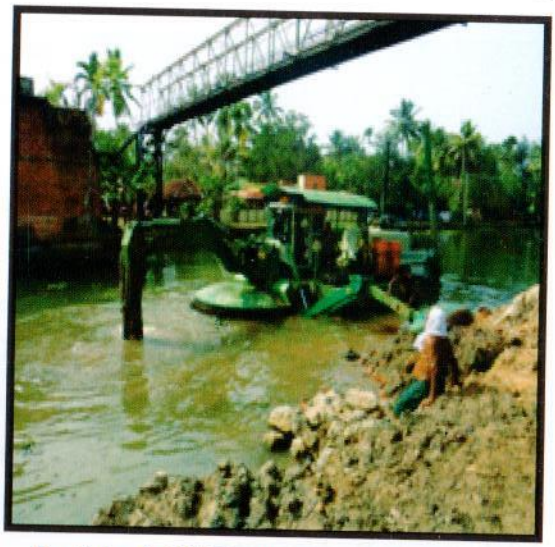

Dredging in NW-3 with Amphibian Dredger

Protection of canal banks against erosion is another important activity & for safe navigation in NW -3. So far,14.67 km of canal bank has been provided with permanent bank protection in Champakara and Udyogmandal canals.

In the canal sections between Alappuzha and Kollam also, where the existing channel needed to be widened, the bank protection is being provided simultaneously with capital dredging and so far, bank protection in a length of 6.73 km has been completed.

The progress of capital dredging and widening of narrow sections in NW-3 has been severely hampering over the years due to various local issues related to disposal of dredged material, demand for extra bank protection, frequent stoppage of works and litigations by the local people and objection by the fishermen. To resolve these issues, interactions with the State Government at the highest level is done regularly.

6.2 Terminals

Out of total 11 locations envisaged for setting up of terminals initially, eight have already been constructed at Kottapuram, Aluva, Maradu (Kochi), Vaikkom, Cherthala (Thanneermukkom), Thrikunnapuzha, Kayamkulam (AyiramThengu) and Kollam. Construction of one terminal at Alappuzha is in progress at a cost of Rs 9.04 crore and 96% works have been completed.

Terminals at remaining two locations namely Kakkanadu and Chavara are proposed to be constructed in the next phase after firming up the cargo availability. For effective utilization and to to encourage private sector participation, operation and maintenance of IWT terminals at Aluva and Vaikkom has been outsourced to Kerala Shipping and Inland Navigation Corporation Ltd. (A Government of Kerala Undertaking).

RO-RO Barge Service in NW-3

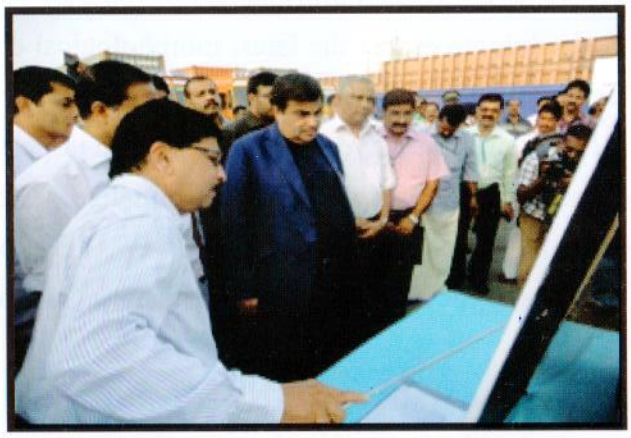

Visit of RO-RO terminal by Hon'ble Minister of Shipping

In addition, two IWT container terminals, one at Bolgatty and the other at Willington Island with Ro-Ro facilities have been constructed by IWAI through Cochin Port Trust to provide connectivity with ICTT, Vallarpadam. Due to this, trucks/ trailers bound for Vallarpadam need not pass through the congested roads of Kochi city. These terminals are in operation from February 2011. By March 2015, total 78,730 of 20 feet containers and 46,518 of 40 feet containers have been transported between these terminals using IWAI's Ro-Ro terminals.

7. NATIONAL WATERWAYS- 4 & 5 (NW-4 & 5)

These waterways were declared as National Waterways in November 2008. Thereafter, Detailed Project Reports (DPR) for development of both NWs were prepared. Subsequently, on the advice of Planning Commission, development of commercially viable stretches through PPP mode was explored by appointing a transaction adviser (consultant) with the financial assistance of Department of Economic Affairs (DEA) and Asian Development Bank (ADB). However, both the waterways were not found to be viable for development in PPP mode. Hence, it was decided to develop both the waterways through Gross Budgetary Support (GBS) and/or external aid through multilateral resources like ADB or World Bank.

7.1 National Waterway– 4 (NW- 4)

A Project was sanctioned at an estimated cost of Rs 123.4 crore for development of Sholinganallur- Kalpakkam stretch (37 km) of South Buckingham Canal. However, the implementation of the project has been delayed on account of delineation survey etc. to be done by Government of Tamil Nadu. IWAI has also opened a Sub-Office at Chennai. For development of the waterway in Andhra Pradesh portion, action has been initiated to develop the irrigation canals from Kakinada to Peddaganjam (300 km) and North Buckingham Canal from Peddaganjam to Ennore Port (298 km) under Phase–I. River portions are planned to be developed in Phase-II after completion of construction of dams and navigation locks at Polavaram (on Godavari river) and at Pulichintala (on Krishna river). In the meanwhile, to assess the latest morphological conditions, detailed hydrographic survey in the entire length of NW-4 has been completed. Andhra Pradesh Government has agreed to conduct fresh delineation survey, hydrological study and inspection and survey of existing cross structures. Based on outcome of this study, IWAI would finalize strategies for developing the fairway either to Class–II or Class-III standard. A sub-office of IWAI has been set up at Vijayawada in the office premises of Irrigation Dept., for coordinating with State Government.

7.2 National Waterway- 5 (NW- 5)

An MoU was signed among IWAI, Government of Odisha, Paradip Port Trust and Dhamra Port Co. Ltd. on 30.06.2014 for developing 332 km stretch of NW- 4 in two phases. Under first phase, 207 km from Pankopal to Dhamra and Paradip; and in second phase, 125 km from Talcher to Pankopal will be taken up. Development works under Phase–I have however, been presently restricted between Erada and Paradip/ Dhamra due to need for re-construction of existing weir at Sujanpur and old barrage at Jokadia with suitable navigation locks. A sub-office of IWAI has been setup at Bhubaneswar for coordinating and monitoring the proposed developmental works. In addition, studies for developing the stretch under

phase-I have been taken up through M/s WAPCOS. Based on their report and recommendation of State Government., IIT Guwahati has been assigned the responsibility for conducting mathematical model studies for Brahmani river and its delta system for finding the design inputs on the construction of barrages and other cross structures for developing a fairway with 3.0 m LAD. In the meanwhile, to assess the latest morphological conditions, detailed hydrographic survey in the Talcher-Dhamra & Paradip stretch and Matai river of NW-5 has been completed. A co-ordination committee has also been constituted by Government of Odisha with members from IWAI, PPT, DPCL and concerned departments of Odisha which review the progress of development of NW-5 on monthly basis.

8. INDO-BANGLADESH PROTOCOL ON TRANSIT & TRADE

An Inland Water Transit and Trade Protocol exist between India and Bangladesh under which the two Governments agreed to make mutually beneficial arrangement for the use of their waterways for commerce between the two countries for passage of goods between two places in one country through the territory of the other, in accordance with the laws of the country through the territory of which goods are moving. The existing protocol routes are:

(i) Kolkata-Silghat-Kolkata, (ii) Kolkata-Karimganj-Kolkata, (iii) Rajshahi-Dhulian-Rajshahi, (iv) Silghat-Karimganj-Silghat. For inter-country trade, five ports of call Haldia, Kolkata, Pandu, Silghat and Karimganj in India and Narayanganj, Khulna, Mongla, Sirajganj and Ashuganj in Bangladesh have been designated in each country. The protocol came into existence in 1972 and being renewed from time to time. The existing protocol is valid upto March 2020. More than 19 lakh tones of Exim and Transit Cargo have been transported between Kolkata/ Haldia and Bangladesh/ North-Eastern part of India under this protocol during 2014-15.

9. HYDROGRAPHIC SURVEY ACTIVITIES

Hydrographic survey is the science of measurement and description of features which affect navigation, marine construction, dredging, sandchurs, submerged wrecks, and other feature demarcation and related activities. In respect of navigation, hydrographic survey is the most essential information required for decision making, related to planning and execution of developmental & maintenance activities, providing information to mariners/ users, publication of nautical charts etc. Strong emphasis is placed on soundings, shorelines, tides, currents, river morphology and submerged obstructions that relate to previously mentioned activities. In IWAI, the hydrographic wing also publishes Navigation Atlas and Pilots for the National Waterways providing supplementary information to the mariners. Details of NW wise hydrographic survey activities carried on the five declared waterways are presented in following paragraphs.

9.1 National Waterway -1

Thalweg surveys

Thalweg (longitudinal) surveys were conducted departmentally on fortnightly basis in lean season & on monthly basis during floods and River Notices issued (both in English & Hindi) to the IWT users. Total 27,307 line km of thalweg surveys were undertaken during the year. Stretch-wise details of surveys undertaken are shown in the chart below:-

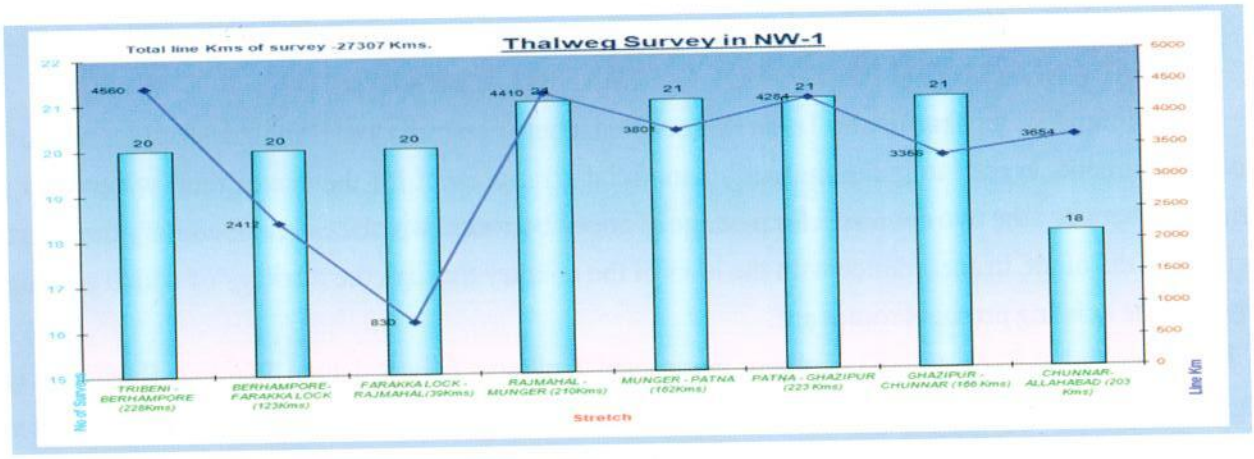

Detailed surveys

Pre & post bandalling and dredging surveys were conducted departmentally at 216 shoal locations, details are given below:-

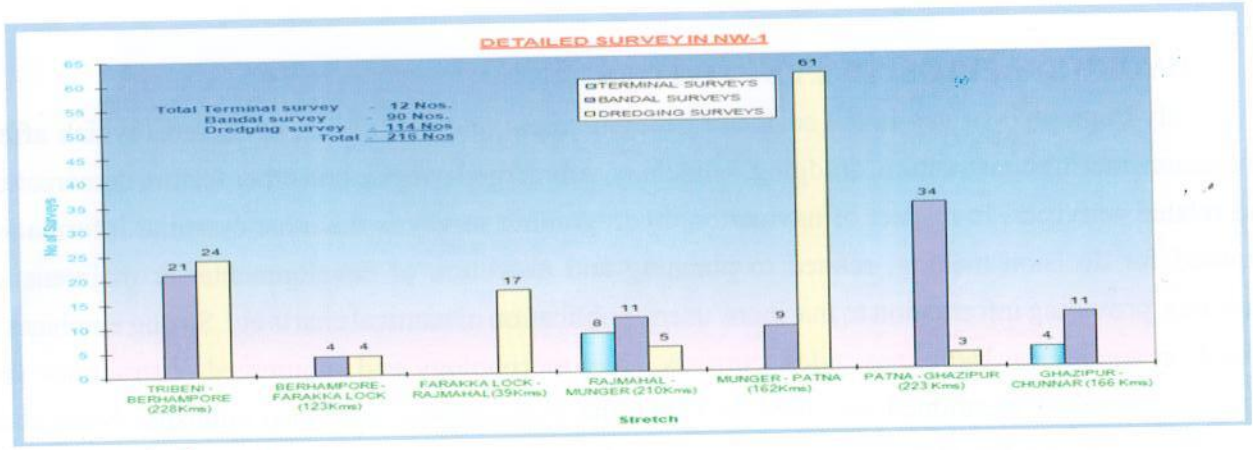

Terminal surveys

Terminal surveys were carried out at Manglaghat (Chainage: 589 km), Samadaghat (Chainage: 618 km), Bateshwarsthan (Chainage: 683 km), Bhagalpur (Chainage: 715 km) and Munger (Chainage:793 km) in Rajmahal- Munger stretch and Ramnagar (Chainage: 1318 km) and Kaithy in Ghazipur- Varanasi stretch of NW-1.

Other surveys

Swaroopganj office has undertaken the cross sectional survey of Ajoy river covering 18 km with sounding of 127 line km from confluence of Ajoy and Bhagirathi rivers to Rosui during July 2014. Farakka office conducted bank to bank surveys in the following locations:-

Location	*Chainage (km)*
1. Bagmari Syphon	529.0
2. Ganga confluence to Farakka pond	554.0
3. Dock lock to feeder canal	542.0-544.0
4. Mohammadpur	449.50
5. Farakka Barrage	544.0
6. Udhua U/s Ganga Mouth	552.0-560.0
7. D/s. Sasturihat Ferry	444.0

Indo-Bangladesh Protocol Route (Sunderbans)

Monthly thalweg surveys were carried out in Indo-Bangladesh Protocol route from Silver Tree point to Beharikhal (Bangladesh border). Total 1,872 line km of Thalweg survey were conducted and River Notices published on IWAI website.

9.2 National Waterway- 2

Thalweg surveys

Thalweg surveys were conducted departmentally on fortnightly basis in lean season & monthly basis during floods and river notices issued (both in english & hindi) to the IWT users. Total 15,480 line km of thalweg surveys were undertaken during the year. The stretch-wise details are shown below:-

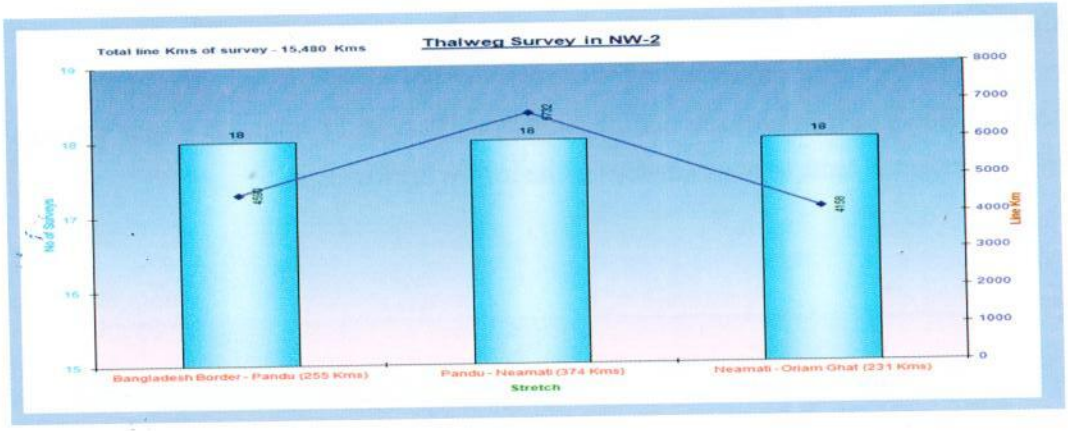

Detailed surveys

Pre & post bandalling, dredging surveys, terminals and cross section surveys were conducted departmentally at 182 shoal locations, details are given below:-

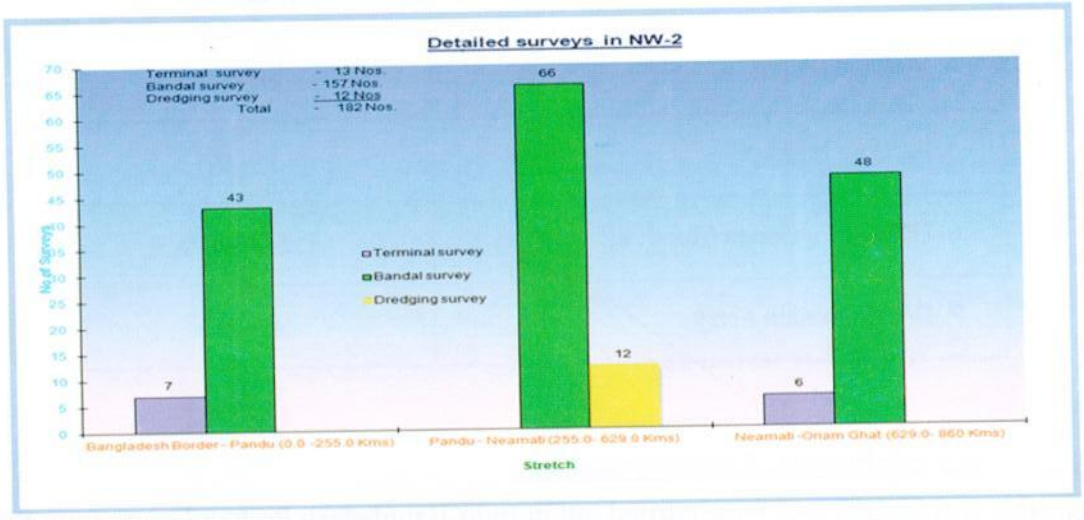

Terminal surveys

Terminal surveys were carried out at Dhubri (Chainage: 32 km), Jogighoppa (Chainage: 108 km), Bogibil (Chainage: 738 km), Sengajan (Chainage: 772 km) and, Oriyamghat (Chainage: 860km).

Other surveys

Bank to bank survey was been conducted between Dhubri & Fakirganj in a length of 3 km during the months of June and July 2014. Cross section surveys were conducted from Jogighopa to Goalpara in a length of 4.5 km during July 2014 and November 2014.

As per direction of Ministry of Shipping, detailed bathymetric survey from Samal Barrage to Rourkela (194.5 km) was also completed. Detailed bathymetric survey from Okhla barrage to Palla in river Yamuna of Delhi region (44 km) was also completed and report finalized.

DGPS Based Navigation systems

Keeping in view the commitment to introduce more reliable and safe inland navigation methods, IWAI has introduced navigation with DGPS (Differential Global Positioning System) technique in NW 1 & 2. Underb this initiative, DGPS stations at Swaroopganj, Bhagalpur & Patna in NW-1 and at Dhubri, Jogighoppa, Silghat & Dibrugarh in NW-2 have already been commissioned and are operational. Presently, DGPS connectivity is available in Sagar - Buxar stretch of NW-1 (1124 km) out of 1620 km and the entire stretch of NW-2 (891 km).

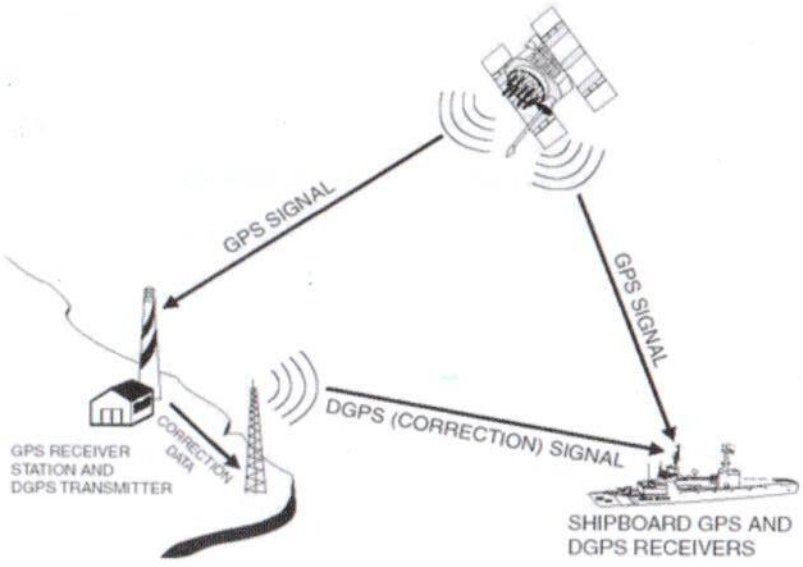

Working principle of DGPS station

The DGPS network facilitates efficient voyage of vessels plying in NW-1 and NW-2. The additional station at Dhubri is facilitating safe and effective navigation in a part of Indo-Bangladesh Protocol route also.

9.3 National Waterway-3

Thalweg surveys

Thalweg surveys were conducted departmentally in Kottappuram– Kochi- Kollam stretches (West Coast Canal) and Udyogamandal&Champakkara canals) on monthly basis and river notices issued (both in english & hindi). Total 2674 line km of thalweg surveys were undertaken during the year, the stretch-wise details are shown below:-

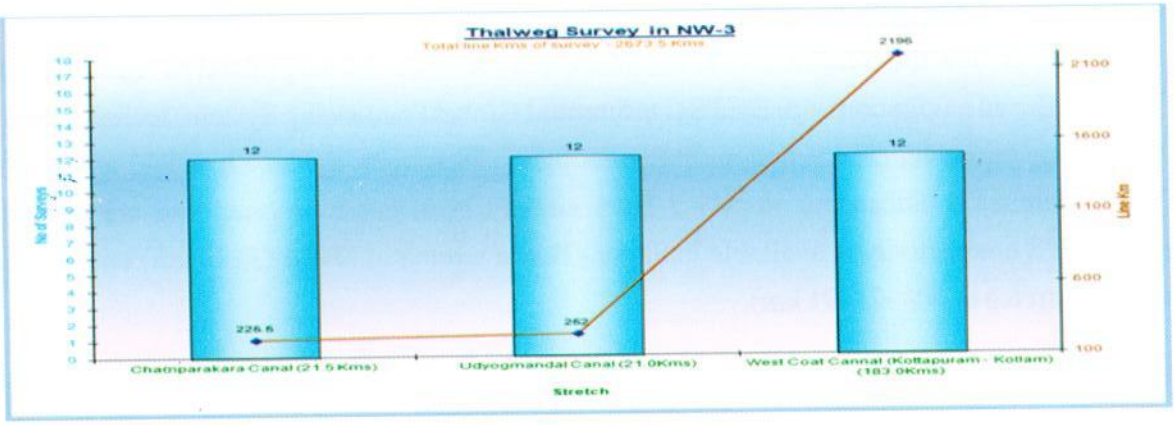

Detailed surveys

Pre & post dredging surveys were carried out at following locations:-

Particulars/ location	Pre/Post suruey	Chainage	Dredged Qty.
1. Thevara	Pre dredging	8.6-10 km	-
2. Chavara(N)	Post dredging	142.4-143.6 km	2606.30
3. Dalawapuram	Post dredging	173.25-173.45 km	3010.40
4. Ro-Ro Jetty	Pre dredging	3.1-5.0 km	-
5. Dalawapuram	Post dredging	173.24-173.83 km	10622.6
6. Kirikad Jetty	Post dredging	168.90-169.5 km	10687.8
7. Kirikad Jetty	Post dredging	142.70-143.60 km	20497.9

A total quantity of 27831.2 m^3 was dredged out during 2014-15.

9.4 National Waterway- 4

In order to assess the current status of navigable route and for their further development, detailed hydrographic surveys in the following stretches of NW-4 were undertaken. The status is as follows:-

S1#	Stretch	Status
1	River Godavari (Bhadrachalam to Rajahmundry) 171 km	Report and survey charts finalized
2	Kakinada Canal (Kakinada to Rajahmundry) 50 km	Report and survey charts finalized
3	Godavari Eluru Canal (Rajahmundry to Eluru) 74 Km	Report and survey charts finalized
4	North Buckingham Canal (Krishnapatnam to Ennore) 140 km	Report and survey charts finalized
5	South Buckingham Canal (Sholinganallur to Kalpakkam) 37 km	Report and survey charts finalized
6	South Buckingham Canal (Kalpakkam to Markanam) 53 km	Survey completed. Compilation of data, reports and charts are in progress.

	Kaluvelly Tank (Markanam to Puducherry) 22 km	
7	Commamur Canal (Vijayawada to Pedaganjam) 113 km	Survey completed. Compilation of data, reports and charts are in progress.
8	North Buckingham Canal (Pedaganjam to Krishnapatnam) 160km	Survey completed. Compilation of data, reports and charts are in progress.
9	River Krishna (Wazirabad to Vijayawada) 157 km	Survey work completed.
	Krishna Eluru Canal (Eluru to Vijayawada) 65 Km	

9.5 National Waterway-5

In order to assess the current status of navigable route and for their further development, detailed hydrographic surveys in the following stretches of NW-5 were conducted. The status is as follows:-

Sl#	Stretch	Status
1	Rivers Brahmani- Kharsua- Dhamra (Talcher- Dhamra) 265 km	Report and survey charts finalized
2	Matai river (Charbatia- Dhamra) 39 km	Report and survey charts finalized
3	Mahanadi delta rivers (Mangalgadi- Paradeep) 67 km	Report and survey charts finalized
4	Tantighai/Kani River system (Alternate route from Sujanpur to Padanipal) 46 Km	Report and survey charts finalized
5	Hansua-Kharnasi & between the river mouths (Alternate route from Rajnagar to Paradip) 26 km	Report and survey charts finalized
6	Atharabanki creek (Mahanadi to Paradip port) 4km	Report and survey charts finalized
7	Detailed bathymetric survey in NW-5 for the stretches Padanipal to Jokadia along the Kani river (including 10km tributary) (83kms)	Report and survey charts finalized
8	Thalweg Survey from Jokadia to Dhamra and Paradip (230 km)	Work awarded for commencement of survey from April 2015

9.6 Survey Vessels

All the Survey vessels are fitted with the state-of-the art survey equipment like Automated Hydrographic Survey System integrated with digital echo sounder, DGPS receivers, laptop/ desk top and current meter sets for data collection, processing and printing. The following survey vessels in different waterways are operational and deployed for survey work:-

NW.1		NW.2	NW.3
1.S.L.Koel	7.S.L.Mandakini	1.S.L Lohit	1.S.L. Pamba
2.S.L.Dwarkeswar	8.S.L.Gandak	2.S.L.Subansiri	
3.S.L.Megna	9.S.L.Punpun	3.S.L.Barak	
4.S.L.Anupallav	10.S.L.Kosi	4.S.L.Burhi Dihing	
5.S.L.Kamla	11.S.L.Rihand	5.S.L.Dibang	
6.S.L.Ghaghra	12.S.L.Dihang		

Eight FRP boats along with 25 HP OBMs were added to the above mentioned survey vessel fleet and deployed at Swaroopganj, Farakka, Varanasi, Dhubri, Dibrugarh, Kochi and at Patna.

9.7 Setting up of River Information Services (RIS) System in NW-1 (Ganga)

River Information Services (RIS) are equipment hardware and software information technology (IT) related services designed to optimize traffic and transport processes in inland navigation. The system enhances swift electronic data transfer between mobile vessels and shore (base stations) through advance and real-time exchange of information. RIS aims to streamline the exchange of information between waterway operators and users. IWAI took up this above technologically challenging project of setting up of RIS on NW-1 for the first time in India. The project is being implemented in three phases namely Haldia- Farakka (Phase-1), Farakka- Patna (Phase- 2) and Patna- Varanasi (Phase- 3).

RIS equipment onboard IWAI vessels

In phase-I the work was awarded to the equipment supplier for supply, installation, operation and maintenance of equipment on 27.3.2014. The project includes supply, installation, commissioning of equipment for RIS system in 30 nos floating vessels, 7 base stations and 2 control stations. Post warranty period, the

agency would provide services for operation & maintenance and Comprehensive Annual Maintenance Contract for 3 years. All the items have been imported during the year and installation completed. In the phase-II, the tenders have been floated and five bids from reputed agencies were received and price bids were scheduled to open in May 2015. Phase- 3 would be acted upon in 2015-16.

9.8 Cartographic Cell

The cartographic cell in IWAI Head Office Noida is equipped with modern equipment & software for preparation of Digital Charts using Geographic Information System (GIS) & Image Processing Software like CARIS, ERDAS Imagine, Auto CAD, etc. The cartographers of IWAI have been trained in using GIS software & image processing software. In the cartographic section, the newly identified 101 waterways have been explored and river courses have been digitized using state of art computer hardware and software installed in the Cartographic Lab for preparation of scheme & calling tenders. During 2014-15, Satellite data from National Remote Sensing Centre (NRSC), Hyderabad was obtained for all waterways and the same has been processed/ digitized using Caris GIS software. The land marks, topographical features of Survey of India (SOI) digital data were compiled with field Hypack survey data as well as latest NRSC data for preparation of Electronic Charts.

9.9 Seminars/ Workshops

(i) A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between IWAI and the Dedicated Freight Corridor Corporation of India (DFCCIL) on 19th March 2015 for creation of logistics hubs with rail connectivity at Varanasi and other places on the National Waterways.

(ii) IWAI has also organised a Workshop on 'Dredging in Inland Waterways and Shallow Waters' on 20th Jan.' 2015.

(iii) IWAI has participated in "User International Meet" organized by Remote Sensing Centre, ISRO, Hyderabad during 21st & 22nd January 2015. The objective of the conference was to generate and provide satellite imageries of different resolutions for planning and execution of various works.

User International Meet -Participants

10. NATIONAL INLAND NAVIGATIONAL INSTITUTE (NINI), PATNA.

The National Inland Navigation Institute (NINI) was set up by Inland Waterways Authority of India (IWAI) at Patna, Bihar in February 2004 with a view to develop human resource for the Inland Water Transport sector. The management and administration of NINI, Patna is under M/s. ARI Pvt. Ltd, New Delhi in consultation with Program Advisory Committee of IWAI. The major achievements during the year 2014-15 were as follows:-

A. The following activities were carried out with regards to conducting of courses:

Induction Training GP Rating Course (21st & 22nd Batch)

- Conducted internal final examinations (written and oral) for General Purpose Rating Induction courses in months of July 2014 and January 2015.
- The GP Rating (IV) trainees were imparted practical training on board training ship Survekshak and Inland Vessel Training Simulator.
- Training in the following four DG Approved Basic Courses provided:
    - Elementary First Aid (EFA)
    - Fire prevention and Fire Fighting (FPFF)
    - Personal Survival Technique (PST)
    - Personal Safety and Social Responsibility (PSSR)

Preparatory Course for Inland Vessel Certificate of Competency

- Conducted the following Preparatory Courses for Inland Vessel Examinations:
    - Serang
    - Master Class II
    - Second Class Engine Driver
    - First Class Engine Driver

Conducting Inland Vessel Examination on behalf of Govt. of Bihar

- Examination conducted for candidates desiring to obtain Certificate of Competency as Inland Vessel Rules, Govt. of Bihar for the following categories:
    - Serang
    - Master Class II
    - Master Class I
    - Second Class Engine Driver
    - First Class Engine Driver
    - Inland Engineer

	Serang	Master Class-II	Master Class-I	Engine Driver Class-II	Engine Driver Class-I	IV Engineer
Total Appeared	20	0	47	48	11	0
Passed	18	0	32	31	4	0
Failed	2	0	15	17	7	0

B. TRAINING

NINI conducts training on regular basis and advertises its course schedule in maritime magazines and national newspapers.

- Placement of trainees of rating Induction course Deck and Engine arranged with private barge operators.
- The Training record books issued to trainees placed on various vessels as on board trainees.

- NINI keeping a record of all the trainees on vessels with respect to their leaves, payments and the trainings by operating a separate placement cell.
- Database of COC examination and certificates being maintained.

Practical Training

C. HUMAN RESOURCE

The institute has developed a pool of faculty members and instructors for management of the institute. The institute deploys faculty in three categories namely regular consulting faculty, regular visiting faculty and need based visiting faculty.

D. AFFILIATIONS AND ASSOCIATIONS:

- The ISO 9001:2008 certificate by ABS renewed subsequent to their inspection of the institute.
- NINI conducting the COC (certificate of competency) exams in NINI Campus for IWT Bihar Govt.

E. SEMINARS AND CONFERENCES

- Workshop on Business Opportunity in IWT Sector at NINI, Patna on 22.08.2014.
- Workshop on Business Opportunity in IWT Sector at Varanasi in Sept'2014
- Seminar on Dredging at New Delhi on 20.01.2015
- Workshop on Construction of Country Boat at NINI, Patna on 20.02.2015
- Workshop on Dredging & Types of Dredgers at NINI, Patna on 13.03.2015

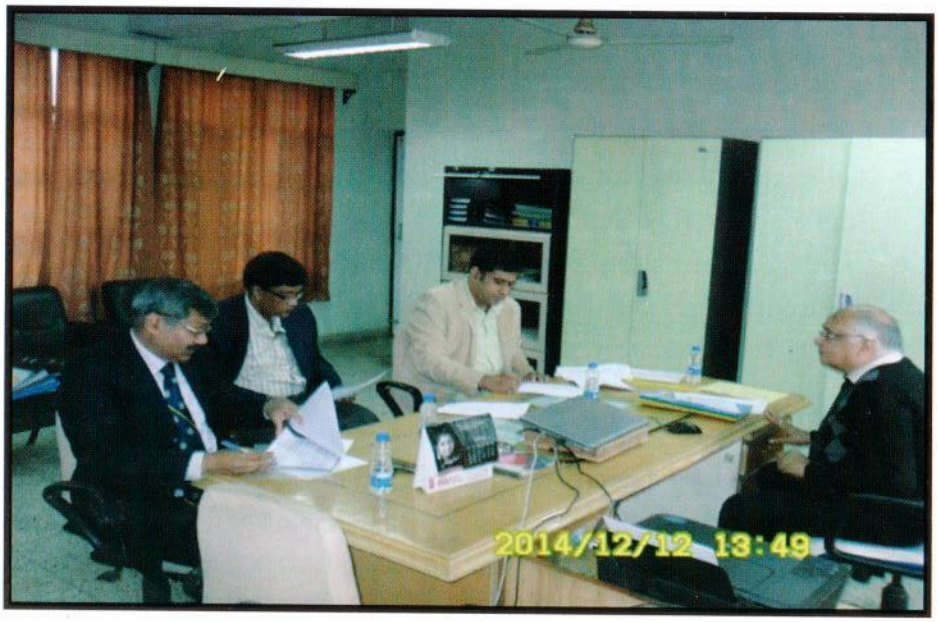

Inspection of DG Shipping

Swimming Pool Inauguration

F. Marine Simulator Centre, NINI

The Marine Simulator Centre was established in the NINI campus with Joint Venture agreement with M/s.ARI Pvt Ltd and conducted course for Merchant Marine Officers.

Training for Merchant Marine Officers

- The following courses carried out as per schedule:
  - Radar Observer Simulator Course (ROSC)
  - Automatic Radar Plotting Aid (ARPA)
  - Ship maneuvering Simulator (SMS)
  - Liquid Cargo Handling Simulator (LCHS)
  - Electronic Chart Display & Information System (ECDIS)
  - Bridge Team management

11. INDO-MYANMAR KALADAN MULTIMODAL TRANSIT TRANSPORT PROJECT

IWAI is the Project Development Consultant (PDC) of Ministry of External Affairs (MEA) for implementation of Port & IWT components of Kaladan Multimodal Transit Transport Project in Myanmar. The project is piloted and funded by MEA. An agreement between MEA and IWAI was signed on 19.3.2009. M/s Essar Projects (India) Ltd. is the main contractor appointed by MEA for the capital works being implemented in Myanmar under IWAI's supervision. M/s URS Scott Wilson India Pvt. Ltd, Gurgaon are IWAI's Supervision Consultants for the project. As on 31.03.2015, the overall physical and financial progress of the works were 85% and 80% respectively. The highlights of physical progress are as follows:

<u>Sittwe</u>

- Reclamation of land for backup facilities – 96% completed
- Construction of Rubble mounted Dyke -90% completed.
- The Approach Jetty for both the Port & IWT Jetty – 100% completed.
- Main Jetty piling work for both the Port & IWT – 100% completed
- Concrete works for IWT & Port Jetty at Sittwe - 100% completed.
- Quantity of approx. 11 Lakhs Cu.m. (Total quantity 12.0 lakhs Cu.m), which is about 95% of the dredging at Sittwe port area has been completed.
- Construction of backup facilities structures (Port Office, IWT Office, Covered Storage, Electrical & Generator room, Canteen/rest room etc.) is in advance stage of completion.
- Erection of 10 T Level Luffing crane at Port jetty is in progress and expected to be completed by July 2015.
- Construction of 6 Nos. of Barges 300 T capacities each started in March 2013 is in progress at Yangon through IWT, Government. of Myanmar, who is the sub- contractor for this component.
- Construction of Drain (additional item) is completed.
- Installation of Navigational aids is in progress- 95 % completed

Paletwa

- Construction work of IWT terminal started in April 2013
  Major part of earthwork & excavation work is completed.
- The Approach Jetty work – 100% completed.
- Main Jetty piling work – 100 % completed.
- Concrete works for IWT Jetty at Paletwa - 95% completed.
- Backup facility works like IWT Office, Covered Storage, Electrical & Generator room, Canteen/rest room etc. is in progress.
- River dredging work for 4 Nos. of shoal area (Total 6 Nos. of Shoals) is completed and dredging at 5th shoal location is in progress. Dredging work is in progress with CSD Dredgers of M/s. DWIR, Government. of Myanmar (Sub-contractor for River dredging work) and 65% of the work is completed.

IWAI in its role of PDC also maintained regular coordination with all relevant stake holders like MEA, Embassy of India-Yangon, Ministry of Shipping, Ministry of DoNER, Government of Myanmar, Contractors and Consultants for implementation of the project.

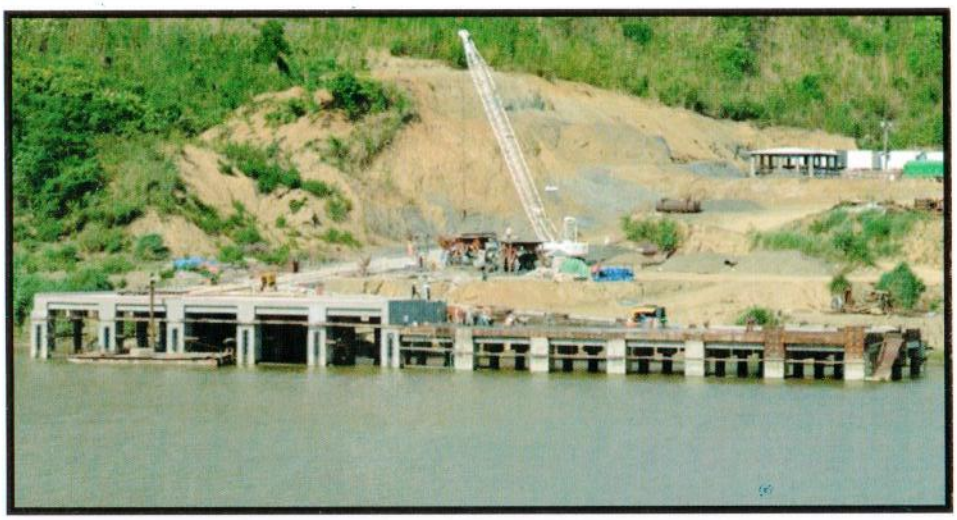

Construction of IWT Jetty at Paletwa

12. DETAILS OF CARGO MOVEMENT DURING 2014-15

Inland water transport to function as a supplementary and reliable mode of transportation requires confidence building measures in the shippers in terms of guaranteed fairway with required depth, 24 x 7 navigational facilities, terminal and storage facilities along with mechanically loading and unloading facilities. While the Inland Waterways Authority of India (IWAI) has been relentlessly developing the National Waterways 1, 2 and 3 for providing all the infrastructural facilities that are required for seamless movement of cargo vessels, the shortage of vessels in the IWT market is one of the stumbling blocks for continuous cargo movement. 4 out of 7 cargo vessels owned by IWAI have been deployed for operations on National Waterways-1, 2 and Indo Bangladesh Protocol Route either on

bareboat charter or voyage charter basis. There is regular over dimensional cargo (ODC) movement on National Waterways as it is generally not feasible to move such cargo on railways and roads. 9 consignments of ODC on National Waterway–1 and Indo-Bangladesh protocol route from Kolkata have been moved this year carrying a total of 4689 MT of ODC mainly intended for power projects. There is regular movement of tourism cruise vessels on National Waterway–1 and National Waterway–2. The companies involved in leisure cruise operations are M/s Heritage, M/s Assam Bangladesh Navigation, Brahmaputra Cruises Private Limited and M/s Horizon Tours. The tourist circuits on the National Waterway–1 are Kolkata- Semaria/ Rajmaha/ Patna/ Buxar-Kolkata on National Waterway–1 and Jorghat to Pandu on National Waterway –2. Privately owned house boats and tourist boats in the National Waterway–3 have immensely contributed to tourism development on National Waterway–3. Fly ash from IWAI pontoon jetties at Haldia Dock complex and GR Jetty is continuously transported to Bangladesh. A total of 19.6 lakh MT of fly ash moved to Bangladesh through the protocol route during 2014-15. Transportation of imported coal from Sagar Island to Farakka NTPC plant has been ongoing smoothly. M/s Jindal ITF has moved about 5.06 lakh MT of coal during the year. A similar project for NTPC plant at Barh is being envisaged.

13. Jal Marg Vikas Project

1. Hon'ble Union Finance Minister, in his Budget Speech for 2014-15, delivered on 10.07.2014, made an announcement that a project on the river Ganga called **'Jal Marg Vikas'** (National Waterways-I) would be developed between Allahabad and Haldia to cover a distance of 1,620 kms, which would enable commercial navigation of at least 1,500 ton vessels and that the project would be completed over a period of six years at an estimated cost of Rs. 4,200 crore. The Jal Marg Vikas Project is being implemented with technical assistance and investment support from the World Bank.

2. A project Management Unit, with Member (Finance & Traffic) as the Project Director was set up in June, 2014. Seven other functionally essential specialists for administration, engineering, procurement, environment, business development strategy and communication were also engaged in the PMU to assist the Project Director with the pre-appraisal activities related to the Project.

3. Ministry of Shipping issued a Gazette Notification in October, 2014 designating the Inland Waterways Authority of India (IWAI) as the Implementing Agency for the Jal Marg Vikas Project.

4. A Project Oversight Committee (POC) under the chairmanship of Chairman, IWAI, with representatives from the stakeholder State Governments of Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand and West Bengal and also from the Central Water Commission, was set up in September 2014 to provide critical guidance and evaluation of the Project.

5. Detailed and elaborate selection process for engagement of the following three consultancies, involving framing of Terms of Reference, publication of Expression of Interest, short-listing of respondents, preparation of RFP, evaluation of technical bids and financial bids, all in consultation with the World Bank, was completed after due diligence in terms of the consultancy procurement guidelines of the World Bank:

   (i) Consultancy for Detailed Feasibility Study for Capacity Augmentation of National Waterway-1 and Detailed Engineering for its Ancillary Works and processes.

   (ii) Consultancy for Environmental and Social Impact Assessment (ESIA), Environmental Management Plan (EMP) and Resettlement Action Plan (RAP).

   (iii) Consultancy for Inland Water Transport (IWT) Sector Development Strategy and Business Development.

6. The World Bank conducted two Scoping Missions on NW-1: the first in August, 2014 and the second in February, 2015. The World Bank concluded in their Aide Memoire that the Project Management Unit was continuing to provide excellent management oversight in procurement of key project preparatory consultancy services in engineering, environment and social impact assessment and IWT sector strategy, business & market development study.

14. FINANCIAL PERFORMANCE

A. INCOME & EXPENDITURE

During the financial year 2014-15 a sum of Rs.14208.70 lakh was received from the Government of India, Ministry of Shipping and a sum of Rs.913.87 lakh was earned by the Authority by way of interest on short term deposits, sale of tender forms, over dimension Cargo/general Cargo movement, berthing/Pilotage chargers etc. The major scheme-wise expenditure is indicated below:-

(Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous Year 2013-14	Current Year 2014-15
1.	Technical Studies	100.00	77.00
2.	Loan Interest Subsidy / IVBBS	-	-
3.	**National Waterway No – 1**		
a.	River Conservancy Works	4165.72	3703.23
b.	Construction of Cargo berth/ Terminals	446.63	153.19
c.	Construction of Dredgers & allied vessels	75.99	-
d.	Acquisition of work boats	-	878.16
e.	Procurement of steel Pontoon	-	-
f.	Construction of office Building at Patna	110.87	-
g.	Procurement of Survey Equipment	27.16	-
h.	Installation of DGPS Station	-	33.54
i.	Office Building at Patna	921.29	78.62
j.	Installation of RIS System	36.30	1047.57
k.	NINI	315.29	304.86
4.	**National Waterway No – 2**		
a.	River Conservancy Works	1207.24	1403.77
b.	Construction of Terminals	3581.30	839.26
c.	Construction of Dredgers & allied vessels	69.92	-
d.	Construction of work boats	-	1358.11
e.	Development of Protocol route (single boats)	-	132.31
f.	Construction of survey equipment	5.71	-
5.	**National Waterway No. – 3**		
a.	River Conservancy works	1912.97	943.12
b.	Construction of Terminals	41.74	86.97
c.	Procurement of survey equipment	8.66	35.44

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous Year 2013-14	Current Year 2014-15
6.	**National Waterway No. – 4**		
a.	Development work	85.30	179.06
7.	**National Waterway No. – 5**		
a.	Development work	76.00	61.86
8.	I.T. activities expenses	22.15	9.77
9.	Vertical expansion of office cum R&D complex at Noida	-	6.51
10.	Jal Marg Vikas (Allahabad – Haldia) World Bank Project	-	78.39
11.	IWT Development Fund	287.13	203.36
12.	Establishment (including I. Tax)	4763.64	3589.77
	Total	**18261.01**	**15203.87**

B. Source and Application of Funds :-

(Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous Year 2013-14	Current Year 2014-15
	SOURCE		
1.	Increase in Capital Grant	5965.43	3243.00
2.	**Decrease in working capital**	-	3569.72
3.	Excess of income over expenditure for the year	-	-
4.	Decrease in capital working progress	-	2675.11
	Total	**5965.43**	**9487.83**
	APPLICATION		
1.	Increase in fixed assets	3369.98	9487.83
2.	Increase in capital work in progress	850.62	-
3.	Increase in working capital	1744.83	-
	Total	**5965.43**	**9487.83**

C. CASH FLOW STATEMENT

(Rs. in Lakh)

	F. Y. 2013-14	F. Y. 2014-15
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITY		
Excess of expenditure over Income	(1,316.16)	(1,903.91)
Revenue Grant from Govt.	-	(11,817.44)
Capital Reserve	(6.04)	(6.19)
Deprecation	2,598.75	2,882.14
Replacement Reserve	(2,598.75)	(2,875.99)
Interest Paid	-	-
Less: Interest Income	(261.40)	(333.74)
Add.: Write off/Loss on sale of Fixed assets	3.64	21.04
Less: Profit on sale of Fixed Assets		
Provision for Obsolesce of stock	-	-
Provision for employee benefits charged to opening reserves	-	-
Operating Profit	**(1,579.96)**	**(14,034.09)**
Adjustment for working capital changes		
Decrease/ Increase in stocks	1.60	(86.59)
Decrease/ Increase in loans & Advances	(2,274.32)	3,341.08
Increase/ Decrease in Deposits on A/c of others	(201.79)	727.63
Increase/ Decrease in current liabilities	220.11	820.43
Decrease/ Increase in other liabilities and provisions	2,630.95	1,110.77
Cash generated from operations	**(1,203.41)**	**(8,120.77)**
Income Tax (Net)	-	-
Net Cash from Operating Activities	**(1,203.41)**	**(8,120.77)**
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (a)		
Purchase of Fixed Assets	(3,426.94)	(9,661.46)
Sale of Fixed Assets	56.96	173.62
Loss on sale of Assets	(3.64)	(21.08)
On account of Replacement Reserve	6.53	-
Decrease in CWIP	(850.62)	2,675.11
Investment in Govt. Securities	-	(168.86)
Sale of other than Govt. Securities	-	49.97

(Rs. in Lakh)

	F. Y. 2013-14	F. Y. 2014-15
Govt. Grant Received	17,337.21	15,081.82
Interest Income	261.40	333.70
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (b)	**13,380.90**	**8,462.82**
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITY		
Increase/Decrease in bank overdraft	-	-
Dividend & Corporate Dividend Tax	-	-
Interest Paid	-	-
Net Cash from Financing Activities (c)		
Total Increase / Decrease in cash and cash equivalents during the year	261.97	342.05
Cash & Cash equivalents at the beginning of the year	3,142.36	3,404.33
Cash & Cash equivalents at the end of the year	**3,404.33**	**3,746.38**

15. Implementation of Official Language Policy of Union in the Authority : 2014-15

The Authority is committed to implement official language policy of the union in all its activities in a progressive manner. Hindi workshops and other related activities were periodically organized at the head office and regional offices. Hindi fortnight/week/day was organized at the Head Office and Regional Offices. On this occasion different types of Hindi competitions were organized in all the offices.

The Authority has been entrusted with the additional responsibility of implementing the official language policy of the Union in all the member offices of the Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Noida by the Department of Official Language of the Ministry of Home Affairs. The Chairman of the Authority is the Chairman of T.O.L.I.C., Noida. A half-yearly meeting was organized regularly to discuss problems and difficulties being faced by the different member offices of the T.O.L.I.C., Noida. In order to encourage personnel of the member offices to work more and more in Official Language Hindi different types of Hindi Competitions, Workshops and other related activities were organized from time to time under the auspices of T.O.L.I.C., Noida. Also, the children of the personnel of member offices who secure outstanding marks in 10th and 12th examinations are awarded each year with 'Hindi Pratibha Award".

16. Personnel and Administration

As on 31-03-2015, 30 Officers & 64 staff at the head office and 49 Officers & 165 staff in the field offices were in position. The Authority has approved a proposal for restructuring of posts and the proposal is under active consideration of the Govt.

ACKNOWLEDGEMENT

IWAI places on record its appreciation of the sincere efforts and contribution made by the employees at all levels.

IWAI also acknowledges the assistance and support given by the Ministry of Shipping, Comptroller & Auditor General of India and other Government departments and other agencies.

FOR AND ON BEHALF OF
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

(AMITABH VERMA)
CHAIRMAN

INLAND WATERWAYS

BALANCE SHEET AS

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	CAPITAL & LIABILITIES	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	CAPITAL			
9,437,244	Capital u/s 11(i)(c)		9,437,244	
8,260,930,832	Capital Grant u/s 18		8,585,231,285	
(1,640,352,209)	Less replacement reserve		(1,934,434,668)	
(7,838,520)	Lease rent written off		(5,976,407)	6,654,257,454
	RESERVES & SURPLUS			
14,995,367	Capital Reserves		15,010,367	
(6,165,472)	Deduction		(6,784,509)	8,225,858
	General Reserves			
	Deduction			
	BORROWINGS			
	CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS.			
313,546,878	Current Liabilities	I	395,590,039	
280,758,382	Provisions		391,835,091	
97,864,398	Deposits held on account of others		170,626,939	958,052,069
7,323,176,900	**TOTAL**			**7,620,535,381**

Schedule I to VIII form an integral part of accounts.

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(R. P. KHARE)
Member (Technical)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2015

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PROPERTY & ASSETS	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
	FIXED ASSETS	II		
5,835,253,912	Gross Block		6,784,036,815	
1,646,517,681	Less Depreciation		1,941,219,177	
4,188,736,231	Net Block		-	4,842,817,638
26,582,684	Lease land		24,448,916	
(7,838,520)	Less written off		(5,976,407)	18,472,509
1,290,083,699	Capital work-in-progress			1,022,573,182
-	**INVESTMENTS (AT COST)**		-	-
54,375,213	Govt.Securities		-	71,261,202
5,300,000	other than Govt.Securities		-	303,289
	CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	III		
38,874,160	Stores, Spares & Tools		47,532,851	
-	Sundry Debtors		-	
1,255,014,199	Deposits, Loans & Advances		920,906,618	
340,433,081	Cash & Bank Balances		374,637,566	1,343,077,035
	MISC. EXPENDITURE			
131,616,153	Income & Expenditure Account (Debit Balance)			322,030,526
7,323,176,900	**TOTAL**			**7,620,535,381**

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS
INCOME & EXPENDITURE

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	EXPENDITURE	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	OPERATIONAL & MAINTENANCE EXPENSES	IV		
292,630,427	Pay & Allowances & other staff costs		204,495,317	
73,790,829	Surveying		95,359,068	
316,251,450	Dredging		195,296,899	
44,624,619	Bandalling		64,970,466	
-	Aids to Navigation &			
12,880,358	Channel Marking		15,653,381	
	Barging			
58,645,166	Terminal Facilities		108,018,802	
37,098,794	Repairs of Vessels		101,205,706	
30,417,097	Training Institute NINI		27,175,095	
68,080,517	Night Navigation		76,392,055	
-	Maintenance of lock		-	
-	Bank Protection		117,459,000	
-	River Training Work		-	
12,038,833	Protocol		12,524,495	
47,551,849	Other Administrative & Misc. Expenses		54,365,485	1,072,915,769
	ADMINISTRATIVE EXPENSES			
158,520,512	Pay & Allowances & Other Staff Costs	V		117,183,737
22,182,104	General & Other Expenses	VI	-	24,792,313
	Financing Charges		-	-
118,298	Bank Commission/Charges		-	70,783
2,215,387	Interest I.T.Expenses			977,157
	Bad debts written off			
	Foreign Exchange			
11,908,443	Technical Studies & Consultancy Charges		-	8,743,680
-			-	
259,875,183	Depreciation		-	288,213,604
-	Subsidy		-	-
363,694	Loss on sale/ valuation/		-	2,108,001
-	written off of assets			
28,712,739	IWT Promotional Activities		-	19,513,142
1,049,559	Prior Period Adjustment account			29,300,172
1,478,955,858	**TOTAL**			**1,563,818,358**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO (I/C)

(R. P. KHARE)
MEMBER (TECHNICAL)

AUTHORITY OF INDIA

FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2015

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	INCOME	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
1,137,176,551	Revenue Grant from Govt			1,181,741,586
26,140,436	Interest/ Income			33,374,196
	Consultancy fees			-
-	Storage & Handling Charges			6,500
-	Wharfage			204,176
	Demurrage			-
362,553	Pilotage Charges			502,032
2,611,242	Berthing Charge			2,669,715
24,989,603	Others			43,862,706
27,122,619	Misc. Receipts			12,777,163
677,671	Rent terminal			466,680
	Capital reserve as per Contra			619,037
259,875,183	Replacement reserve as per Contra			287,594,567
-	Profit on sale of fixed assets			-
-				
-	Prior Period Adjustment			-
	Excess of expenditure over income carried over to Balance Sheet			
1,478,955,858	TOTAL		-	1,563,818,358

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

OTHER SCHEDULES

&

AUDIT REPORT

SCHEDULE - I

CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS AS ON 31.03.2015

Previous year (Rupees)	Particulars	Current Year (Figure in rupees)	
	(A) CURRENT LIABILITIES		
-		-	
594,216	(i) Liability for sundry Creditors	1,485,150	
142,843,488	(ii) Liability for Expenses	223,254,486	
-	(iii) Grant Received in surplus		
170,109,174	(iv) Others	170,850,403	395,590,039
	(B) PROVISIONS		
13,789,783	(i) Provision for Gratuity	-	
1,216,208	(ii) Provision for Leave Salary& pension contribution (Deputation)	1,143,071	
1,029,792	(iii) Provision for Bonus	904,948	
254,219,638	(iv) Provision for pension contribution	389,708,507	
10,502,961	(v) Provision for leave encashment.	-	-
-	(vi) Provision for new pension	78,565	391,835,091
	(C) DEPOSITS HELD ON ACCOUNT OF OTHER		
97,864,398	Sundry parties	170,626,939	170,626,939
692,169,658	**TOTAL**		**958,052,069**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

INLAND WATERWAYS
SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2015
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
NOIDA	Survey Equipment	4,490,899	-	(1,987,733)	2,503,166
	Vehicles	2,312,373	-	-	2,312,373
	Furniture & Fixture	5,135,946	35,034	-	5,170,980
	Office Equipment	4,755,666	109,074	-	4,864,740
	Electric Installation	10,185,045	-		10,185,045
	Air Conditioners	19,057,551	1,481,435		20,538,986
	Water Coolers & Refrigerators	182,751	-		182,751
	Fans & Air-Coolers	1,183,023	-		1,183,023
	Generator Set	6,934,618	112,577		7,047,195
	Cycle	27,711	-		27,711
	Temporary Structure	539,260	-		539,260
	Library Books	995,201	125,545		1,120,746
	Computer	15,990,416	454,526	-	16,444,942
	Communication equip.	778,471	-		778,471
	Building	103,744,840	909,663		104,654,503
	Computer Software	1,515,011	-		1,515,011
	Residence Quarter	30,732,753	-		30,732,753
	Car Parking	23,392,491	-		23,392,491
	Passenger Lift	4,612,400	-		4,612,400
	TOTAL (A)	**236,566,426**	**3,227,854**	**(1,987,733)**	**237,806,547**
KOLKATA	Terminal	57,818,441	365,938,000	(1,320,000)	422,436,441
	Vehicles	1,213,641	1,141,146		2,354,787
	Furniture & Fixture	1,449,466	-		1,449,466
	Office Equipment	543,174	108,393	-	651,567
	Electric Installation	67,889	-	-	67,889
	Survey Instruments	25,320,365	126,235		25,446,600
	Library Books	124,965	2,570		127,535
	Speed Boats	2,961,016	-		2,961,016
	Vessels Ordinary	206,125,218	865,786		206,991,004
	Fans & Air Coolers	76,323	-		76,323
	Communication Network	450,413	-		450,413
	Barges	120,209,101	457,501		120,666,602
	Cycles	5,975	-		5,975
	Vessel Dredging Unit	492,389,907	-		492,389,907
	Computers	2,571,982	13,500		2,585,482
	Computers Software	1,679,784	-		1,679,784
	Night Nav. Equipment	39,359,023	4,909,125	(417,405)	43,850,743
	Air Conditioner	658,854	-	-	658,854
	Generator Set	1,185,869	-		1,185,869
	DGPStation	14,215,359	-		14,215,359
	TOTAL (B)	**968,426,765**	**373,562,256**	**(1,737,405)**	**1,340,251,616**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(R.P. KHARE)
Member (Technical)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2015

SCHEDULE - I I

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2015	NET BLOCK AS ON 31.03.2015
AS ON	FOR THE			
31.3.2014	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
3,072,153	118,900	(1,888,346)	1,302,707	1,200,459
1,222,842	182,838		1,405,680	906,693
3,239,960	177,267	941	3,418,168	1,752,812
1,672,001	171,306	241,347	2,084,654	2,780,086
1,239,538	478,788	2,679	1,721,005	8,464,040
2,243,444	975,602		3,219,046	17,319,940
75,076	3,490	41,274	119,840	62,911
831,464	54,775	(1,378)	884,861	298,162
1,000,251	334,742		1,334,993	5,712,202
23,331	1,185	(723)	23,793	3,918
539,260	-	-	539,260	-
995,201	125,545		1,120,746	-
12,122,946	987,269	(961)	13,109,254	3,335,688
385,329	-	354,219	739,548	38,923
7,381,789	1,928,281	17,983,829	27,293,899	77,360,604
1,041,235	138,147		1,179,382	335,629
6,011,328	500,944		6,512,272	24,220,481
1,111,143	1,111,143		2,222,286	21,170,205
219,089	219,089		438,178	4,174,222
44,427,380	**7,509,311**	**16,732,881**	**68,669,572**	**169,136,975**
22,231,764	12,956,946	(376,200)	34,812,510	387,623,931
1,154,735	135,568		1,290,303	1,064,484
598,260	110,640		708,900	740,566
239,756	59,868		299,624	351,943
18,314	6,450	-	24,764	43,125
12,802,653	1,203,443	-	14,006,096	11,440,504
124,965	2,570		127,535	
2,490,993	96,084		2,587,077	373,939
74,556,465	7,015,316		81,571,781	125,419,223
33,904	6,608		40,512	35,811
281,599	16,950		298,549	151,864
25,156,545	4,090,596	45,841	29,292,982	91,373,620
3,501	297		3,798	2,177
139,014,862	24,213,726		163,228,588	329,161,319
1,996,571	190,152		2,186,723	398,759
1,164,636	182,103		1,346,739	333,045
10,735,962	4,165,825	(168,807)	14,732,980	29,117,763
86,900	41,706	-	128,606	530,248
147,855	75,066	-	222,921	962,948
2,025,690	899,832		2,925,522	11,289,837
294,865,930	**55,469,746**	**(499,166)**	**349,836,510**	**990,415,106**

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2015
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
PATNA	Land	35,051,542	-		35,051,542
	Vehicle	886,075	1,096,542	-	1,982,617
	Furniture & Fixture	508,394	1,584,114	(31,273)	2,061,235
	Office Equipment	411,874	43,000	(273,611)	181,263
	Electric Installation	37,801	-	(30,916)	6,885
	Air Conditioners	133,348	1,076,677	-	1,210,025
	Fans & Air Coolers	32,925		(32,925)	-
	Water Coolers &	-			-
	Refrigerators	41,699	-	(10,249)	31,450
	Generator Set	61,962		(61,962)	-
	Survey Instruments	23,970,011	107,860	(7,558,706)	16,519,165
	Vessels: Dredging Unit	342,348,611	-	-	342,348,611
	Vessels: Ordinary	137,428,270	-		137,428,270
	Speed Boat	2,745,901	909,076		3,654,977
	Barges	84,062,200	-		84,062,200
	Temporary Structure	1,018,158	-		1,018,158
	Cycle	2,672		(2,672)	-
	Computer	3,675,279	234,400	-	3,909,679
	Library Books	75,787	-		75,787
	Survey Equip(compu)	5,375,174	-	(537,257)	4,837,917
	Survey Pillars	649,995		-	649,995
	Communication Equip.	1,118,858	-	-	1,118,858
		-	-	-	-
	Terminals & Building -	602,909,758	-	-	602,909,758
	Night Navigation BOUYS	9,277,200			9,277,200
	DGPS STATION	32,245,501	-		32,245,501
	BEACON Tower	15,895,321	-		15,895,321
	CRANE	46,326,824	-		46,326,824
	TOTAL (C)	**1,346,291,140**	**5,051,669**	**(8,539,571)**	**1,342,803,238**
GUWAHATI	Communication Equipment	1,673,126	-		1,673,126
	Vehicles	590,523	-		590,523
	Furniture & Fixture	919,772	-		919,772
	Office Equipment	495,972	-	-	495,972
	Electric Installation	46,979	-		46,979
	Fans & Air-Coolers	39,580	-		39,580
	Survey Instruments	17,318,718	-	(892,806)	16,425,912
	Cycle	680	-		680
	Library Books	39,870	725		40,595
	Vessel Speed Boat	3,155,336	865,787		4,021,123
	Generator Set	36,100			36,100
	Computer	4,439,904	11,000	(373,975)	4,076,929
	Terminals- Pandu	541,463,247	528,396,706	(1,896,417)	1,067,963,536
	Night Navigation Equip.	12,460,554	-	-	12,460,554
	Barges	133,745,241	-		133,745,241
	Vessels - Ordinary	184,159,998	-	-	184,159,998
	Pandu Terminal	39,457,809	-		39,457,809
	Vessels Dredging Unit	952,736,583	-	-	952,736,583
	CRANE	44,969,796			44,969,796
	Air Conditioner	246,350	-		246,350
	Building	-			-
	TOTAL (D)	**1,937,996,138**	**529,274,218**	**(3,163,198)**	**2,464,107,158**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(R. P. KHARE)
Member (Technical)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2015

SCHEDULE - I I

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2015	NET BLOCK AS ON 31.03.2015
AS ON	FOR THE			
31.3.2014	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-			-	35,051,542
841,769	104,171	-	945,940	1,036,677
448,238	103,109	(29,710)	521,637	1,539,598
272,364	8,611	(256,976)	23,999	157,264
31,990	327	(29,371)	2,946	3,939
77,545	55,274	-	132,819	1,077,206
31,279	-	(31,279)	-	-
-			-	-
13,212	1,494	(9,737)	4,969	26,481
60,649	-	(60,649)	-	-
16,079,794	544,075	(6,994,644)	9,629,225	6,889,940
245,207,064	9,179,409	-	254,386,473	87,962,138
41,593,208	4,589,953		46,183,161	91,245,109
2,280,507	175,654		2,456,161	1,198,816
31,871,023	2,723,592		34,594,615	49,467,585
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538	-	(2,538)	-	-
3,136,577	121,725	-	3,258,302	651,377
75,787	-		75,787	-
4,818,349	63,430	(510,393)	4,371,386	466,531
259,836	21,905		281,741	368,254
947,823	15,852	-	963,675	155,183
-	-	-	-	-
126,939,653	28,638,214	-	155,577,867	447,331,891
2,644,002	440,667		3,084,669	6,192,531
5,939,155	1,531,662	-	7,470,817	24,774,684
3,020,109	755,028		3,775,137	12,120,184
15,337,622	1,547,317		16,884,939	29,441,885
502,948,251	**50,621,469**	**(7,925,297)**	**545,644,423**	**797,158,815**
1,113,687	39,703		1,153,390	519,736
560,997	-		560,997	29,526
531,658	37,613		569,271	350,501
180,301	21,870	-	202,171	293,801
23,864	1,429		25,293	21,686
19,072	1,289		20,361	19,219
8,169,039	744,374	(710,222)	8,203,191	8,222,721
646	-		646	34
39,870	725		40,595	-
2,114,663	268,557		2,383,220	1,637,903
27,440	1,715		29,155	6,945
3,774,817	172,503	(355,276)	3,592,044	484,885
137,351,877	50,728,272	(540,480)	187,539,669	880,423,867
5,081,561	591,876	-	5,673,437	6,787,117
37,821,678	4,467,092		42,288,770	91,456,471
57,875,452	6,150,943	-	64,026,395	120,133,603
-			-	39,457,809
311,490,949	65,907,897		377,398,846	575,337,737
13,517,919	1,501,991		15,019,910	29,949,886
32,627	11,702		44,329	202,021
-	-	-	-	-
579,728,117	**130,649,551**	**(1,605,978)**	**708,771,690**	**1,755,335,468**

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2015
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
BHAGALPUR	Buoys	54,467			54,467
	Vehicle	152,658			152,658
	Furniture & Fixtures	182,158	13,000	-	195,158
	Office Equipment	66,090	-		66,090
	Electric Installation	3,227			3,227
	Fans & Air Coolers	15,899	-		15,899
	Survey Instruments	2,531,493	53,930		2,585,423
	Barges	561,255			561,255
	Cycle	701			701
	Library Books	25,805	-		25,805
	Communication Equipment	157,026			157,026
	Land	36,734			36,734
	Computers	237,197	-		237,197
	DGPS STATION	18,320,308	-	-	18,320,308
	Terminals-	2,706,463	150,000	-	2,856,463
	Air-Conditioner	20,000	-		20,000
	TOTAL (E)	**25,071,481**	**216,930**	**-**	**25,288,411**
KOCHI	Vehicle	383,614	-	(383,614)	-
	Furniture & Fixtures	694,384	252,882		947,266
	Office Equipment	311,981	57,800		369,781
	Fans & Air Coolers	56,885	-		56,885
	Air-Conditioner	67,595	-		67,595
	Survey Instruments	10,133,079	-	(3,210,452)	6,922,627
	Communication Equipment	734,727	-		734,727
	Generator	354,969	-		354,969
	Computer	3,716,887	374,000	(161,880)	3,929,007
	Survey Launch	4,983,591	480,993	-	5,464,584
	SPEED BOATS	1,120,418	-	-	1,120,418
	Land (Terminals)	116,625,222	26,393,854	39,851,841	182,870,917
	Land Widening	210,147,427	-	(39,851,841)	170,295,586
	Library Books	19,847	-		19,847
	Building	7,868,162	450,000		8,318,162
	Terminal & Building	326,554,972	12,124,038		338,679,010
	Dredger	182,921,000	900,000	-	183,821,000
	Night Navigation	33,080,736	4,671,025	(1,126,936)	36,624,825
	Foot Over Bridge Thottappally	2,188,615	-		2,188,615
	Fork Lifts	6,370,925	-		6,370,925
	Hydraulic Cranes	68,945,177			68,945,177
	Tempory Terminal	1,196,370	-		1,196,370
	TOTAL (F)	**978,476,583**	**45,704,592**	**(4,882,882)**	**1,019,298,293**
ALLAHABAD	Computer	315,812	108,479	-	424,291
	Furniture & Fixtures	154,341		-	154,341
	Office Equipment	63,554			63,554
	Fans & Air Coolers	12,155			12,155
	Library Books	30,850	3,460		34,310
	Electrical Installation	24,950			24,950
	Land	2,405,763			2,405,763
	TERMINAL	5,882,942	-		5,882,942
	Survey Instruments	2,284,447	-	-	2,284,447
	TOTAL (G)	**11,174,814**	**111,939**	**-**	**11,286,753**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(R. P. KHARE)
Member (Technical)

AUTHORITY OF INDIA
ON 31ST MARCH 2015

SCHEDULE - II
(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2015	NET BLOCK AS ON 31.03.2015
AS ON	FOR THE			
31.3.2014	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
146,283	12,353	-	158,636	36,522
45,617	3,139		48,756	17,334
2,198	153		2,351	876
6,374	755		7,129	8,770
1,583,889	122,808		1,706,697	878,726
554,410	-		554,410	6,845
682	-	-	682	19
25,805	-	-	25,805	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
215,412	4,215		219,627	17,570
4,267,596	870,215	-	5,137,811	13,182,497
286,063	135,682	-	421,745	2,434,718
950	950		1,900	18,100
7,496,693	**1,150,270**	**-**	**8,646,963**	**16,641,448**
360,293	-	(360,293)	-	-
500,580	46,154		546,734	400,532
169,632	11,951		181,583	188,198
23,000	1,834		24,834	32,051
44,058	3,211		47,269	20,326
5,146,712	311,379	(2,661,996)	2,796,095	4,126,532
360,691	34,900		395,591	339,136
133,818	16,861		150,679	204,290
3,480,817	195,233	(161,880)	3,514,170	414,837
2,618,227	182,517		2,800,744	2,663,840
712,926	79,214		792,140	328,278
-	-		-	182,870,917
-	-		-	170,295,586
19,847	-		19,847	-
755,247	135,586		890,833	7,427,329
78,929,461	16,087,253	435,210	95,451,924	243,227,086
44,114,424	12,774,124	-	56,888,548	126,932,452
12,031,549	1,739,679	(271,128)	13,500,100	23,124,725
816,548	103,959		920,507	1,268,108
3,152,972	450,424		3,603,396	2,767,529
32,912,681	4,874,424		37,787,105	31,158,072
1,196,370	-		1,196,370	-
187,479,853	**37,048,703**	**(3,020,087)**	**221,508,469**	**797,789,824**
263,690	29,196	-	292,886	131,405
129,020	9,769	-	138,789	15,552
38,853	2,765		41,618	21,936
6,786	578		7,364	4,791
30,850	3,460		34,310	-
15,405	1,185		16,590	8,360
-			-	2,405,763
558,880	279,440		838,320	5,044,622
1,059,120	108,153	-	1,167,273	1,117,174
2,102,604	**434,546**	**-**	**2,537,150**	**8,749,603**

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2015
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
VARANASI	Furniture & Fixtures	129,719	-		129,719
	Computer	308,505	-		308,505
	Office Equipment	53,297	-		53,297
	Fans & Air Coolers	5,875			5,875
	Vehicle	243,069			243,069
	Communication Equipment	-	-	-	-
	Library book	1,225	4,295		5,520
	Survey Instruments	2,460,976	510,873	-	2,971,849
	LAND	29,662,024	-		29,662,024
	TOTAL (H)	**32,864,690**	**515,168**	**-**	**33,379,858**
NINI	Furniture & Fixtures	4,982,661	53,000	(4,540)	5,031,121
	Generator Set	657,371	-	-	657,371
	Computer	1,477,002	-	-	1,477,002
	Office Equipment	1,183,609	68,570	-	1,252,179
	Air Conditioner	1,237,281	-	-	1,237,281
	Building/Workshop	91,344,546	7,009,529	-	98,354,075
	Hostel & kitchen	606,957	-		606,957
	Work SHOP WQUIPMENT	331,832	70,946		402,778
	Fire Mock up Equipments	5,237,144	-		5,237,144
	FRP Boat with OBM	528,962	-		528,962
	Water Cooler& Refigerator	367,573	-	-	367,573
	Temporay Structure	1,410,262	30,000		1,440,262
	Course Material & Equipments	444,583	85,416		529,999
	SIMULATOR	31,731,375	-	-	31,731,375
	Library book	859,985	30,238		890,223
	Computer Software	3,108,400	-		3,108,400
	Electric Installation	101,676	393,000		494,676
	Fans & Air Coolers	1,895	88,650		90,545
	Survey Instruments		-	2,953,202	2,953,202
	LAND	152,450,100	-		152,450,100
	TOTAL (I)	**298,063,214**	**7,829,349**	**2,948,662**	**308,841,225**
KALADAN	Furniture & Fixtures	63,845	-		63,845
	Temporay Structure	15,364	-		15,364
	Computer	243,452	-		243,452
	TOTAL (J)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
PMU	Furniture & Fixtures	-	87,440		87,440
	Computer	-	455,200		455,200
	TOTAL (K)		**542,640**	**-**	**542,640**
CHENNAI	Computer	-	82,415		82,415
	Air Conditioner	-	26,000		26,000
	TOTAL (L)	**-**	**108,415**	**-**	**108,415**
	GRAND TOTAL (A+B+C+D+E+F+G+H+I+J+K+L)	**5,835,253,912**	**966,145,030**	**(17,362,127)**	**6,784,036,815**
	PREVIOUS YEAR	**5,498,255,974**	**342,693,600**	**(5,695,662)**	**5,835,253,912**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(R. P. KHARE)
Member (Technical)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2015

SCHEDULE - I I

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2015	NET BLOCK AS ON 31.03.2015
AS ON	FOR THE			
31.3.2014	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
89,430	8,211	-	97,641	32,078
214,708	29,311	-	244,019	64,486
28,608	2,532		31,140	22,157
3,069	279		3,348	2,527
230,919	-		230,919	12,150
-	-	-	-	-
1,225	4,295		5,520	-
864,255	141,163	-	1,005,418	1,966,431
			-	29,662,024
1,432,214	**185,791**	**-**	**1,618,005**	**31,761,853**
2,461,093	318,470	-	2,779,563	2,251,558
312,250	31,225	-	343,475	313,896
988,116	129,809	-	1,117,925	359,077
409,076	59,478	-	468,554	783,625
391,654	58,774	-	450,428	786,853
9,696,206	1,603,171	-	11,299,377	87,054,698
118,039	28,831		146,870	460,087
78,812	19,133		97,945	304,833
780,163	248,763		1,028,926	4,208,218
74,796	37,398		112,194	416,768
164,571	17,461	-	182,032	185,541
1,410,262	30,000		1,440,262	-
444,583	85,416		529,999	-
6,108,582	1,776,958	-	7,885,540	23,845,835
859,985	30,238		890,223	-
1,497,789	503,872		2,001,661	1,106,739
14,490	23,498		37,988	456,688
270	4,301		4,571	85,974
		2,805,539	2,805,539	147,663
			-	152,450,100
25,810,737	**5,006,796**	**2,805,539**	**33,623,072**	**275,218,153**
20,205	4,041		24,246	39,599
15,364	-		15,364	-
190,333	39,463		229,796	13,656
225,902	**43,504**	**-**	**269,406**	**53,255**
-	5,535		5,535	81,905
-	73,788		73,788	381,412
-	**79,323**	**-**	**79,323**	**463,317**
-	13,359		13,359	69,056
-	1,235		1,235	24,765
-	**14,594**	**-**	**14,594**	**93,821**
1,646,517,681	**288,213,604**	**6,487,892**	**1,941,219,177**	**4,842,817,638**
1,388,744,835	**259,875,183**	**(2,102,337)**	**1,646,517,681**	**4,188,736,231**

For and on behalf of the Authority

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

(AMITABH VERMA)
Chairman

SCHEDULE - III

CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES AS ON 31.3.2015

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS		CURRENT YEAR (Figures in rupees)
	a) STORES, SPARES & TOOLS (AT COST)		
28,242,240	1) Marine Spare Parts	33,143,245	
697,645	2) Permanent Stores	471,854	
	3) Consumables & Marking Material	22,070	
239,987	4) Stationary	209,449	
9,649,279	5) POL Stock	13,441,507	
45,009	6) Others	244,726	47,532,851
	b) SUNDRY DEBTORS		
	1) Secured		
	2) Unsecured		
	-- Considered Good		
	1) more than 6 months		
	2) less than 6 months		
	-- Considered Doubtful		
	c) DEPOSITS, LOANS & ADVANCES		
5,475,335	1) Advance to staff	5,421,769	
83,720	2) Departmental Advance	20,830	
1,114,126,420	3) Advance to Contractors & Suppliers	759,818,267	
41,336,075	4) Deposits	45,439,340	
70,013,676	5) Claims Recoverable	88,139,275	
22,238,756	6) Prepaid Expenses	21,680,210	
1,740,217	7) Others	386,927	920,906,618
	d) CASH & BANK BALANCES		
58,290	1) Cash/Stamps in-hand	55,140	-
(58,134,281)	2) Cash with Scheduled Banks	(7,886,287)	-
	3) Remittance in transit	3,803,000	
398,509,072	4) Short term deposit	378,665,713	374,637,566
1,634,321,440	**TOTAL**		**1,343,077,035**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31-03-2015

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.1		
	1. Pay & Allowances & Other		
215,629,787	Staff Costs	154,826,192	
	2. Works Expenses		
48,793,910	(i) Surveying	41,044,432	
168,834,588	(ii) Dredging	97,193,793	
22,714,606	(iii) Bandalling	34,591,040	
	(iv) Aids to navigation &		
6,671,746	Channel marking	7,822,782	
48,123,358	(v) Terminal Facilities	82,855,954	
21,910,318	(vi) Repairs of Vessels	82,127,688	
35,609,156	(vii) Night Navigation	40,099,496	
30,417,097	(viii) Training Expenses(NINI)	27,175,095	
	3. Other Administrative & Misc.		
7,573,917	Expenses	5,112,723	**572,849,195**
	NATIONAL WATERWAY NO.2		
	1. Pay & Allowances & Other		
46,747,612	Staff Costs	29,716,020	
	2. Works Expenses		
7,228,620	(i) Surveying	28,203,039	
21,910,013	(ii) Bandalling	30,379,426	
	(iii) Aids to navigation &		
6,208,612	Channel marking	7,830,599	
6,104,708	(iv) Terminals	16,481,845	
49,595,213	(v) Dredging	16,167,830	
13,657,529	(vi) Repairs of Vessels	17,864,338	
26,260,589	(vii) Night Navigation	30,059,627	
12,038,833	(viii) Protocol	12,524,495	
-	(ix) River Training Work	-	
-	(x) Bank Protection	117,459,000	
	3. Other Administrative & Misc.		
1,047,485	Expenses	774,569	**307,460,788**

Cont.....

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31-03-2015

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.3		
	1. Pay & Allowances & Other		
30,145,093	Staff Costs	19,729,184	
	2. Works Expenses		
1,638,364	(i) Surveying	2,128,366	
97,821,649	(ii) Dredging	81,935,276	
	(iii) Channel marking		
6,210,772	(iv) Night Navigation	6,232,932	
4,417,100	(v) Terminal Facilities	8,681,003	
1,530,947	(vi) Repair of vessel	1,213,680	-
	(vii) Maintenance of lock gate		
	(viii) Bank Protection		-
	3. Other Administrative & Misc.		
887,478	Expenses	738,056	**120,658,497**
	NATIONAL WATERWAY NO.4		
	1. Works Expenses		
16,129,935	(i) Surveying	8,577,623	
	(ii) consultancy	8,116,942	
	2. Other Administrative & Misc.		
	Expenses	1,103,031	**17,797,596**
	NATIONAL WATERWAY NO. 5		
	1. Works Expenses		
-	(i) Surveying	2,187,218	
	(ii) consultancy	3,934,888	
	2. Other Administrative & Misc.		
	Expenses	63,529	**6,185,635**
	KALADAN PROJECT		
-	**1. Pay & Allowances & Other**	-	
107,935	staff Costs	223,921	
	2. Works Expenses		
-	(i) Surveying	-	
	(ii) Dredging		
	(iii) Terminal Facilites		
35,958,158	(iv) Other Consultancy	30,381,243	
	3. Other Administrative & Misc.		
2,104,811	Expenses	10,061,496	**40,666,660**
	JAL MARG VIKAS PROJECT (NW-1)		
	1. Pay & Allowances & other	-	
-	Staff Costs	-	
	2. Works Expenses		
-	(i) Surveying	-	
-	(ii) consultancy Charges	3,163,586	
	3. Other Administrative & Misc.		
-	Expenses	4,133,812	**7,297,398**
994,009,939	**TOTAL**		**1,072,915,769**

For and behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

SCHEDULE - V

PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2015

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
	PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS	
60,497,515	i) Pay & Allowances	63,802,598
42,500	ii) Honorarium	31,000
3,959,072	iii) Medical Reimbursement	3,390,344
167,675	iv) Daily Wages	202,933
88,252	v) OTA	105,100
251,278	vi) Bonus	245,234
-	vii) Leave Salary & Pension	-
1,084,271	Contribution (Dep.)	1,011,134
588,266	viii) Rent for Residence	1,432,773
80,059	ix) Liveries	102,920
843,349	x) Staff welfare Expenses	878,734
1,009,263	xi) Tuition fees	381,388
84,407,962	xii) Pension & Gratuity Contribution	42,605,975
3,661,862	xiii) Leave Encashment	1,068,227
176,845	xiv) New Employees Cont. to NPS	274,784
1,662,343	xv) LTC Exp.	1,650,593
158,520,512	**TOTAL**	**117,183,737**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

SCHEDULE - VI

GENERAL & OTHER EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31.03.2015

PREVIOUS YEAR (FIGURES IN RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
3,617,852	i) Repairs & Maintenance	4,597,989
963,591	ii) Staff Recruitment Expenses	330,848
1,328,325	iii) Postage, Telephone & Telegram	1,280,377
1,660,519	iv) Printing & Stationery	2,445,443
2,321,973	v) Vehicle Running & Maintenance	2,093,075
109,389	vi) Advertisement & Publicity	147,003
246,173	vii) Conveyance Reimbursement	294,728
5,061,553	viii) Travelling Expenses ---Inland	4,375,418
2,172,063	---Abroad	2,281,885
126,460	ix) Newspaper & Periodicals	95,280
61,485	x) Misc. Expenses	46,287
155,214	xi) Consumables	145,287
2,354,160	xii) Electricity & Water Charges	2,875,567
1,036,289	xiii) Audit Fees & expenses	2,031,419
180,705	xiv) Legal Charges	1,183,039
226,023	xv) Seminar & Workshop/Conference	202,031
419,917	xvi) Hindi Promotion	241,748
140,413	xvii) Authority meeting expenses	124,889
22,182,104	**TOTAL**	**24,792,313**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

Schedule - VII

NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS AS ON 31.03.2015

1. Capital works in progress amounting to **Rs.10225.73** lakh (previous year Rs.12900.84 lakh) consist of the following:

(in Lakh)

Sl. No.	Name of Party	Purpose	Amount
1.	M/s Larsen & Toubro	Consultancy charges for construction of terminal at Dhubri	8.31
2.	M/s Larsen & Toubro	Consultancy charges for construction of terminal at Hatsingmari	7.06
3.	CPWD - Kerala	Construction of terminals & Approach Road	1006.55
4.	CPWD - Patna	Construction of Office Building	554.85
5.	HDPE-Guwahati	Construction of Work Boat	1301.00
6.	HDPE - Kolkata	Construction of Work Boat	849.08
7.	NF-Railway	Construction of BG siding at Pandu	1286.87
8.	M/s A. C. Roy & Co., Kolkata	Construction of 4 Work Boats	1339.01
9.	M/s A. C. Roy & Co., Kolkata	Construction of 4 Work Boats	663.96
10.	M/s Indian Registrar of Shipping	Inspection fee for 4 Work Boats	5.55
11.	M/s Gupta Construction, Varanasi	Construction of D.G.P.S. at Varanasi	33.54
12.	M/s Applied Research International	Supply of GMDSS simulator	19.63
13.	N. F. Railway - Guwahati	Demolition of quarters at Pandu	224.00
14.	M/s R. K. Engineering Works	Construction of RIS Stations at BISN, Haldia, Ballia & Kumarpur	120.26
15.	M/s Parvati Construction	Construction of RIS Station, Farakka	18.60
16.	CPWD - Patna	Construction of Swimming Pool at NINI	92.46
17.	M/s Elcome Integrated Systems Pvt. Ltd.	Supply & Installation of RIS station	900.11
18.	M/s Milan Marine Service	Construction of RIS- Swaroopganj	23.88
19.	M/s Hare Ram Sharma	Construction of RIS-Tribeni	21.02
20.	M/s Emtech Services	Electricity work at RIS Farakka	1.24
21.	CPWD - Guwahati	Construction of RO-RO Terminal at Dhubri	1748.75
		Grand Total	**10225.73**

2) During the F.Y. 2014-15, the Authority incurred the following expenditure in respect of Chairman and full time Members:

(in rupees)

Salary	House Rent	Leave Salary & Pension Contribution	Medical Reimburse-ment	Travelling Expenses		Total
				Foreign	Inland	
6743739	584320	644982	70752	680383	918340	**9642516**
Previous Year (2013 -14) -						
5390720	441516	721159	82675	568745	745740	**7950555**

During the year, Vice-Chairperson visited Cambridge University, U.K. for customized training programme on Leadership & Strategic Thinking from 5th - 10th October, 2014. Member (Finance) visited San Francisco, USA for participating in the Annual General Assembly 2014 of PIANC Congress from 3rd - 5th June, 2014. Member (Technical) visited Germany & Netherlands for interaction with various business development stakeholders and Government agencies for development in IWT and Port sector from 28th April to 01th May, 2014.

3. Land costing Rs. 244.49 lakh (previous year Rs. 244.49 lakh) was acquired in March, 1994 for construction of R&D-cum-Office complex at Noida on lease hold basis for 90 years. Rs.2.72 lakh is being written off.

4. (i) ITAT, New Delhi for the assessment years 1988-89 to 1997-98 (excluding Assessment Year 1990-91) ruled in July, 2006 that the grants to the Authority is not revenue in nature and hence not taxable. While giving effect to the ITAT order, ACIT, Noida issued fresh assessment order in November, 2010 wherein the miscellaneous receipts of the Authority has been treated as income. Thereafter, the Authority continuously pursued the matter through appeals and counter appeals in ITAT, New Delhi, CIT (Appeals), Ghaziabad and ACIT, Noida to get the order of ACIT, Noida regarding treatment of miscellaneous receipts as income of the Authority dismissed. The Authority filed an appeal in ITAT, New Delhi against the order of CIT (Appeal). In F. Y. 2014-15, ITAT, New Delhi passed the order with the view that miscellaneous receipts is adjusted/ refunded to Government while releasing grant in subsequent financial year. Hence, the same cannot be treated as income for the Authority. The matter is pending with ACIT (Exemption), Ghaziabad for execution of the order of ITAT, New Delhi.

(ii) ACIT, Noida also imposed penalty in the fresh assessment order of November, 2010 and collected a demand of Rs.11.80 crore. Thereafter, the Authority continuously pursued the matter through appeals and counter appeals in ITAT, New Delhi, CIT (Appeals), Ghaziabad and ACIT, Noida to get the order of ACIT, Noida dismissed.

Subsequently, ACIT, Noida issued an order with the contention that no fresh adjudication of penalty u/s 271(1) (C) in view of ITAT direction is required. Against the said order of ACIT, Noida, the Authority has filed an application with ACIT, Noida u/s 154 to review the matter in accordance with the directions of ITAT, New Delhi. The matter is pending with ACIT, Noida at present.

(iii) The Income Tax department has also filed an appeal in High Court of Allahabad against the order of ITAT, New Delhi for the assessment years 1988-89 to 1997-98.

5. Ministry of Shipping vide gazette notification on 15.10.2014 has designated the Authority as the Project Implementing Agency for "Jal Marg Vikas" Project. Under the Jal Marg Vikas Project, the stretch between Allahabad and Haldia covering a distance of 1620 k.m. at an estimated cost of Rs.4200.00 crore is to be developed under technical and financial assistance of the World Bank. The cost of the project will be shared in the ratio of 50:50 between Government of India and World Bank.

A Project Management Unit (PMU) with a Project Director was setup in July, 2014 for going ahead with the consequential necessary action. Various other functionally essential specialists for engineering, procurement, environment, communication and business development were engaged. A Project Oversight Committee (POC) was setup with the representatives from the stake holder State Governments of UP, Bihar, Jharkhand and West Bengal. During the year an amount of Rs.78.40 lakh has been incurred on the project out of the Grant received from Government.

6. A sum of Rs.5137.31 lakh (previous year Rs. 5137.31 lakh) towards cost of land for 11 terminals and widening of narrow canal was made as advance to Government of Kerala. Out of above, 12.3809 ha. of land for terminal for Rs.1828.71 lakh and 21.26 ha. of land for widening of canal for Rs. 1702.96 lakh was capitalized as land till 31.03.2015. The work for widening of canal is under progress. The expenditure incurred on widening of canal is charged to revenue expenditure. Authority is liable to pay interest and also enhancement of cost on land acquired in compliance of the Court order. The balance Rs.1605.43 lakh is available with various District Collectors. At present, 36 cases are pending in various courts in Kerala and approximately Rs.367.82 lakh is the claim of the petitioners.

7. A sum of Rs.3270.17 lakh (previous year Rs. 3428.24 lakh) has been paid as advance to CPWD for construction of terminals. Out of the above, a sum of Rs.1665.94 lakh has been capitalized (Terminals and Buildings) till date. The expenditure of Rs.1006.55 lakh incurred till date for the construction of Alapuzha terminal (Rs.770.65 lakh), Kakkanadu terminal (Rs.49.88 lakh), Kottapuram approach road (Rs.0.32 lakh), Kayamkulam terminal and approach road (Rs.26.67 lakh), Chavara approach road and compound wall (Rs.159.03 lakh) has been shown in capital work in progress. In addition, an amount of Rs.43.00 lakh paid for construction of Maradu Office Complex extension, Rs.43.50 lakh has been capitalized. An additional amount of Rs.36.54 lakh has been released for repairing of Kovilthottam Bridge.

8. A sum of Rs.1660.00 lakh (previous year Rs.1660.00 lakh) has been paid as deposit to Cochin Port Trust (CPT) for construction of Jetty at Bolghatty and Willington Island. Out of the above, Rs.1562.20 lakh has been capitalized till date and the balance of Rs.97.80 lakh is available with CPT.

9. A sum of Rs.4385.00 lakh (previous year Rs.4385.00 lakh) has been released as deposit to CPWD, Guwahati in connection with construction of high level general cargo berth at Pandu, Guwahati. Out of this, a sum of Rs.4384.41 lakh (previous year Rs.4154.65 lakh) has been capitalized.

10. A sum of Rs.1254.00 lakh (previous year Rs.1254.00 lakh) has been released as deposit to NF Railway, Guwahati in connection with construction of Broad Gauge Siding at Pandu Terminal (Rs.1030.00 lakh) and the work of replacement of 28 units Type - II quarters (Rs.224.00 lakh) at Guwahati. Out of this, a sum of Rs.1510.87 lakh has been shown as capital works in progress (previous year Rs.1379.00 lakh) which includes Rs.1286.87 lakh for construction of Broad Gauge Siding at Pandu and Rs.224.00 lakh for replacement of 28 units of quarter. It is to mention that the additional cost of Rs.256.86 lakh was claimed by NF Railway which was provided in the F.Y. 2012-13 and F. Y. 2014-15. The same is yet to be released.

11. A sum of Rs. 706.22 lakh (previous year Rs.577.64 lakh) has been deposited with CPWD, Patna for construction of office building, boundary wall, sanitary box, generator room and partitions of office space at Gaighat, Patna. Out of this, as per financial progress of work, an amount of Rs.554.85 lakh (previous year Rs.478.63) has been charged to capital works in progress for construction of office building.

12. A sum of Rs 2226.00 lakh (provision year Rs.2226.00 lakh) has been deposited with CPWD, Guwahati for construction of RO-RO Jetty, Dhubri including administrative block, roads, electricity etc. Out of this, as per progress an amount of Rs.1748.75 lakh (previous year Rs. Nil) has been charged to capital work in progress.

13. 53 flats at Sector-34, Noida were taken over on December, 2002 from Director General of Light Houses & Light Ships (DGLL), Ministry of Shipping for the staff of IWAI at a total transfer price of Rs.225.28 lakh plus transfer fee, stamp duty etc.

A sum of Rs.307.33 lakh (previous year Rs.307.33 lakh) has been capitalized. However, transfer in the name of IWAI could not be registered since the flats have not yet been registered in the name of the first owner DGLL. After persuasion with DGLL for making payment of land rent, etc. to Noida, the initial registration will be taken-up with Noida. The actual liability for registration of flats will be taken care at the time of registration.

14. A claim was lodged with M/s Oriental Insurance Co. for Rs.34.47 lakh towards loss of Buoys and Lights in October 2006. The Insurance Company has agreed for payment of Rs.23.93 lakh only on completion of certain formalities and documentation. The balance of Rs.10.54 lakh is charged to revenue expenditure.

15. 47 buoys with chain, anchor and accessories and 7 day marks had been lost in the Kolkata region during 2002-03. Authority had lodged an insurance claim of Rs.28.91 lakh and a sum of Rs.5.92 lakh had been received from the Insurance Company. Authority had recovered an amount of Rs.11.05 lakh from the contractor in June, 2013. The Balance of Rs.11.94 lakh has been shown in claim recoverable.

16. The Authority signed an agreement with M/s HDPEL, Kolkata in March, 2005 for construction and delivery of Floating Dry Dock at a cost of Rs.873.00 lakh excluding taxes and cost of spare parts. As M/s HDPEL, Kolkata were unable to deliver the Floating Dry Dock, the Authority cancelled the contract and an amount of Rs.190.42 lakh was released to HDPEL, Kolkata after adjusting amount payable of Rs.71.48 lakh due for Liquidated Damages (LD) and repair of vessels for oil tanker and container vessels has been shown as claim recoverable. In the meantime,

Authority has asked HDPEL to refund money to the Authority vide letter no. IWAI/MD/2170/2001-vol.-III dt. 01.01.2014.

17. A work was awarded to M/s Neptune Marine Pvt. Ltd. in 2003 for construction of three work boats at the cost of Rs.359.85 lakh. As per the contract, Rs.161.93 lakh has been released including Rs.53.98 lakh against the Bank Guarantee. In the F.Y. 2008-09, Bank Guarantee of Rs.53.98 lakh had been invoked. Due to non-compliance of the contract, the contract was terminated on 29.7.2009 and an Arbitrator had been appointed. One work boat is in possession of Authority from 11.12.2008. The work boat was not found fit for operations as per requirement of IRS and IWT, Directorate of Government of West Bengal. Necessary repair/modification had been taken over by the Authority and the same capitalized for Rs.122.90 lakh during the F. Y. 2012-13. Balance Rs.71.97 lakh has been charged to revenue expenditure.

18. Authority appointed M/s IL&FS Infrastructure Development Corporation Ltd. as Project Development Organization for identification and development of IWT projects on PPP mode. The Authority contributed Rs.50.00 lakh towards 50% share in the initial corpus of the Project Development Fund for undertaking development of Projects. Expenditure incurred from corpus of the project development fund Rs.49.97 lakh is charged to revenue expenditure in F.Y. 2014-15.

19. Ministry of External Affairs (MEA), Government of India in March, 2009 through an agreement appointed the Authority as Project Development Consultant for implementation of multi-modal transit transport facility on Kaladan river connecting Sittwe port in Myanmar with the State of Mizoram in India. This is known as "Kaladan Project". The Authority has received PDC fees of Rs.1950.81 lakh for the Project till date. Out of above, an expenditure of Rs.1707.65 lakh has been incurred and Internal Receipts of Rs.184.38 lakh including bank interest generated on the project. During the year, an amount of Rs.406.68 lakh (previous year Rs.381.74 lakh) has been incurred as expenditure and an amount of Rs.24.76 lakh (previous year Rs.17.18 lakh) has been received as interest from the Bank on the project fund.

20. Authority has taken three policies from LIC for pension, gratuity and leave encashment for IWAI employees. LIC has provided actuarial valuation for all the three policies. As per actuarial valuation as on 31.03.2015, an amount of Rs.7754.00 lakh for Pension (previous year Rs.6640.00 lakh), Rs.897.70 lakh for Gratuity (previous year Rs.882.13 lakh) and Rs.690.74 lakh for leave encashment (previous year Rs.648.78 lakh) is required.

Authority has established a Trust in the name of "IWAI-Employees Pension fund" with effect from 25.03.2003 for administering and managing the pension/gratuity fund in respect of employees of the Authority. IWAI-Employees Pension Fund and leave encashment is managed by LIC of India. As per IWAI-Employees Pension Fund account, a fund of Rs.4732.74 lakh is available with the Trust for pension and gratuity fund and Rs.712.61 lakh is available with LIC for leave encashment fund. During F. Y. 2014-15, a provision of Rs.1354.89 lakh has been provided towards pension after considering Actuarial Valuation and fund available with IWAI employee's Pension fund trust and fund for leave encashment with LIC of India.

For Actuarial Valuation, the assumptions are:

Mortality Rate	:	LIC (1994-96) ultimate.
Withdrawal Rate	:	1% to 3% depending on age.
Discount Rate	:	8% p.a.
Salary Escalation	:	6% p.a.

21. Authority entered into shareholders agreement in three JV projects with three companies namely (i) M/s Royal Logistics (Ship) Ltd., Kolkata (ii) M/s SKS Waterways Ltd., Kolkata and (iii) M/s Vivada Logistics Pvt. Ltd. Kolkata. As per the share holders agreement with M/s Royal Logistics (Ship) Ltd, Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd, Kolkata the initial authorized share capital of each company is Rs.5.00 lakh and same is required to be contributed in the ratio of 70% by the J.V. partners and 30% by IWAI. Accordingly, Authority has contributed its share of Rs.1.50 lakh each as initial authorized share capital in M/s Royal Logistics (Ship) Ltd., Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd. Kolkata.

22. There are 3 arbitration cases pending before the Arbitrators. Two cases relate to capital dredging works in NW-3 having a contingent liability of Rs.2047.00 lakh and one case relates to construction of vessel involving Rs.1600.00 lakh damages approximately.

23. The list of pending court cases -

Court	No. of case
Hon'ble Supreme court	03
NGT	01
Hon'ble High court, Delhi	03
Hon'ble High court, Kerala	15
Hon'ble High court, Patna	06
Hon'ble High court, Allahabad	07
Hon'ble High court, Kolkata	05
Hon'ble High court, Guwahati	06
Hon'ble High court, Hyderabad	01
District court, Varanasi	01
Lower court, Balasore	01
Sub court, Patna	01

City court, Kolkata	01
Sub court, Visakhapatnam	01
Sub court, Kerala	01
Human Right Commission, Kerala	01
Sub court, Kerala (LAR/ LAA cases)	36

24. An MOU was entered with M/s ARI, Delhi for setting up Maritime Simulator Centre at NINI, Patna. As per the MOU, the capital cost of simulator is to be shared between IWAI and ARI in the ratio of 50:50 and the net revenue after running expenses shall also be shared. The cost of simulator unit has been capitalized and the cost of Rs.115.47 lakh (previous year Rs.115.32 lakh) incurred by M/s ARI shown as capital reserve and depreciation has been deducted on the same.

25. Authority agreed to rent out 3rd Floor of the IWAI Office building at Noida to Directorate General of Shipping, Mumbai, 4th Floor to Energy Efficiency Services Ltd (EESL) and 6th Floor to Container Corporation of India Ltd. (CONCOR) @ Rs.78 per sq. ft. of covered area. The covered area of each floor is 8378.60 sq. ft. A sum of Rs.240.00 lakh, Rs.58.82 lakh and Rs.117.64 lakh has been received from D.G. Shipping, EESL and CONCOR respectively as advance rent. The Authority has incurred an expenditure of Rs.1380.14 lakh (previous year Rs.1355.10 lakh) towards construction of vertical expansion of building, electrical installation, HVAC system, passenger lift, multi-level multi-grid over-ground car parking and D. G. set upto 31.03.2015 and the same are capitalized. Authority has handed over the 6th floor to CONCOR on 20.12.2013 4th& 5th floor to EESL on 16.09.2013 and 01.10.2014 respectively. Advance deposited by EESL and CONCOR has been adjusted against Rent due from above tenant.

26. Authority received Rs.14208.70 lakh as Grant under different budget heads of Plan and Non-Plan during F. Y. 2014-15. During the year, Rs.611.00 lakh and Rs.801.86 lakh was refunded to Ministry of Shipping towards refund received from PWD-Guwahati and Internal Receipt of Authority in F. Y. 2013-14, respectively. Also, capital expenditure of Rs.3264.49 lakh and revenue expenditure of Rs.12349.37 lakh was incurred by the Authority includes a provision of Rs.1354.89 lakh for Pension Contribution in F.Y. 2014-15. Summarized details are as under:-

Abstract of Grant as on 31.3.2015

(Amount in lakh)

Particulars			Total
Grants received in F.Y. 2014-2015			
(a) Plan	11,791.70		
(b) Non-Plan	2,417.00	14,208.70	
(c) Internal receipts during F.Y. 2014-15		913.87	15,122.57
Less:- Expenditure charged and amount refunded to Government during the year 2014-15			
(a) Amount received back from PWD, Guwahati	611.00		
(b) Internal Receipt F. Y. 2013-14	801.86		
(c) Deficit as per annual accounts F.Y. 2013-14	1,316.16	2,729.02	
(d) Revenue expenditure	12,349.37		
(e) Capital expenditure	3,264.49	15,613.86	18,342.88
Deficit Grant as on 31.03.2015			**3,220.31**

27. To develop Pandu Port as Multi Modal Transport Hub with proper road and rail connectivity, a sum of Rs.6.11 crore was paid to PWD, Assam, Guwahati as advance for construction of alternate road connectivity of Pandu Port with NH-31. Despite persistent efforts made by the Authority, NF Railway was unable to provide land free from encroachment.

As IWAI exhausted all options to get the land encroachment free, IWAI Board, in its meeting held on 24.10.2013 decided to close the project and requested PWD Assam to refund the amount deposited with them during November, 2013 and February, 2014. PWD, Assam has refunded the amount of Rs.6.11 crore to IWAI in August, 2014 and the same has been refunded to Ministry of Shipping vide letter no. IWAI/Fin./FR(P)/3005/2014-15 dated 27.11.2014.

28. Bank Guarantees valued at Rs.1985.74 lakh (previous year Rs.1020.78 lakh) have been received from contractors / suppliers towards security deposit, earnest money and mobilization advance against the works/ contracts awarded to them till 31st March 2015.

29. Annual Accounts of the Authority has been prepared on the format approved by the Ministry of Shipping in consultation with Comptroller & Auditor General of India.

30. As per Schedule-XIV of the Indian Company Act 1956, depreciation rate for some of the fixed assets used for inland waterways has not been prescribed; rate for depreciation has been drawn from the schedule of similar equipment. Authority has been charging depreciation on barges

@ 3.34%, terminals @ 4.75%, night navigation equipment @ 4.75%, crane @ 3.34%, dredgers @ 7%, car parking @ 4.75% and passenger lift @ 4.75%.

31. Re-grouping and re-classification has been done where considered necessary.

32. All the figures are rounded off to the nearest rupee and figures in ( ) indicate negative figures.

For and on behalf of the Authority

(A. K. Gupta)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
Chief Accounts Officer (I/c)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

Schedule – VIII

ACCOUNTING POLICIES

1. TREATMENT OF EXPENSES

Expenditure on hydrographic survey, techno-economic study, bandalling, bottom-panelling, dredging, temporary structure in channel marking and maintenance of vessels, etc. is treated as revenue expenditure whereas expenditure on permanent structures in channel marking, cost of vessels, survey launches, tugs, barges, dredgers, etc. is treated as capital expenditure.

2. DEPRECIATION

Depreciation has been provided on straight line method on the basis of rates in Schedule XIV of the Companies Act 1956 as per Notification No. 1/12/92-CL, V; Circular No. 14/93 dated 20.12.1993. Depreciation on library books has been charged @ 100 % on straight line method. Figures shown in brackets ( ) in column 5 and 9 of Schedule II indicate deduction from Gross Block and Depreciation respectively. Depreciation is charged for the whole year in the year of purchase and no depreciation is charged in the year of disposal/sale.

3. CAPITAL WORK IN PROGRESS

The work in progress is accounted on actual cost basis and includes payments made to contractors for work done and certified.

4. STORES, SPARES AND TOOLS

Stores, spares and tools are valued at lower of cost and net realizable value.

5. PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS

Income and expenditure in excess of Rs. 1000/- each for item relating to previous year/years is credited/debited as the case may be to this account.

6. PROVISIONS

(i) Provision for known liability is created in respect of any expenditure if the value exceeds Rs. 1000/-.

(ii) Provision for leave encashment on retirement in respect of regular employees is created as per Accounting Standard 15 issued by Institute of Chartered Accountant of India.

(iii) Provision for bonus is created on adhoc basis as declared by Central Government in previous year in respect of autonomous bodies.

(iv) Provision for pension contribution/gratuity has been made as per IWAI Employees Pension Fund Regulations, 1993.

7. TREATMENT OF GRANTS

The Authority will have no revenue generation except for grant from the Government till such time National Waterways become fully operational for public use and tariff rates, levies and fees are fixed. As such, out of grants received from the Government, expenditure incurred on revenue account is classified as revenue grant, payments towards assets are classified as capital grant and balance, if any, are treated as grants received in surplus (under current liabilities).

For and on behalf of the Authority

(A. K. Gupta)	(R. P. KHARE)	(PRAVIR PANDEY)	(AMITABH VERMA)
Chief Accounts Officer (I/c)	Member (Technical)	Member (Finance)	Chairman

AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2015

We have audited the attached Balance Sheet of Inland Waterways Authority of India (Authority) as at 31 March 2015 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under section 23 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (IWAI Act, 1985) and Rule 28(3) of the Inland Waterways Authority of India Rules, 1986 (IWAI Rules, 1986) as amended in 2002 vide Notification No. GSR 449 dated 10 October 2002. These financial statements include the accounts of units/branches of the Authority. These financial statements are the responsibility of the Authority's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by managements as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

Based on our audit, we report that;

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 and Rule 28(2) of the IWAI Rules, 1986;

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Authority as required under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 in so far as it appears from our examination of such books except that:

A General

1. Revised format of accounts

As per the Authority's revised format of accounts, which were approved by the Ministry of Shipping, Road Transport & Highways vide its letter No. G-25020/1/2004-IWT dated 28/02/05 the Authority was to include in its accounts :

- A policy statement in Form C3 that the accounts have been prepared keeping in view all the relevant accounting standards approved by Institute of Chartered Accountants of India.
- A note in the accounts about the Member's Responsibility Statement.

The Authority was also required to form an audit committee on the lines of provisions of Companies Act as a measure of good corporate governance.

The Authority failed to comply with the directives of the Administrative Ministry.

2. Corrections carried out at the instance of Audit

On the basis of observations of Audit, the Management carried out corrections in the accounts to the extent of ₹ 107.33 crore as detailed below:

(₹ In crore)

Head of Accounts	Increase	Decrease
Assets	36.65	53.38
Liabilities	–	0.22
Expenditure	16.80	0.06
Income	0.22	--
Classification mistake	--	
Amendments to Notes to accounts	One amendment with no financial impact	

B Management Letter

Deficiencies, which have not been included in the Audit Report, have been brought to the notice of the Management through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

iv. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

v. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Authority as at 31 March 2015; and

b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account, of the income / expenditure for the year ended on 31 March 2015.

For and on behalf of C&AG of India

(P.K. Mishra)
Director General (Commercial)

Place : New Delhi
Dated: 12/11/15

Annexure

1. Internal Audit System

The Internal Audit is being conducted periodically by a Chartered Accountancy firm. However the compliance to the findings of internal auditor needs to be monitored more effectively.

2. Internal Control System

Following deficiencies were observed in the internal control system of the Authority:

a) An instance of fake bank guarantee being provided by the party was noticed.

b) Advances to contractors amounting to ₹ 8.50 lakh which were having age of more than five years were appearing in the books of accounts. The system to review the old outstanding advances needs to be strengthened.

3. System of physical verification of Fixed Assets

Test check of records revealed that physical verification of fixed assets was not conducted at RO, Kolkatta. Further, Fixed Assets Register was not being maintained properly in Head Office at Noida and RO at Patna & Guwahati.

4. System of Physical verification of Inventory

System of physical verification of inventories needs to be further strengthened.

5. Regularity in payment of Statutory Dues

Worker's Welfare Tax, Work Contact Tax and Value Added Tax were not being properly deducted and deposited with the Statutory Authorities.

Management Reply on Comments contained in C&AG Audit report on Annual Accounts for the year ended 31st March, 2015

A. General

Annual accounts are prepared as per applicable accounting standards approved by ICAI. The same will be reviewed and disclosed in notes forming part of accounts in F.Y. 2015-16.

Constitution of Audit Committee and Management Responsibility statement is required under the Companies Act. IWAI is not governed under the Companies Act, being an Autonomous Body under an Act of the Parliament. IWAI has requested Ministry of Shipping for their directive in this context.

Annexure

1. Internal Audit System:

The compliance of Internal Audit reports will be monitored more effectively.

2. Internal Control System:

a) As per present practice, Authority accepts Bank Guarantees after its confirmation from respective Banks. The Bank Guarantees available as on 31.03.2015 have been accepted after due confirmation by the respective Banks.

b) The adjustment of outstanding advances having age of more than five years will be pursued for adjustment in F.Y. 2015-16.

3. System of physical verification of Fixed Assets :

Instruction will be issued to RO-Kolkata to conduct physical verification of Fixed Assets as on 31.03.2016. RO-Guwahati, Patna and Head Office will also be instructed to maintain fixed assets registers properly in compliance with observations of audit.

4. System of Physical verification of Inventory :

Instruction to all offices will be issued during current F.Y. 2015-16.

5. Regularity in payment of Statutory Dues :

The views of Tax Experts will be obtained on applicability of such tax.

Designd & Printed by:
Arkay Associates, E-3, Sector-3, NOIDA-201 301 (U.P.)
Ph. 0120-4282756, 9312501305